TITLE CODE :-DELHIN29015

राजनीतिक दांव

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित

जीत सत्य की...

सुप्रीम कोर्ट 'राजद्रोह' कानून की वैधता पर 10 मई को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय दंड संहिता की धारा 124 -ए (राजद्रोह) की वैधता को चुनौती देते हुए उसे रद्द करने के निर्देश देने की मांग संबंधी याचिकाओं पर 10 मई को सुनवाई होगी।

शीर्ष अदालत ने गुरुवार को इस सवाल पर विचार करने पर सहमत हुई कि राजद्रोह कानून पर विवाद के इस मामले को पांच या सात न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष भेजा जाए या नहीं। अदालत ने अगली सुनवाई से पहले शनिवार-सोमवार के दौरान संबंधित पक्षों को अपनी लिखित दलीलें और जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता के अनुरोध और अन्य संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पर मामले को अगले मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

मुख्य न्यायाधीश रमना और न्यायमूर्ति सूर्य कांत एवं न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने पांच या सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ के पास भेजने के सवाल पर विचार करने की सहमति व्यक्त करने से पहले संबंधित पक्षों की दलीलें सुनीं तथा केदार नाथ सिंह मामले (1962) (जिसमें आईपीसी की धारा 124 ए की वैधता को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ बरकरार रखा था) पर गौर किया।

एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील देते हुए वर्तमान राजद्रोह कानून को स्वतंत्र भारत के विचारों के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि आईपीसी की धारा 124-ए से संबंधित यह कानून असंवैधानिक है। हालांकि, कपिल सिब्बल ने कहा कि इसे सात न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष भेजा जा सकता है।

श्री सिब्बल ने दलील पेश करते हुए कहा कि सरकार की आलोचना को असंतोष पैदा करने के रूप में नहीं माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि केदार नाथ सिंह के फैसले के बाद से दशकों में काफी बदलाव हुए हैं।

दूसरी ओर, केंद्र सरकार के शीर्ष कानून अधिकारी अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने कहा, मेरी राय में राजद्रोह कानून बरकरार रहना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कानून के दुरुपयोग को रोकने के लिए कहा कि शीर्ष अदालत को इस कानून के संबंध में एक दिशानिर्देश पारित करना चाहिए।

श्री वेणुगोपाल ने इस मामले को बड़ी पीठ के समक्ष भेजने का विरोध किया। अपनी दलीलों में उन्होंने कहा कि केदार नाथ सिंह मामले के फैसले के मद्देनजर राजद्रोह कानून वैध है। अदालत इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए दिशानिर्देश निर्धारित कर सकती है।

केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के मद्देनजर कहा कि याचिकाकर्ताओं की गलियों का सरकार की प्रतिक्रिया पर कोई असर नहीं पड़ेगा क्योंकि सरकार का विचार बहुत अधिक समग्र दृष्टिकोण वाला होगा।

उन्होंने मामले को स्थगित करने की मांग करते हुए पीठ के समक्ष कहा कि राजद्रोह कानून पर जवाब वकीलों द्वारा तैयार किया गया है और सक्षम अथॉरिटी द्वारा इसे अनुमोदित करने की जरूरत है।

शीर्ष अदालत ने सुनवाई की तारीख मुकर्रर करते हुए अगली सुनवाई से पहले शनिवार- सोमवार के बीच संबंधित पक्षों को अपनी दलीलें एवं जवाब हलफनामे के जरिए दाखिल करने का निर्देश दिया।

पीठ ने श्री मेहता को करीब एक साल से लंबित याचिकाओं पर सोमवार तक लिखित जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका भी दिया। मुख्य न्यायाधीश ने अगली सुनवाई की तारीख मुकर्रर करते हुए एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि इस मामले को स्थगित नहीं किया जाएगा।

इससे पहले सरकार ने पीठ के समक्ष आवेदन कर दो दिनों और फिर रविवार को एक दिन का अतिरिक्त समय देने की गुहार लगाई थी। मुख्य न्यायाधीश रमना और न्यायमूर्ति सूर्य कांत एवं न्यायमूर्ति हिमा कोहली की विशेष पीठ ने 27 अप्रैल को सुनवाई करते हुए सरकार को 30 अप्रैल तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा था। पीठ ने साथ ही इस मामले के निपटारे के लिए सुनवाई की तारीख 5 मई मुकर्रर करते हुए स्पष्ट तौर पर कहा था कि एक साल से लंबित इस मामले में स्थगन आदेश की कोई अर्जी स्वीकार नहीं की जाएगी।

इस बीच सरकार ने रविवार को एक नया आवेदन पत्र दायर कर कहा था कि जवाब तैयार है, लेकिन संबंधित अथॉरिटी से स्वीकृति मिलनी अभी बाकी है। लिहाजा, इस मामले में कुछ अतिरिक्त समय चाहिए।

इससे पहले 27 अप्रैल को सरकार ने कहा था कि जवाब तैयार है उसे अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। शीर्ष अदालत ने इस मामले में आखिरी सुनवाई जुलाई 2021 को होने का जिक्र करते हुए शीघ्र निपटाने के उद्देश्य से सरकार से 30 अप्रैल तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा था।

राजद्रोह के तहत अधिकतम सजा के रूप में आजीवन कारावास वाले इस कानून पर मुख्य न्यायाधीश रमना ने पिछली सुनवाई पर सॉलिसिटर जनरल श्री मेहता की दलीलें सुनने के बाद उन्हें केंद्र की ओर से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूरोप के तीन देशों की यात्रा के बाद स्वदेश रवाना

पेरिस/नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूरोप के तीन देशों की यात्रा पूरी करने के बाद बृहस्पतिवार को स्वेदश रवाना हो गए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक ट्वीट करके यह जानकारी दी, साथ ही उन्होंने यहां से रवाना होने के लिए विमान में सवार होने से ठीक पहले हाथ हिला कर अभिवादन करते हुए मोदी की एक तस्वीर भी साझा की। प्रवक्ता ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीन देशों की तीन दिन की यात्रा बेहद सार्थक रही। इस यात्रा से व्यापार एवं निवेश संबंध आगे बढ़े, नई हरित साझेदारियां बनीं, नवोन्मेष तथा कौशल विकास के लिए सहयोग को बढ़ावा मिला साथ ही यूरोपीय साझेदारों के साथ सहयोग को और प्रगाढ़ करने का मौका मिला।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने ट्वीट करके कहा कि उनकी फ्रांस की यात्रा बेहद सार्थक रही। उन्होंने ट्वीट किया, फ्रांस की मेरी यात्रा संक्षिप्त किंतु बेहद सार्थक रही। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और मुझे विभिन्न विषयों पर बातचीत का मौका मिला। मैं गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए उनका और फ्रांस की सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। मोदी यूरोप के तीन देशों की यात्रा के आखिरी पड़ाव पर डेनमार्क से पेरिस आये थे। प्रधानमंत्री ने बुधवार को यहां फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से मुलाकात की और द्विपक्षीय तथा आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान दोनों नेताओं ने यूक्रेन के खिलाफ रूस की सैन्य कार्रवाई के मद्देनजर क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया। दोनों नेताओं की प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होने से पहले फ्रांसीसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एलिसी पैलेस में मोदी और मैक्रों ने अकेले बातचीत भी की थी। मोदी की यह यात्रा यूक्रेन संकट के बीच और ऐसे वक्त में हो रही है, जब रूस के खिलाफ यूरोप लगभग एकजुट है।

जनरल पांडे ने उप राष्ट्रपति से मुलाकात की

नयी दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने गुरूवार को यहां उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू से मुलाकात की। जनरल पांडे ने उप राष्ट्रपति निवास जाकर श्री नायडू से मुलाकात की। इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है। जनरल पांडे ने गत 30 अप्रैल को देश के 29 वें सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला था। उन्होंने कार्यभार संभालने के बाद सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी। जनरल मनोज मुकुंद नरवणे के सेवानिृत होने के बाद जनरल पांडे को सेना प्रमुख नियुक्त किया गया था।

बीएसएफ जवानों की हर तरह की सहायता कर रहे हैं प्रधानमंत्री: शाह

हिंगलगंज। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को पश्चिम बंगाल सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि स्थानीय प्रशासन के समर्थन के बिना सीमा सुरक्षा बल के लिए तस्करी और घुसपैठ को रोकना मुश्किल है, लेकिन उम्मीद है कि जनता के दबाव से यह सभी मदद करने के लिए मजबूर होगी।

श्री शाह ने इस दौरान विशेष रूप से सुंदरबन का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका एक हिस्सा बंगलादेश के अधीन है। उन्होंने कहा, तस्करी और घुसपैठ से इलाके को अभेद्य बनाना बीएसएफ का काम है, लेकिन स्थानीय प्रशासन की मदद के बिना यह मुश्किल है। गृह मंत्री ने कहा, लेकिन यकीन है कि यह मदद भी जल्दी ही मिलेगी, जनता से ऐसा दबाव पड़ेगा कि सभी मदद करने के लिए मजबूर हो जाएंगे। इसी के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बंगलादेश से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा के समीप उत्तर 24 परगना जिले के हिंगलगंज में गुरुवार को छह अस्थायी बीपीओ (सीमा चौकी) का अनावरण करने के साथ ही सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की एक एम्बुलेंस को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने अतिक्रमण और घुसपैठ को रोककर भारत के सीमावर्ती जिलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बीएसएफ की सराहना करते हुए आश्वासन दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जवानों को सभी तरह की सहायता प्रदान कर रहे हैं। श्री शाह ने ट्वीट कर कहा, मोदी सरकार सुंदरबन के इस अत्यंत चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में पूरी सजगता से देश की रक्षा करने वाले सीमा सुरक्षा बल के जवानों को हर मुमकिन सुविधा देने के लिए कृतसंकल्पित है।

जम्मू-कश्मीर में पहली बार अनुसूचित जनजाति के लिए सीटें आरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश की अध्यक्षता वाले परिसीमन आयोग ने केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन आदेश को गुरुवार को अंतिम रूप दिया, जिसमें घाटी की अनंतनाग लोकसभा सीट में जम्मू क्षेत्र का कुछ हिस्सा जोड़ दिया गया है और अनुसूचित जनजातियों के लिए पहली बार विधानसभा में नौ सीटें आरक्षित की गई हैं। आयोग ने कश्मीरी विस्थापितों और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर से दर-बदर हुए व्यक्तियों के लिए विधानसभा में अतिरिक्त सीटें रखे जाने की सिफारिश की है। आयोग ने पूरे जम्मू-कश्मीर को एक केन्द्रशासित इकाई मानते हुए कश्मीर घाटी के अनंतनाग और जम्मू के राजौरी-पुंछ क्षेत्र के कुछ इलाकों को एक ही संसदीय निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठित किया है। आयोग ने अनुसूचित जाति के लिए सात सीट आरक्षित किया है।

इस आदेश को भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया गया है।

परिसीमन आदेश के अनुसार इस केंद्रशासित क्षेत्र में जम्मू क्षेत्र में 43 और कश्मीर क्षेत्र में 47 सीटों सहित कुल 90 सीटें रखी गई हैं।

चुनाव आयोग ने परिसीमन आयोग की एक रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं की जानकारी देते हुए एक विज्ञप्ति में कहा कि आयोग ने पहली बार जम्मू-कश्मीर में नौ सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित की हैं। आयोग ने जम्मू-कश्मीर के पांचों संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में 18-18 सीटें निर्धारित की हैं। हर सीट की सीमा संबंधित जिले की सीमा के अंदर रखी गयी है।

आयोग ने परिसीमन की प्रक्रिया में पटवार सर्किल को सबसे छोटी इकाई के रूप में लिया है और उसे विखंडित नहीं किया है। आयोग में मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुशील चंद्रा और जम्मू-कश्मीर चुनाव आयोग के आयुक्त के के शर्मा शामिल थे। आयोग की आज ही हुई एक बैठक में इस रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया गया और इसे राजपत्र में प्रकाशित किया गया। आयोग ने पूरे जम्मू-कश्मीर को एक संघ शासित क्षेत्र के रूप में लिया है। आयोग ने क्षेत्र में पांच में से एक निर्वाचन क्षेत्र कश्मीर घाटी के अनंतनाग क्षेत्र और जम्मू के राजौरी-पुंछ क्षेत्र के हिस्सों को मिलाकर निर्धारित किया है। निर्वाचन आयोग की विज्ञप्ति में कहा गया है, इस पुनर्गठन से प्रत्येक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में विधानसभा सीटों की संख्या 18-18 होगी।

महंगे और अत्याधुनिक हथियार जीत की गारंटी नहीं, जज्बा भी उतना ही जरूरी: राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि केवल अत्याधुनिक तथा महंगे हथियार और प्रौद्योगिकी जीत की गारंटी नहीं हो सकते और इनका सटीक इस्तेमाल जितना जरूरी है सेना और उसके नेतृत्व का जज्बा, काबिलियत तथा दृढ इच्छाशक्ति भी उतनी ही जरूरी है।

श्री सिंह ने 1971 की लड़ाई में सफलतापूर्वक वायु सेना की बागडोर संभालने वाले एयर चीफ मार्शल पी सी लाल की स्मृति में गुरूवार को यहां आयोजित व्याख्यान आयोजन में अपने संबोधन में कहा कि वायु सेना ने 1947, 1971 की लड़ाई तथा अन्य अभियानों में प्रतिकूल परिस्थितियों में दमदार प्रदर्शन कर फतह हासिल की है। इन लड़ाइयों तथा अभियानों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ये सभी उदाहरण क्या दशार्ते हैं? ये दशार्ते हैं कि किसी भी अभियान में जीत हासिल करने के लिए अत्याधुनिक हथियार प्रणाली, उपकरण और प्लेटफार्म तो जरूरी हैं ही, पर उनसे भी कहीं जरूरी है हमारे अंदर का जज्बा, काबिलियत और दृढ़ इच्छाशक्ति। प्रौद्योगिकी कितनी भी उपलब्ध हो,प्लेटफार्म कितने ही उपलब्ध हों, लेकिन यह किसी लीडर की चतुरता होती है, जो किसी की जीत और हार सुनिश्चित करती है। यही क्वालिटी युद्ध में किसी पक्ष की ओर निर्णायक भूमिका निभाती हैं और इस मामले में भारतीय सेनाएँ, मैं समझता हूँ अत्यंत भाग्यशाली हैं। उन्होंने कहा कि केवल महंगे विमान और हथियार प्रणाली एकत्र करने से जीत की गारंटी नहीं मिल सकती इनका सटीक और सही तरीके से इस्तेमाल भी बेहद अधिक जरूरी है। उन्होंने कहा, मैं दोहराना चाहूँगा, कि अधिक महंगे प्लेटफार्म और हथियार प्रणाली आपको विजय दिला सकें, यह हमेशा आवश्यक नहीं है। दरअसल हम इनका इस्तेमाल किस तरह से होता है उससे भी युद्ध में बढत मिलती है। श्री सिंह ने कहा कि प्रौद्योगिकी निश्चित रूप से ताकत को कई गुणा बढाती है लेकिन नये तरीके से यदि इनका इस्तेमाल नहीं किया जाये तो ये केवल दिखावटी सामान बनकर रह जाते हैं। उन्होंने कहा, नई-नई प्रौद्योगिकी वाले हथियारों को केवल इकट्ठा कर लेना, औरों के लिए ईर्ष्या का कारण भले हो सकता है, पर जरूरी नहीं कि वह किसी को जीत दिलाने की गारंटी बन जाए।उन्होंने कहा कि एयर चीफ मार्शल पी सी लाल तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और एकीकरण के हिमायती थे और 1971 की लड़ाई में भारत की जीत इसका बड़ा उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि इसी तरह के अनुभवों के आधार पर वायु सेना ने पिछले कुछ दशकों में कई चुनौतियों तथा कठिन अभियानों में विजय हासिल की है।

भविष्य के युद्धों तथा चुनौतियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सीरिया, इराक, अफगानिस्तान और अभी यूक्रेन में जारी युद्ध को बारीकी से देखने से हमें ऐसे कई विचारणीय बिंदु मिलते हैं जिससे हम भविष्य के युद्ध के स्वरूप का आकलन कर सकते हैं। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी राष्ट्र केवल आयात के आधार पर तेजी से आगे नहीं बढ सकता है। उन्होंने कहा, उधार ली हुई क्षमता के आधार पर एक सीमा से आगे प्रगति नहीं कर सकता है। श्री सिंह ने कहा, ऐसे में आत्मनिर्भरता न केवल घरेलू क्षमता निर्माण बल्कि हमारी स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए भी आवश्यक है। आत्मनिर्भरता की जो राह हमने चुनी है, उस पर चलना आसान नहीं है । हो सकता है शुरूआत में हमें यह किफायती भी न हो। पर इस बात को लेकर हम पूरी तरह स्पष्ट हैं, कि दीर्घावधि में यह न केवल रक्षा क्षेत्र बल्कि उद्योग के हर पहलू में मजबूत औद्योगिक आधार की नींव बनाने में मदद करेगा।

डब्ल्यूएचओ कोविड मृत्यु अनुमान पर आपत्ति जतायी भारत ने

नई दिल्ली। भारत ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के कोविड मृत्यु अनुमान पर गहरी आपत्ति जतायी है और कहा है कि इसके लिए उचित प्रणाली का प्रयोग नहीं किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने गुरुवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि भारत ने डब्ल्यूएचओ के कोविड मृत्यु अनुमान के गणितीय माडल और इसके परिणामों पर असहमति व्यक्ति की है। भारत ने कहा है कि भारत के संबंध में भारतीय महापंजीयक की नागरिक पंजीयन प्रणाली से प्राप्त प्रमाणिक आंकड़ों पर भरोसा किया जाना चाहिए और भारत के संबंध में गणितीय माडल का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। इस माडल से भारत में अधिक कोविड मृत्यु दशार्यी गयी है। देश में जन्म और मृत्यु को दर्ज करने की मजबूत प्रणाली है और यह कानूनी प्रारुप से संरक्षित है। इससे प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग देश विदेश के शोधकर्ता, नीति निर्धारक और अन्य संबंधित पक्ष करते हैं। भारत में जन्म और मृत्यु दर्ज करने की प्रणाली लगभग एक शताब्दी पुरानी है और देश में तकरीबन तीन लाख पंजीयक और उप पंजीयक हैं।

ड्रोन के लिए आईपीएल योजना के तहत आवेदन आमंत्रित

नयी दिल्ली। देश को वर्ष 2030 तक विश्व का ड्रोन केंद्र बनाने के उद्देश्य से नागर विमानन मंत्रालय ने ड्रोन और इसके पुर्जों के लिये उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत आवेदन आमंत्रित किये हैं।

जिन कंपनियों ने वित्तवर्ष 2021-22 की पीएलआई पात्रता सीमा पार कर ली है, वे भी आवेदन कर सकती हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 20 मई है।

नागर विमानन मंत्रालय ने ड्रोन और ड्रोन पुर्जों के उन निमार्ताओं के लिये आवेदन की राह खोल दी है, जिन्होंने पूरे वित्त वर्ष (एक अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022) की पीएलआई पात्रता सीमा पार कर ली है। ऐसे निमार्ता अपने आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 20 मई तक है। पीएलआई लाभार्थियों के वित्तीय नतीजों और अन्य जरूरी दस्तावेजों की गहन जांच करने के बाद उनकी सूची 30 जून, 2022 तक जारी की जा सकती है। इसके पहले नागर विमानन मंत्रालय ने 20 अप्रैल को 14 पीएलआई लाभार्थियों की एक अनन्तिम सूची जारी की थी, जो दस महीने की अवधि (एक अप्रैल, 2021 से 31 जनवरी, 2022) के मद्देनजर उनके वित्तीय परिणामों के आधार पर तैयार की गई थी। इनमें पांच ड्रोन निमार्ता और ड्रोन पुर्जों के नौ निमार्ता शामिल थे। ड्रोन और ड्रोन पुर्जों की पीएलआई योजना के लिये पात्रता में वार्षिक कारोबार को भी शामिल किया गया है। इस संबंध में ड्रोन बनाने वाली कंपनियों का वार्षिक कारोबार दो करोड़ रुपये और ड्रोन पुर्जे बनाने वाली कंपनियों का वार्षिक कारोबार 50 लाख रुपये होना चाहिये। कारोबार में 40 प्रतिशत से अधिक का मूल्य संवर्धन होना भी जरूरी है।

ड्रोन और ड्रोन पुर्जों के लिये पीएलआई योजना को 30 सितंबर, 2021 को अधिसूचित किया गया था। योजना के तहत तीन वित्त वर्षों के दौरान कुल 120 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन दिया जायेगा, जो वित्त वर्ष 2020-21 में सभी स्वदेशी ड्रोन निमार्ताओं के संयुक्त कारोबार का लगभग दोगुना है। पीएलआई की दर मूल्य संवर्धन का 20 प्रतिशत है, जो अन्य पीएलआई योजनाओं में सर्वाधिक है।

बुंदेलखंड प्रवास पर सात मई को झांसी जायेंगे योगी

ललितपुर में सुनेंगे मुरारी बापू के प्रवचन

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिन के बुंदेलखंड प्रवास पर सात मई को झांसी और ललितपुर जायेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी विकास परियोजनाओं की समीक्षा के अलावा मशहूर कथावाचक मुरारी बापू के ललितपुर में चल रहे प्रवचन में भी शामिल होंगे।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के बाद अपने दूसरे कार्यकाल में मुख्यमंत्री योगी का यह पहला बुंदेलखंड दौरा होगा। उनके संभावित आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार योगी शनिवार को शाम चार बजे झांसी पहुंचेंगे। जहां वह आयुक्त सभागार में झांसी मंडल की विकास परियोजनाओं और कानून व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने के लिये वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इस बैठक में जालौन जिले के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से शिरकत करेंगे।

बैठक के बाद शाम पांच बजे योगी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर सायं साढ़े पांच बजे से विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री झांसी स्थित सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे।

रविवार को सुबह नौ बजे वह झांसी से ललितपुर के लिये प्रस्थान करेंगे। ललितपुर में योगी सुबह साढ़े नौ बजे मुरारी बापू के कथास्थल पर पहुंचेंगे। लगभग आधा घंटा कथास्थल पर रुकने के बाद वह ललितपुर कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के आला अधिकारियों के साथ विकासकार्यों एवं कानून व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने के लिये समीक्षा बैठक करेंगे।

गौरतलब है कि ललितपुर में सामूहिक दुष्कर्म की पीड़ित एक मासूम बच्ची के साथ पुलिस थाने में थाना प्रभारी द्वारा कथित तौर पर दुष्कर्म किये जाने का सनसनीखेज मामला पिछले दिनों सामने आने पर विपक्षी दल योगी सरकार के विरुद्ध हमलावर है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को यह मामला उजागर होने के अगले ही दिन बुधवार को ललितपुर में पीड़ित परिवार से मुलाकात कर योगी-राज में पुलिस के बेलगाम होने का आरोप लगाया।

अन्य विपक्षी दलों ने भी इस मामले में सरकार की कार्यशैली को कटघरे में खड़ा किया है। गुरुवार को भी ललितपुर के महरौनी कोतवाली में एक महिला को पुलिसकर्मियों द्वारा बेरहमी से पीटे जाने के बाद कोतवाली प्रभारी सहित तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है।

इन वारदातों के सुर्खियों में होने के बीच ही मुख्यमंत्री का ललितपुर दौरा स्थानीय प्रशासन के लिये खासा तनाव भरा साबित होने के आसार हैं। मुख्यमंत्री योगी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद दिन में सवा 11 बजे से आधा घंटे तक इलाके के जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद दोपहर साढ़े 12 बजे लखनऊ रवाना होने से पहले वह विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण भी करेंगे।

खबर का असर, खबर हुई सार्वजनिक शांति मिली मानसिक

मामले का त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों ने कराया समस्या का समाधान

यात्रियों व रेलवे कॉलोनीवासियों के बीच खुशी की लहर

साहिबाबाद रेलवे स्टेशन की कहानी, ना पीने को, ना शौच को पानी

- बूंद बूंद के लिए तरस रहे यात्री एवं आम जनता
- जानकारी के मुताबिक रेलवे कॉलोनी में भी नहीं आ रहा है पानी
- विभाग के द्वारा जो टैंकर भेजा जा रहा है उसका पानी भी काफी गंदा है

विशेष संवाददाता

साहिबाबाद। यह एक बहुत ही सोचनीय विषय है कि इस भीषण गर्मी के मौसम में साहिबाबाद रेलवे स्टेशन पर पीने तक के लिए पानी नहीं है और नाही शौच इत्यादि के लिए यह एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है जहां एक और दिन पे दिन रेलवे का निजीकरण होता जा रहा है इसके लिए लोग अपनी तरह तरह की प्रतिक्रियाएं भी देते रहते हैं लेकिन जब बात जनता व यात्रियों की सुविधा को लेकर होती है तो हर संबंधित अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करता है।

जानकारी के मुताबिक:- पिछले करीब 10- 12 दिनों से साहिबाबाद रेलवे स्टेशन पर पानी की भारी किल्लत देखी जा रही है ना पीने के लिए पानी मौजूद है और ना ही यात्रियों व आम जनता को शौच जाने के लिए अब ऐसे में यात्रीगण व आम जनता क्या करें आरोप है कि काफी शिकायतें भी संबंधित विभाग व संबंधित अधिकारियों से की गई है लेकिन इसका अभी तक कोई निष्कर्ष नहीं निकल पाया है केवल और केवल आश्वासन दिया जा रहा है हाल ही में इस प्रतिनिधि की बात संबंधित अधिकारी अभिषेक आई डब्ल्यू गाजियाबाद से हुई उन्होंने जानकारी दी कि यह समस्या करीब 10 दिनों से चल रही है जिस पर काम किया जा रहा है तथा तब तक के लिए पानी के टैंकरों द्वारा रेलवे स्टेशन को पानी मुहैया कराया जा रहा है वहीं यात्रियों का दूसरी ओर आरोप है कि टैंकर का पानी काफी गंदा आ रहा है जिसके चलते उसको पीने के उपयोग में नहीं लाया जा सकता साहिबाबाद रेलवे स्टेशन के शौचालयों की दुर्लभ स्थिति भारी पानी की किल्लत के चलते हैं साहिबाबाद रेलवे स्टेशन पर स्थित शौचालयों की हालत भी काफी गन्दगीयुक्त बनी हुई है।

जानकारी यह भी मिली है कि यात्रियों जनता के अलावा साहिबाबाद रेलवे स्टेशन पर तैनात रेलवे के आला अधिकारियों व कर्मचारीयों को भी बाहर शौच जाने के लिए खर्चने पड़ रहे हैं पैसे, नहीं लिया जा रहा है उच्च अधिकारियों द्वारा कोई संज्ञान।

संबंधित अधिकारी अभिषेक आई ओ डब्ल्यू गाजियाबाद का कहना है कि वह इस समस्या के निस्तारण हेतु निरंतर प्रयासरत हैं वह आगामी 1 से 2 दिनों में इस समस्या का निस्तारण करवा दिया जाएगा अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या ऐसा वाकई होता है या नहीं।

गौरव राय

साहिबाबाद। गत्त पिछले दो सप्ताह से पानी की मोटर खराब हो जाने की वजह से पानी की किल्लत से जूझ रहे साहिबाबाद रेलवे स्टेशन के यात्रीगण, कर्मचारी व रेलवे कॉलोनी के स्थानीय निवासियों के बीच समस्या समाधान के बाद खुशी की लहर।

दरअसल, बीते करीब दो सप्ताह से साहिबाबाद रेलवे स्टेशन जोकि गाजियाबाद के अंतर्गत आता है और एक बड़ा रेलवे स्टेशन है की पानी की मोटर किसी तकनीकी खराबी से खराब हो गई थी इसके बाद यात्री, कर्मचारी एवं वहाँ रेलवे कॉलोनी के स्थानीय निवासी पानी की किल्लत से जूझ रहे थे अनेकों शिकायतें संबंधित अधिकारियों को दी गई लेकिन कोई समस्या का समाधान नहीं हुआ फिर एक दिन इस प्रतिनिधि ने रेलवे स्टेशन का दौरा किया व पाया कि बिना पानी के लोग बेहाल थे ना पीने के लिए पानी ना शौच के लिए फिर सम्बंधित अधिकारी से बातकर इस जनसमस्या को अखबार, चैनल व अन्य माध्यमों से खबर को सार्वजनिक किया गया फिर सम्बन्धित अधिकारियों ने मामले का त्वरित संज्ञान लेते हुए समस्या का निस्तारण जल्द करा दिया व सोमवार से पानी की सुचारू रूप से सप्लाई शुरू हो गई जिससे कि लोग बहुत खुश हुए व संबंधित अधिकारियों सहित मीडिया का बहुत बहुत धन्यवाद कहते हुए आभार प्रकट किया।

लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने फुलवरिया आरओबी का किया निरीक्षण

- बाबा विश्वनाथ और संकट मोचन मंदिर में भी लगाई हाजिरी

वाराणसी, एजेंसी। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने वाराणसी दौरे के दूसरे दिन गुरूवार को लहरतारा चौराहे से मंडुआडीह की तरफ उतरने वाले पुल का निरीक्षण किया। इसके बाद लहरतारा चौराहे से फुलवरिया रेलवे क्रॉसिंग तक निमार्णाधीन पुल का निरीक्षण किया। लगभग 20 मिनट तक मंत्री ने आरओबी की सूक्ष्मता से निरीक्षण करने के बाद इसकी गुणवत्ता परखी।

लोक निर्माण विभाग और सेतु निगम के अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि लगभग 90 फीसदी कार्य हो चला है। शेष काम को पूरा किया जा रहा है। इस पर मंत्री ने कहा कि आरओबी निर्माण में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इसमें आने वाली समस्याओं का समाधान कर निर्माण कार्य तत्काल पूरा कराएं। इसके बाद उन्होंने पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता संजय तिवारी, सेतु निगम के मुख्य परियोजना प्रबंधक को दिशा निर्देश देने के बाद कहा कि फुलवरिया फोरलेन में दो पुल और दो ओवर ब्रिज शामिल हैं। इसलिए यह बड़ी परियोजना है। फिर भी शहर के लोगों के लिए लाइफ लाइन होने की वजह से इसे दिसंबर 2022 तक हर हाल में पूरा कर लिया जाएगा। बाबा विश्वनाथ और श्री संकट मोचन दरबार में लगाई हाजिरी : लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने वाराणसी दौरे के दूसरे दिन श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। दरबार में विधि विधान से दर्शन पूजन के बाद काशी विश्वनाथ धाम का भी अवलोकन किया। बाबा के नव्य और विस्तारित भव्य धाम को देख कैबिनेट मंत्री भाव विभोर दिखे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना थी वैसा ही धाम साकार रूप लिया है। कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने धाम में हुए निर्माण कार्य और शेष कार्यों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। मंत्री ने विश्वनाथ धाम दर्शन के बाद नेपाली मंदिर में भी दर्शन पूजन किया। इस दौरान वहां लोक निर्माण विभाग की तरफ से चल रहे कार्यों के विषय में जानकारी ली।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बदमाश घायल, अवैध असलहा व कारतूस बरामद

झांसी, एजेंसी। लहचूरा व पूंछ पुलिस ने बीती रात को मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। वह पुलिस की गोली से घायल है। झांसी की लहचूरा व पूंछ पुलिस को देर रात सूचना मिली कि एक इनामी बदमाश घाट लहचूरा से गुजरने वाला है।

पुलिस ने लहचूरा पर चेकिंग लगाई गई। इसी दौरान मोटर साइकिल पर आ रहे एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका गया। बजाये रुकने के वह भागने लगा। पुलिस पार्टी द्वारा व्यक्ति का पीछा किया। करीब 01 किमी दूर तक मोटर साइकिल से भागने के बाद घाट लहचूरा तथा बमौरी लिंक रोड के बीच पुलिया पर बाइक फिसलने से गिर गया तथा पुलिस पार्टी पर फायरिंग करना शुरू कर दिया। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश-छिप्पू उर्फ पुष्पेन्द्र पुत्र महेश राजपूत के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए भेजा गया। सीओ मऊरानीपुर अनुज कुमार ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश थाना लहचूरा पर पंजीकृत जानलेवा हमले के अभियोग में वांछित तथा 25 हजार रुपये का इनामी है। गिरफ्तार घायल बदमाश पर हत्या समेत विभिन्न गंभीर धाराओं में करीब आधा दर्जन अभियोग भी विभिन्न थाना क्षेत्रों में पंजीकृत हैं।

आबकारी विभाग ने 136 लोगों गिरफ्तार किया

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में आबकारी विभाग के प्रवर्तन दस्ते की कार्रवाईयों ने जोर पकड़ लिया है। बीते 48 घंटों में विशेष प्रवर्तन अभियान में 136 व्यक्त्यिों की गिरफ्तारी की जा चुकी हैं।

संयुक्त आबकारी आयुक्त राजेशमणि ने गुरुवार को बताया कि आबकारी विभाग के विशेष प्रवर्तन अभियान में बीते 48 घंटों में अलग-अलग दो दिन के भीतर हुई कार्रवाई में बुधवार को प्रदेश भर में 2,042 जगहों पर छापे पड़े और 7,155 लीटर अवैध शराब पकड़ी गयी। 308 मुकदमें दर्ज हुए एवं संलिप्त 81 लोगों को गिरफ्तार किया गया। वहीं 34 अभियुक्तों को जेल भेजा गया। उन्होंने बताया कि इसी तरह मंगलवार को सक्रिय रुप से विशेष प्रवर्तन अभियान चला और उत्तर प्रदेश में 1798 जगहों पर छापेमारी हुई। इस दौरान 5,294 लीटर अवैध शराब बरामद हुई और कुल 229 मुकदमे दर्ज हुए।

पुलिस मुठभेड़ में तीन शातिर गिरफ्तार, लाखों के जेवरात व शस्त्र बरामद

फरुर्खाबाद, एजेंसी। जिले की पुलिस ने गुरुवार को संगीन वारदातों को अंजाम देने वाले तीन शातिरों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। इनके कब्जे से लाखों रुपये कीमती जेवरात व अवैध शस्त्र बरामद हुए हैं। थाना मऊ दरवाजा के इंस्पेक्टर ने कोतवाली फरुर्खाबाद के मोहल्ला धीमरपुरा निवासी विवेक सक्सेना पुत्र राकेश, मोहल्ला नुनहाई निवासी शिवम राजपूत उर्फ बड़े पुत्र रामप्रकाश एवं मोहल्ला नौनमगंज निवासी मोनू राजपूत पुत्र हरिश्चंद्र को को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि थाना मऊ दरवाजा पुलिस ने इन शातिरों को ग्राम गढ़िया अंडर पास के निकट मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। जिनके पास 12070 रुपये, 5 लाख कीमती सोने चांदी के जेवरात व तमंचा कारतूस बरामद किए गए। इन शातिरों का बड़ा गिरोह है। जमानत पर छूटकर यह लोग दिल्ली चले जाते हैं। जब यह लोग तारीख करने जिले में आते हैं सभी साथियों के सहयोग से संगीन वारदातें करते हैं।

ये शातिर घर में खाना भी खाते और गंदगी भी करते हैं। जिसे पुलिस बाहर के गिरोह होने का संदेह करे। इन शातिरों ने थाना मऊ दरवाजा एवं कोतवाली फरुर्खाबाद की 8 चोरी की वारदातों का इकबाल किया है। एक आरोपी का गैंगस्टर में भी चालान हो चुका है। आरोपी विवेक पर 24 शिवम पर 12 एवं मोनू पर 10 मुकदमे दर्ज हैं। इन के गिरोह का पंजीकरण कर गैंगस्टर की कार्यवाही की जाएगी। संपत्ति की जानकारी कर जब्त कर ली जाएगी। श्री मीणा ने एक सवाल के जवाब में बताया कि चोरी के जेवरात खरीदने वालों की जांच की जाएगी।

काशी की तर्ज पर गंगा की 13 सहायक नदियों पर भी होगी 'गंगा आरती'

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में काशी, प्रयागराज और बिठूर में गंगा नदी के तट पर हर शाम होने वाली गंगा आरती का दायरा बढ़ाकर अब गंगा की सहायक नदियों पर भी हर शाम गंगा आरती की शुरूआत होगी।

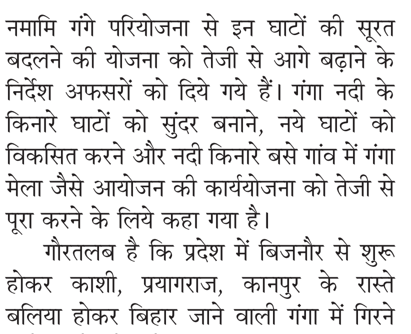

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकताओं में शामिल गंगा स्वच्छता अभियान को विस्तार देते हुए गंगा नदी के साथ उसकी सहायक नदियों को भी संरक्षित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं। इसके लिये 'नमामि गंगे परियोजना' के तहत गंगा को स्वच्छ बनाने में जुटी योगी सरकार की नई योजना से सहायक नदियों के घाटों की भी सूरत बदली जायेगी। राज्य सरकार की ओर से गुरुवार को प्राप्त जानकारी के मुताबिक नमामि गंगे परियोजना के तहत गंगा से मिलने वाली रामगंगा, बेतवा, घाघरा, सरयू, राप्ती, वरुणा, काली, यमुना, हिंडन, गर्गो, केन, गोमती और सई के किनारे घाटों की सूरत बदली जाएगी। इन्हीं नदियों के घाटों को गंगा आरती के व्यापक दायरे में शामिल किया जायेगा।

इसके तहत नदी के किनारे बने पुराने घाटों को संवारने के साथ गंगा किनारे के गांवों में गंगा मेले जैसे आयोजन भी शुरू होंगे। इस संबंध में नमामि गंगे परियोजना से इन घाटों की सूरत बदलने की योजना को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश अफसरों को दिये गये हैं। गंगा नदी के किनारे घाटों को सुंदर बनाने, नये घाटों को विकसित करने और नदी किनारे बसे गांव में गंगा मेला जैसे आयोजन की कार्ययोजना को तेजी से पूरा करने के लिये कहा गया है।

गौरतलब है कि प्रदेश में बिजनौर से शुरू होकर काशी, प्रयागराज, कानपुर के रास्ते बलिया होकर बिहार जाने वाली गंगा में गिरने वाले नालों को बड़े स्तर पर अभियान चलाकर राज्य सरकार ने या तो रोक दिया है या उनको टैप कर दिया गया है। परियोजना से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि यहां बड़े-बड़े एसटीपी बनाये गये हैं और कई जगह पर गंगा में गिरने वाले नालों को बंद करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

यमुना की लहरों पर बनेगा उत्तर भारत का पहला फ्लोटिंग रेस्तरां

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश का पहला फ्लोटिंग रेस्तरां प्रयागराज में बनने जा रहा है। इसके लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने बोट क्लब में सुविधाओं को अपग्रेड करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके अलावा क्लब में वाटर स्पोर्ट्स की सुविधा के साथ एक योग सेंटर भी होगा। संगम नगरी के लोग और यहां आने वाले सैलानी जल्द ही यमुना किनारे फ्लोटिंग रेस्तरां में स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे। रेस्तरां में कई तरह के व्यंजन परोसने के साथ बच्चों व बड़ों के मनोरंजन की अन्य सुविधाएँ भी होंगी। योजना को जमीन पर उतारने के लिए बोट क्लब को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर संचालित किया जाएगा। चयनित एजेंसी को फ्लोटिंग रेस्तरां में सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी और वह इसे भी चलाएगी। पीडीए ने योजना को अमली जामा पहनाने के लिए निविदा जारी कर दी है। इच्छुक एजेंसियों को एक प्रेजेंटेशन देना होगा कि वह बोट क्लब में क्या बदलाव करना चाहते हैं और इसे कैसे विकसित करेंगे। प्रयागराज में आकार ले रही फ्लोटिंग रेस्तरां की योजना उत्तर भारत में किसी नदी के किनारे बनने वाली अपनी तरह की पहली और सबसे अनूठी योजना मानी जा रही है। पीडीए के उपाध्यक्ष अरविंद कुमार चौहान ने कहा कि जिस एजेंसी की योजना सबसे अच्छी होगी, उसे बोट क्लब चलाने और सुविधाओं को बढ़ाने की जिम्मेदारी दी जाएगी, ताकि लोग अच्छी सुविधाओं का आनंद ले सकें।

पुलिस के जुल्म की एक और शिकायत, महिला को पीटने पर तीन पुलिसकर्मी निलंबित

ललितपुर। उत्तर प्रदेश के ललितपुर में सामूहिक बलात्कार की पीड़ित बच्ची के साथ थानाध्यक्ष द्वारा दुष्कर्म किये जाने का मामला अभी शांत भी नहीं हो पाया था, कि गुरुवार को कथित चोरी के आरोप में एक महिला को कोतवाली में जमकर पीटने की घटना सामने आने पर कोतवाली प्रभारी, महिला उपनिरीक्षक और एक कांस्टेबिल को निलंबित कर दिया गया।

पुलिस के अनुसार ललितपुर के महरौनी थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मी के घर पर काम करने वाली महिला को कथित चोरी के इल्जाम में घर और कोतवाली में पीटे जाने की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए जिले के पुलिस अधीक्षक निखिल पाठक ने महरौनी कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक कामता प्रसाद, महिला उपनिरीक्षक पारूल चन्देल व आरक्षी अंशू पटेल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही पीड़िता के साथ मारपीट करने वाले पुलिसकर्मी चन्देल, पटेल और पटेल की पत्नी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

इस मामले में शिकायतकर्ता पूजा पत्नी लक्ष्मी प्रसाद, निवासी मुहल्ला खरवांचपुरा थाना महरौनी द्वारा लिखित शिकायत दी गयी थी। इसमें उन्होंने बताया कि वह कोतवाली महरौनी में तैनात आरक्षी अंशू पटेल के घर पर खाना बनाने का काम करती है। बीती 02 मई को जब वह खाना बनाने पहुंची तो उपरोक्त आरक्षी अंशू पटेल, उसकी पत्नी व महिला उप निरीक्षक पारुल चन्देल ने कमरा बंद कर-के उसे जमकर पीटा तथा आरक्षी के घर में हुयी चोरी के संबंध में आरोप कुबूल करने का दबाव बनाया। पुलिसकर्मियों का कहना था कि किसी तांत्रिक ने बताया है कि घर में काम करने वाले ने ही चोरी की है।

इसके बाद पीड़िता और उसके पति को कोतवाली में ले जाकर दोनों के साथ इन लोगों ने मारपीट की। मारपीट से उसे काफी चोट आने की दुहाई देते हुए पीड़िता ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक सहित उच्चाधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई। पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली महरौनी में सुसंगत धाराओं के तहत महिला उप निरीक्षक पारूल चन्देल, सिपाही अंशू पटेल व सिपाही अंशू पटेल की पत्नी के विरूद्ध मामला पंजीकृत किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

विद्यालय परिसर के अंदर स्कूली बस ने छात्र को कुचला, मौत, हंगामा

बागपत, एजेंसी। बागपत जिले के चांदीनगर थाना क्षेत्र के चमरावल गांव में बृहस्पतिवार को विद्यालय परिसर के अंदर स?कूल बस ने कक्षा एक के छात्र को कुचल दिया, जिससे बच्चे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। घटना से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बड़ी मुश्किल से हंगामा कर रहे लोंगो को समझा-बुझाकर शांत किया।

पुलिस अधीक्षक बागपत नीरज कुमार जादौन ने बताया कि हादसा विद्यालय परिसर के अंदर बृहस्पतिवार सुबह उस समय हुआ जब चमरावल गांव निवासी अरुण का छह वर्षीय पुत्र आयुष रॉयल कान्वेंट इंटर कॉलेज के परिसर के मुख्य द्वार के पास खड़ा था, तभी स्कूली वाहन ने उसे कुचल दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जादौन के अनुसार मृतक के शव को पोस्टमाटर्म के लिए भेजकर परिजनों की तहरीर पर विद्यालय प्रबन्धक और बस के चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। थाना चांदी नगर पुलिस इंस्पेक्टर जनक सिंह चौहान ने बताया कि आयुष गांव के ही रॉयल कान्वेंट इंटर कॉलेज में कक्षा एक का छात्र था।

मिजार्पुर में 70 साल की महिला से दुष्कर्म

शाहजहांपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के मिजार्पुर इलाके से चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक गांव में मानसिक रूप से विक्षिप्त 70 वर्षीय महिला का पहले अपहरण किया गया और फिर उसे अपनी हवस का शिकार बनाया गया। बुधवार की रात महिला को उसके परिवार वालों ने खेत में बेहोशी की हालत में देखा। वह खून से लथपथ अवस्था में थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) संजीव बाजपेयी ने कहा कि गांव वालों ने आरोपी के कपड़ों पर खून के धब्बे देखें तो उसे तुरंत पकड़ लिया। जब उससे सख्ती से पूछा गया, तो उसने अपना सारा जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत स्थिर है।

यूपी के बागपत मे स्कूल परिसर में ही वैन ने छात्र को कुचला, हुई मौत

बागपत, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बागपत मे कक्षा 1 के एक छात्र की उस स्कूल वैन के चपेट में आने से मौत हो गई, जो उसे गुरूवार की सुबह स्कूल छोड़ने गई थी। यह घटना बागपत के चांदीनगर थाना क्षेत्र में हुई, जब वैन चालक वाहन को पीछे कर रहा था।

छात्र की पहचान आयुष के रूप में हुई है जिसकी उम्र 6 साल थी। वाहन को पीछे करते समय वैन चालक ने बच्चे के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी। स्कूल के स्टाफ ने तुरंत बच्चे को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके माता-पिता को सूचित किया गया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। चांदीनगर पुलिस ने बताया कि बच्चे के माता-पिता और रिश्तेदारों ने यह कहते हुए विरोध प्रदर्शन किया कि स्कूल ने उन्हें तुरंत सूचित नहीं किया। वैन के चालक के खिलाफ आईपीसी की धारा 304 (ए) (लापरवाही से गाड़ी चलाने से हुई मौत) के तहत प्राथमिक दर्ज कराई गई है। वैन चालक को हिरासत मे लिया गया है। न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा।

रेप के बाद नाबालिग ने की आत्महत्या

फतेहपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में एक नाबालिग लड़की के आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि गांव के ही एक लड़के ने उसका बलात्कार किया था। पुलिस ने गुरूवार को यह जानकारी दी। घटना जिले के चांदपुर थाना क्षेत्र की है। फतेहपुर के पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह ने कहा कि 15 वर्षीय दलित लड़की मंगलवार शाम गांव के पास जंगल में शौच के लिए गई थी, जहां उसका बलात्कार किया गया।

एसपी ने बताया कि देर रात तक जब लड़की घर नहीं लौटी तो उसके माता-पिता उसे ढूंढने निकल गए। इस दौरान उन्हें वह जंगल में अस्त-व्यस्त अवस्था में मिली। जिसके बाद लड़की को इलाज के लिए प्राइवेट डॉक्टर के पास ले जाया गया और वहां से वह घर आ गए। एसपी ने बताया कि लड़की ने बुधवार को कोई जहरीला पदार्थ खा लिया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि लड़की के माता-पिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया गया है और पूछताछ की जा रही है। वहीं नाबालिग के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

शाहजहांपुर में मानसिक रूप से अस्वस्थ 70 वर्षीय वृद्धा से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

शाहजहांपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में एक व्यक्ति मानसिक रूप से अस्वस्थ 70 वर्षीय वृद्धा को उसके घर से उठा ले गया और कथित तौर पर उससे दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण संजीव बाजपेयी ने बृहस्पतिवार को बताया कि थाना मिजार्पुर अंतर्गत एक गांव में रहने वाली एक 70 वर्षीय वृद्धा मानसिक रूप से अस्वस्थ है। बाजपेयी ने कहा कि वृद्धा को उसके गांव का रहने वाला आरोपी रजनीश मंगलवार रात में उसे घर से उठाकर खेत में ले गया और उसके साथ कथित रूप से दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि परिवार के लोग रातभर वृद्धा को ढूंढ़ते रहे। काफी तलाश के बाद वृद्धा को बुधवार सुबह एक खेत में खून से लथपथ और अचेत अवस्था में पाया गया।

दुनिया में स्टार्टअप का हब बनेगी दिल्ली

केजरीवाल सरकार ने युवाओं को राहत देने वाली स्टार्टअप पॉलिसी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली अब दुनिया में स्टार्टअप का हब बनेगी। केजरीवाल सरकार ने आज अपनी अनोखी स्टार्टअप पॉलिसी को लॉन्च कर दिया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बिजनेस ब्लास्टर्स प्रोग्राम और एंटरप्रिन्योरशिप क्लासेस अब कॉलेजों में भी शुरू की जाएंगी। कॉलेज की पढ़ाई करते हुए बच्चे बिजनेस आइडियाज तैयार कर सकेंगे और सरकार उनकी पूरी तरह से मदद करेगी। सरकार बिना गारंटी के को-लेटरल फ्री लोन दिलाने में मदद करेगी, जो एक साल के लिए ब्याज मुक्त होगा।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट, वकीलों, विशेषज्ञों का पैनल बनाया जाएगाए जहां स्टार्टअप को मुफ्त मदद दी जाएगी। साथ ही सरकार कुछ शर्तों में ढील देकर स्टार्टअप का सामान भी खरीदेगी, लेकिन माल की क्वॉलिटी से कोई समझौता नहीं होगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार के कॉलेजों में पढ? वाला कोई बच्चा अगर स्टार्टअप करना चाहता है, तो वो एक से दो साल तक की छुट्टी भी ले सकेगा। एक टास्क फोर्स बनाई जाएगी, जहां स्टार्टअप पॉलिसी में रजिस्टर करने के लिए आवेदन करना होगा। मैं उम्मीद करता हूं कि आने वाले समय में दिल्ली के युवा एक यूनिकॉर्न बनाएंगे। दिल्ली से बड़ी.बड़ी कंपनियां निकलेंगी और खूब तरक्की करेंगे।

मंत्रिमंडल बैठक में आज उद्योग विभाग द्वारा रखे दिल्ली स्टार्टअप पॉलिसी-2021 के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली स्टार्टअप पॉलिसी 2021 के संबंध में कैबिनेट के फैसले के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हमारे देश की उम्मीद और भविष्य हमारे युवा हैं। युवाओं में बहुत क्षमता है, बहुत ही बुद्धिमान और मेहनती हैं। लेकिन हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था और पूरा सिस्टम और राजनीति इस तरह की है कि हमारे देश का युवा आज बेरोजगार घूम रहा है और नौकरी ढूंढने के लिए दर-दर की ठोंकरें खा रहा है। दिल्ली में हमने बिजनेस का माहौल बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इस बार दिल्ली के बजट में दिल्ली के अंदर बिजनेस का माहौल बनाने और नई उर्जा पैदा करने के लिए बहुत सारे प्रावधान किए गए हैं। कई मार्केट्स को विकसित किया जा रहा है।

दिल्ली स्टार्टअप पॉलिसी-2021 का उद्देश्य

दिल्ली स्टार्टअप पॉलिसी.2021 का मुख्य मकसद 2030 तक दिल्ली को ग्लोबल इनोवेशन हब बनाना और स्टार्टअप हब बनाना है ताकि एक मजबूत तंत्र के माध्यम से इनोवेशन आधारित अर्थव्यवस्था और उद्यमशीलता को बढ़ावा दिया जा सके। साथ ही 2030 तक 15 हजार स्टार्टअप को मदद देकर उन्हें प्रोत्साहित करना है। इसके अलावाए एंटरप्रिंन्योरशिप के नए रास्ते पैदा कर युवाओं को रोजगार उपलब्ध करना है। प्रारंभिक शिक्षा से ही सीखने के लिए अनुकूल वातावरण, फंडिंग, नवीन विचारों को बढ़ावा देना, प्रोएक्टिव एंगेजमेंट, अकादमिक और उद्योग, अत्याधुनिक इन्क्यूबेशन की स्थापना के अलावा स्टार्टअप को यूनिकॉर्न बनाना है।

पॉलिसी का फोकस एरिया

एजुकेशन, एजुकेशन टेक्नॉलॉजी, हेल्थकेयर और हेल्थ टेक्नॉलॉजी, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी, परिवहन, मोटर वाहन, व्यापार और नागरिकों को जोड? के लिए के लिए ई-गवर्नेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) सर्विस के रूप में सॉफ्टवेयर, फिनटेक, ई-कचरा प्रबंधन, रोबोटिक्स और ओटोमेशन, ग्रीन टेक्नॉलॉजी, बायो फार्मा और मेडिकल डिवाइस, आईटी और आईटीईएस क्षेत्र शामिल हैं।

पॉलिसी गवर्नेंस मैकेनिज्म के लिए गठित होगी कमेटी

पॉलिसी गवर्नेंस मैकेनिज्म के लिए तीन कमेटियों का गठन होगा। इसमें स्टार्टअप पॉलिसी मॉनिटरिंग समिति, स्टार्टअप टास्क फोर्स और. नोडल एजेंसी शामिल हैं। दिल्ली स्टार्टअप पॉलिसी की निगरानी के लिए स्टार्टअप पॉलिसी मॉनिटरिंग समिति बनेगी।

मुफ्त सफर के साथ बसों की संख्या भी बढ़ाए सरकार : चौ0 अनिल कुमार

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि अरविन्द केजरीवाल द्वारा दिल्ली में निर्माण कार्य से जुड़े दिहाड़ी मजदूरों के लिए डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की घोषणा को गुमराह करने वाला बताया। उन्होंने कहा दिल्ली में डीटीसी बसों की संख्या लगातार कम होने के बाजवूद पिछले 8 वर्षों के दौरान केजरीवाल सरकार ने डीटीसी बेड़े में एक भी बस नही जोड़ी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में मौजूदा डीटीसी बसें ओवरऐज हो चुकी है बाकी खस्ता है, जिनमें आए दिन आग लगने जैसी दुर्घनाऐं हो रही है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि केजरीवाल सरकार पहले दिल्ली में बसों की भारी कमी को दूर करने के लिए व्यवस्था बनाऐ, क्योंकि पिछले 3 कार्यकालों में केजरीवाल ने डीटीसी बसों की बढ़ोत्तरी के लिए खोखली घोषणा के अलावा कुछ नही किया है। उन्होंने कहा कि डीटीसी घाटे में चल रही है और केजरीवाल मजदूरों के कल्याण कोष में जमा हजारों करोड़ रुपये से डीटीसी घाटे को पूरा करने की योजना के अंतर्गत पंजीकृत लाखों मजदूरों को मुफ्त डीटीसी बसां में यात्रा की सौगात दे रहे है। केजरीवाल मजदूरों के पैसे से अपना नाम कमाने का काम कर रहे है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली में डीटीसी बसों की भारी कमी के चलते महिलाऐं पहले ही भारी भीड़ का सामना कर रही है, अब निर्माण कार्यो से जुड़े 10 लाख पंजीकृत बेलदार, इलेक्ट्रिशियन, मिस्त्री, बढ़ई, पेंटर, वेल्डर आदि कामगारों के लिए मुफ्त यात्रा की घोषणा के बाद डीटीसी बसों में भीड़ अधिक बढ़ जाऐगी। उन्होंने कहा कि 7 लाख गैर पंजीकृत मजदूरों को भी दिल्ली सरकार पंजीकृत मजूदरों की सूची में अंकित करे। दिल्ली सरकार सभी मजूदरों को फ्री पास देने के खर्चा खुद उठाऐ, मजदूरों के पास के लिए मजदूरों के कल्याण कोष की राशि का प्रयोग नही करे।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली के लोगों की सुरक्षा के लिए ओवरएज डीटीसी बसों को तुरंत प्रभाव से रोड़ से हटाकर अधिक से अधिक नई डीटीसी बसें लगाई जाऐं ताकि डीटीसी बसों में बढ़ती भीड़ में यात्रा करने वालो में महिलाओं सहित आम जनता को डीटीसी बसों सुरक्षित यात्रा मुहैया हो सके।

दोस्त के साथ मिलकर कर दी भाई की हत्या, गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहिणी जिले के अमन विहार इलाके में एक भाई ने अपने दोस्त के साथ मिलकर बड़े भाई को शराब पिलाई,फिर उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। इलाके में झूठी खबर फैला दी कि भाई की शराब पीने से मौत हो गई। जिसका अन्तिम संस्कार करने के लिये उसने अपने दोस्त और चार पांच लोगों को इकट्ठा करके श्मशान घाट अन्तिम संस्कार करने के लिये ले भी गया। लेकिन पंडित की आंखों से वो बच नहीं पाया।

गले पर निशान देखकर पंडित ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस ने जब शव का डॉक्टरों के की सहायता से पोस्टमार्टम करवाया तो डॉक्टरों ने पुलिस को गला घोंटकर हत्या करने की रिपोर्ट सौंपी। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपित छोटे भाई और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। जिनकी पहचान विक्की और प्रदीप के रूप में हुई है। प्रदीप मृतक का छोटा भाई है। पुलिस ने वारदात की जगह को भी सील कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक मृतक युवक की पहचान राजेश के रूप में हुई है। वह करण विहार,अमन विहार इलाके में रहता था। परिवार में राजेश,उसकी मां और छोटा भाई प्रदीप है। पुलिस अधिकारियों की मानें तो 29 अप्रैल को मंगोलपुरी वाई ब्लॉक स्थित शमशान घाट से एक पीसीआर कॉल हुई थी। जिसमें पंडित मनोज कुमार ने बताया कि राजेश नामक शव के गले पर संदिग्ध निशान है और शव को उसके भाई व कुछ लोगों के अन्तिम संस्कार के लिये लाए हैं। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची।

पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। जिसकी पहचान राजेश के रूप में हुई। उसके भाई प्रदीप ने बताया कि भाई की मौत ज्यादा शराब पीने से हुई है।

शिक्षा क्षेत्र में शोध और प्रशिक्षण इकाई का अहम योगदान : सिसोदिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शिक्षा मॉडल की आज देश-दुनिया में चर्चा हो रही है। इस सफल मॉडल का आधार राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद दिल्ली (एससीईआरटी) है। गुरुवार को एससीईआरटी के 35वें स्थापन दिवस पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में रिसर्च और ट्रेनिंग विंग का अहम योगदान है। वहीं, इस संस्थान ने राजधानी के अंदर शिक्षक प्रशिक्षण और शोध को जीवंत करना का काम किया है।

त्यागराज स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी हम अपने स्कूलों में कोई नया पाठ्यक्रम शुरू करने, शिक्षकों को प्रशिक्षण देने या किसी खोज परख अभ्यास के लिए आधार स्थापित करने के बारे में सोचते हैं तो इसके लिए हम एससीईआरटी की तरफ देखते हैं। उन्होंने कहा कि हम फिनलैंड की शिक्षा को विश्व में शीर्ष मानते हैं। इसके पीछे जाकर देखेंगे तो पता चलता है कि वहां की शोध व प्रशिक्षण इकाई शानदार काम कर रही है। आज राजधानी में शिक्षा के हर नए आइडिया की शुरूआत हमने एससीईआरटी से की है। इतना ही नहीं बच्चों में देश भक्ति का जज्बा जगाने वाले पाठ्यक्रम को भी एससीईआरटी द्वारा तैयार किया गया। एससीईआरटी ने 35 साल में एक लंबी यात्रा तय की है लेकिन अभी समाज व राष्ट्र के परिवर्तन के लिए रिसर्च के माध्यम से बहुत काम करना बाकी है। एससीईआरटी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह ने कहा कि संस्थान हमेशा शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए शोध और प्रशिक्षण को लेकर तैयार है। इस दौरान एससीईआरटी द्वारा किए गए कार्यों से जुड़ी प्रदर्शनी भी लगाई गई।

सात वर्षों में किया शानदार काम : कार्यक्रम में बीते सात वर्षों में एससीईआरटी द्वारा किए गए कार्यों को लेकर भी चर्चा हुई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारे स्कूल शानदार हो गए हैं। बच्चों का परीक्षा परिणाम भी शानदार आ रहा है। वहीं जरूरतों के हिसाब से पाठ्यक्रमों में बदलाव किया जा रहा है और इन सभी के साथ हम शिक्षकों को बेहतर प्रशिक्षण भी दे पा रहे हैं। इस सारे काम में एससीईआरटी के योगदान को कैसे भुलाया जा सकता है।

सफलता की कहानी को देखने की जरूरी : दिल्ली विधानसभा की शिक्षा समिति की चेयरपर्सन अतिशी ने कहा कि सात साल पहले दिल्ली के सरकारी स्कूलों में कोई अपने बच्चों को नहीं पढ़ाना चाहता था लेकिन आज स्थिति बदल चुकी है। इसके पीछे एससीईआरटी के प्रयासों को बड़ा योगदान है। कार्यक्रम में शिक्षा सचिव एच राजेश प्रसाद, दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी के उपकुलपति धनंजय जोशी, एससीईआरटी दिल्ली के पूर्व निदेशकों सहित शिक्षा विभाग के वरिष्ट अधिकारी शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

वाहन चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली, सुषमा रानी। मधु विहार थाना पुलिस ने एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाश की पहचान बब्लू कुमार के तौर पर हुई हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मधु विहार थाने के हेड कांस्टेबल सचिन और कांस्टेबल विशाल मंगलम रेड लाइट के पास वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान पुलिस वालों ने देखा कि एक व्यक्ति पल्सर बाइक पर आ रहा था। पुलिस टीम को देख कर वो शख्स बाइक लेकर फरार होने लगा। पुलिस ने पीछा कर आरोपी को दबोच लिया गाड़ी के दस्तावेज मांगने पर वो शख्स दस्तावेज नहीं दिखा पाया। पुलिस ने जब कड़ाई से पूछताछ की तो आरोपी ने बताया कि बाइक चोरी की है। पुलिस ने आरोपी बब्लू कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

जिला अदालतों में कोरोना कार्यसमिति फिर से सक्रिय

नई दिल्ली, एजेंसी। कोविड-19 मामलों में इजाफा होते देख दिल्ली की जिला अदालतों में कोरोना कार्यसमिति फिर से सक्रिय हो गईं हैं। सभी जिला अदालतों में परिपत्र जारी कर कहा गया है कि कोई न्यायिक अधिकारी, अदालत कर्मी या उनके परिवार का सदस्य संक्रमित होता है तो तत्काल कोरोना कार्यसमिति को सूचित करें। दअरसल, कोरोना कार्यसमिति का गठन संक्रमित पाए जाने वाले न्यायिक अधिकारी, अदालतकर्मी व उनके परिवार के सदस्यों का रिकॉर्ड रखना है। साथ ही समिति संक्रमित को चिकित्सा सहायता मुहैया कराने के लिए आवश्यक कदम भी उठाती है। अगर कोई न्यायिक अधिकारी अथवा अदालतकर्मी संक्रमित होता है तो यह कार्यसमिति उसके एकांतवास से लेकर निगेटिव आने तक लगातार उनके संपर्क में रहती है। इतना ही नहीं अगर न्यायिक अधिकारी व कर्मी संक्रमित होने के बाद भी वीडियो कान्फ्रेंसिंग से अदालती कार्यवाही का हिस्सा बनना चाहता है तो समिति व्यापक प्रबंध करती है।

जेजे कॉलोनियों में लगाए जाएंगे 30 आरओ प्लांट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली जल बोर्ड ने राजधानी की जेजे कॉलोनियों में 30 आरओ प्लांट लगाने का निर्णय लिया है। यह प्लांट 24 घंटे काम करेंगे, जिससे लोगों को पानी के टैंकर आने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। प्रत्येक आरओ मशीन में प्रतिदिन 50 हजार लीटर पानी निकालने की क्षमता होगी। पानी की मांग बढ़ने पर इनके जरिए 65 हजार लीटर तक पानी पहुंचाया जा सकेगा। इसके अलावा लोगों को इसके लिए आरएफआईडी कार्ड भी जारी किए जाएंगे ताकि आरओ वाटर डिस्पेंसर पर पंच कर सकें। पानी की मांग के अनुसार 10 लीटर और 20 लीटर की मात्रा में पानी का वितरण किया जाएगा। जहां पहले निवासियों को टैंकरों से पानी लेने के लिए काफी इंतजार करना पड़ता था अब आरओ प्लांट लगने से इस समस्या से निजात मिलेगी। जेजे कॉलोनियों में लोगों को स्वच्छ जल की उपलब्धता हो सकेगी।

प्लास्टिक शीट के इस्तेमाल से प्रदूषित हो रही मिट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। खेती में प्लास्टिक शीट (मलचिंग) के इस्तेमाल से मिट्टी भी प्रदूषित हो रही है। पर्यावरण प्रदूषण पर काम करने वाली संस्था टॉक्सिक लिंक ने अलग-अलग जगहों पर कृषि भूमियों से ली गई मिट्टी की जांच के आधार पर इसका दावा किया है। संस्था के मुताबिक, मिट्टी के नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक पाए गए हैं।

संस्था के मुताबिक मिट्टी की गुणवत्ता पर प्लास्टिक द्वारा पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों की जांच के लिए कर्नाटक के बेलगाम और महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में खेतों से नमूने लिए गए। इन जगहों पर बीते बीस साल से प्लास्टिक शीट का इस्तेमाल किया जा रहा है। दरअसल, मिट्टी में नमी को बनाए रखने के लिए खेतों में इसका इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन, फसल लेने के बाद आमतौर पर इस प्लास्टिक शीट को ऐसे ही छोड़ दिया जाता है। जिसके चलते उसके कण मिट्टी में घुलते रहते हैं और प्रदूषित करते हैं। सतह से पंद्रह सेंटीमीटर नीचे भी मिट्टी में माइक्रोप्लास्टिक पाए जा रहे हैं। टॉक्सिक लिंक की मुख्य कार्यक्रम समन्वयक प्रीति महेश ने बताया कि आधुनिक खेती में प्लास्टिक के इस्तेमाल से पर्यावरण की वहनीयता अवरुद्ध हो रही है।

हिंसक झड़प से वेलकम इलाके में तनाव, तीन गिरफ्तार

- दंगों की धारा में पुलिस ने किया केस दर्ज, 39 लोगों से पूछताछ के बाद तीन आरोपित गिरफ्तार
- दो आरोपितों की तलाश जारी, इलाके में चप्पे-चप्पे पर पुलिस का पहरा

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली में वर्ष 2020 के फरवरी माह में हुए दंगों की याद तब एक बार फिर से ताजा हो गई, जब जिले के वेलकम इलाके में बुधवार की रात दो अलग-अलग समुदायों के बीच विवाद हो जाने के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। इस दौरान दोनों ही समुदायों की तरफ से काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए, जिससे विवाद ज्यादा बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच झड़प शुरू हो गई। यह घटना वेलकम इलाके में स्थित फोटो चौक के पास की है।

हालांकि यह झगड़ा इससे पहले की कोई बड़ा हिंसक रूप लेता। कुछ स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी। सूचना मिलते ही वेलकम थाने के साथ ही उत्तर पूर्वी जिले की पुलिस फोर्स बड़ी संख्या में मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को अपने घेरे में ले लिया। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर बुलाई गई और जगह-जगह पुलिस फोर्स तैनात कर दिए गए। पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों से बातचीत कर स्थिति को काबू किया।

घटना की पुष्टि करते हुए उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी संजय सेन ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने शुरूआती जांच के बाद दंगों की धारा में केस दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस ने दंगा करने के आरोप में तीन आरोपियों अमन, शिवम और फैजान की भूमिका का पता लगने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। जबकि फरार दो अन्य आरोपित सोनू व फाजिल की तलाश कर रही है। इस पूरे मामले में पुलिस ने करीब 39 लोगों को डिटेन किया है, जिनसे पूछताछ कर जांच की जा रही है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह मामला पार्क में खेल रहे बच्चों के बीच हुए झगड़े की वजह से शुरू हुआ। पुलिस अधिकारी ने बताया की बुधवार की रात करीब 9.45 बजे पुलिस को सूचना मिली की वेलकम थाना इलाके में स्थित फोटो चौक के पास दो समुदायों के बीच झगड़ा हो गया है। सूचना मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस टीम के साथ ही जिले की अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंची।

जहां पर पुलिस टीम को पता चला कि यह झगड़ा पार्क में खेल रहे एक्स-ब्लॉक और वाई-ब्लॉक में रहने वाले दो अलग-अलग समुदायों के बच्चों के बीच में सबसे पहले हुआ था। जिसके बाद बच्चों के परिजन भी वहां पहुंच गए और विवाद बढ़ने लगा। विवाद बढ़ने पर दोनों ही पक्षों से बड़ी संख्या में लोग वहां एकत्रित हो गए और दोनों पक्षों के बीच झड़प होने लगी। हालांकि इससे पहले की झगड़ा बड़ा हिंसक रूप लेता। कुछ स्थानीय लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दे दी।

फिलहाल पुलिस ने पूरे इलाके में गश्त शुरू कर दी है। जगह-जगह पुलिस टीम तैनात है। घटना को लेकर पुलिस ने दंगों की धारा में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही इलाके में शांति बहाल करने और आरोपियों की पहचान के लिए नागरिक भाईचारा समिति के सदस्यों से मदद ली जा रही है।

मंडोली जेल में बंद कैदियों ने जमकर किया हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी। मंडोली जेल नंबर 13 में बंद कैदियों ने गुरुवार को जमकर हंगामा किया। उधर कैदियों के परिजनों ने जेल के बाहर सड़क को जाम कर प्रदर्शन किया। परिवार वाले और कैदियों ने जेल कर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने जेल कर्मियों पर बिना वजह पिटाई करने का आरोप लगाया। हंगामा तब शुरू हुआ जब घायल कैदियों ने जेल से एक वीडियो को वायरल किया। जिसमें कैदियों को घायल अवस्था में देखा जा सकता है।

हालांकि जेल प्रशासन ने कैदियों के आरोप को सिरे से खारिज कर दिया और बताया कि गुरुवार को जेल प्रशासन ने जेल नंबर 13 के बैरक में तलाशी अभियान चलाया था। प्रशासन को कैदियों के पास नशीला पदार्थ होने की जानकारी मिली थी। तलाशी अभियान के लिए जब जेल कर्मी वहां पहुंचे तो कैदियों ने इसका विरोध किया। उन्होंने बदसलूकी की और जेल कर्मचारियों के साथ बहस की। बाद में कुछ कैदियों के उकसाने पर कई अन्य कैदियों ने जेल कर्मचारियों पर दबाव बनाने के लिए खुद को चोट पहुंचाई।

कैदियों ने सुबह में एक वीडियो को वायरल किया है, जिसमें कई कैदी घायल अवस्था दिख रहे हैं। वीडियो में कैदी जेल अधिकारियों और जेल कर्मियों पर पिटाई करने का आरोप लगा रहे हैं। उनका कहना है कि जेलकर्मी ने ही नशीला पदार्थ की तस्करी करने का आरोप लगाया। वीडियो में कई कैदियों के सिर फटे हुए थे तो कई अपने शरीर पर लगे डंडे की चोट का निशान दिखा रहे थे। वीडियो के वायरल होते ही कैदियों के परिवार वाले जेल के बाहर पहुंच गए और सड़क को जाम कर हंगामा करने लगे। परिवार वाले मारपीट करने वाले जेल अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे थे। प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत करवाया। उधर जेल प्रशासन में कैदियों पर दवाब बनाने के लिए खुद को घायल करने की बात कह रही है। जेल महानिदेशक संदीप गोयल का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और हंगामा की वजह का पता लगाया जा रहा है।

दिल्ली के 11 पार्क मॉडल के तौर पर विकसित होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के 11 पार्कों को मॉडल के तौर पर विकसित किया जाएगा। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि यहां पर विश्वस्तरीय सुविधाएं जुटाई जाएंगी। पार्कों के सौंदर्यीकरण के संबंध में दिल्ली सचिवालय में गुरुवार को आयोजित बैठक के बाद उन्होंने इसकी जानकारी दी। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री पार्क सौंदर्यीकरण योजना के पहले चरण के तहत हर जिले में एक पार्क को मॉडल पार्क के तौर पर विकसित किया जाएगा। दिल्ली को आधुनिक, न्यायसंगत और बेहतर शहर बनाने के लिए पार्कों को आधुनिक व विश्वस्तरीय बनाने के लिए सामुदायिक पार्क पहल की शुरूआत की गई है। इसको लेकर पार्क एंड गार्डन सोसाइटी, आरडब्ल्यूए, सीएसआर पहल व अन्य संगठन मिलकर काम करेंगे। सामुदायिक पार्क योजना में लोगों के विभिन्न समूहों के साथ परामर्श करके और उन्हें इस प्रक्रिया में शामिल करके पार्कों को बेहतर बनाया जाएगा। इन हरित स्थानों के डिजाइन और रखरखाव में भी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि योजना के तहत दिल्ली के 16 हजार 828 पार्कों का सर्वे किया जा रहा है।

मां का प्यार पाने के लिए तीन माह के बच्चे ने दाखिल की याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। मां का प्यार, स्नेह और देखरेख से वंचित किए जाने पर तीन माह के बच्चे की न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। मामले में उच्च न्यायालय ने बच्चे की याचिका पर जवाब दाखिल नहीं करने पर कड़ा रुख अपनाया है। इसे गंभीरता से लेते हुए न्यायालय ने उत्तरी दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) व अन्य पक्षकारों को वन विभाग के समक्ष 25 हजार रुपये जमा करने की शर्त पर जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका दिया है।

तीन माह के बच्चे ने याचिका में कहा है कि उसकी मां उत्तरी दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) की कर्मचारी हैं। साथ ही कहा है कि माता-पिता की तीसरी संतान होने के नाते वह अपनी मां का प्यार, स्नेह और देखरेख से वंचित हो गया है क्योंकि उसके नियोक्ता (नगर निगम) ने उन्हें मातृत्व अवकाश देने से इनकार कर दिया है, जो कि उसके मौलिक अधिकारों का हनन है। तीसरी संतान होने के चलते महिला को नगर निगम ने मातृत्व अवकाश देने से इनकार किया है। जस्टिस नज्मी वजीरी व स्वर्णकांता शर्मा की पीठ ने कहा है कि पिछली सुनवाई पर नोटिस स्वीकार किए जाने के बाद भी नगर निगम और अन्य प्रतिवादियों ने जवाब नहीं दिया, जबकि यह काफी गंभीर मसला है। पीठ ने कहा कि मामले में तात्कालिकता है क्योंकि अपनी कम उम्र में याचिकाकर्ता को पीड़ा होती है जब प्रत्येक बीतते दिन के साथ वह अपनी मां के प्यार व देखभाल से वंचित हो जाता है। पीठ ने कहा कि एनडीएमसी व अन्य प्रतिवादियों को 25 हजार रुपये उप वन संरक्षक के समक्ष जमा करने की शर्त पर जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका दे रहे हैं। पीठ ने उप वन संरक्षक को इन पैसे से समुचित जगहों पर पेड़ लगाने का निर्देश दिया है।

अपने अधिकारों का दावा किया : याचिकाकर्ता बच्चे ने याचिका में एनडीएमसी को माता-पिता का प्यार, स्नेह व देखभाल के लिए भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत अपने अधिकारों का दावा किया है। बच्चे ने याचिका में एनडीएमसी को यह आदेश देने की मांग की है कि उसकी मां को मातृत्व अवकाश दिया जाए।

दूसरी ओर एनडीएमसी ने केंद्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियम, 1972 के नियम-43(1) पर अपने निर्णय के आधार पर प्रावधान किया है कि दो से कम जीवित बच्चों वाली महिला जो कि सरकारी कर्मचारी हो उसे 180 दिनों के लिए मातृत्व अवकाश दिया जा सकता है। इस मामले में न्यायालय ने कानूनी राय देने के लिए अधिवक्ता शाहरूख आलम को न्याय मित्र नियुक्त किया है।

संपादकीय

आने वाला कल

पंद्रह साल पहले की बात है। अमेरिका के प्रसिद्ध अखबार न्यूयार्क टाइम्स ने एक अनूठा प्रयोग किया। 12 जनवरी 2007 का दिन हर दिन की तरह एक आम दिन था। दिन शुरू हुआ तो रोज की तरह की तरह लोग अपने-अपने कामों के लिए निकल पड़े। इसी बीच भीड़भाड़ वाले एक मेट्रो स्टेशन पर एक आदमी ने स्टेशन के प्लेटफार्म पर आकर वायलिन बजानी शुरू कर दी। मीठी धुनों की स्वर लहरियां फिजां में फैलने लगीं। पश्चिमी देशों की परंपरा के अनुसार वायलिन बजाने वाले उस व्यक्ति ने अपना हैट उल्टा करके सामने रख दिया, जिसका मतलब है कि आने-जाने वाले लोग उस कलाकार के फन की प्रशंसा में उसमें कुछ पैसे रखते चलें। ऐसे कलाकार किसी से खुद कुछ नहीं मागते। दर्शक लोग अपनी मर्जी से कुछ देना चाहें तो देते हैंस कलाकार की कला का आनंद लेते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। चूंकि सवेरे का समय था और लोगों को अपने-अपने कामों पर पहुंचने की जल्दी थी, इसलिए प्लेटफार्म पर आने-जाने वाले लोगों ने उस कलाकार की ओर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया। एक छोटा बच्चा जो अपनी मां के साथ उधर से गुजड्ड रहा था, धुन की मिठास के कारण ठिठका, लेकिन उसकी मां ने उसे ह्यजल्दी चलो, देर हो रही है कहते हुए आगे खींच लिया।

कलाकार ने जब अपने संगीत को विराम दिया तो उसके हैट में कुल 20-22 डालर ही थे। यह कलाकार कोई और नहीं, विश्व प्रसिद्ध वायलनिस्ट जोशुआ बैल्ल थे जिन्हें न्यूयार्क टाइम्स ने उस दिन के प्रयोग के लिए अनुबंधित किया था। जोशुआ बैल्ल की प्रसिद्धि का आलम यह था कि उनके कांसर्ट हमेशा ओवर-सब्सक्राइव होते थे, यानी कांसर्ट देखने के लिए हर बार स्टेडियम में उपलब्ध सीटों से ज्यादा टिकटों की मांग होती थी। मेट्रो स्टेशन पर पहुंच कर भी जोशुआ बैल्ल ने अपनी सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली धुनें ही बजाई थी, पूरे मनोयोग से बजाई थी, फिर भी लोगों ने उनकी ओर ध्यान नहीं दिया। सिर्फ एक छोटा बच्चा ठिठका तो उसकी मां ने उसे आगे घसीट लिया। कहानी खत्म। अपने जीवन में भी हम हमेशा ऐसा ही करते हैं, प्रकृति द्वारा दिए गए मुफ्त के वरदानों की उपेक्षा करते हैं और पैसे खर्च करके सुख-सुविधाएं ढूंढते हैं। जाने क्यों हम भूल जाते हैं कि दवा सिर्फ दवा की बोतलों और गोलियों में नहीं होती। व्यायाम दवा है, सुबह की सैर दवा है, उपवास दवा है, गहरी नींद दवा है, परिवार के साथ भोजन करना दवा है, हंसी दवा है, एक दोस्त का साथ मिल जाना दवा है, किसी अपने के साथ मिल बैठना दवा है, सकारात्मकता ही दवा है, कुछ मामलों में मौन और एकांत दवा है, अपनों का प्यार दवा है और हमारा परिवार या एक अच्छा दोस्त दवा की पूरी दुकान है। मुफ्त में उपलब्ध इन वरदानों की उपेक्षा करके हमने डाक्टरों को फीस देना शुरू कर दिया, महंगी दवाइयां खरीदनी शुरू कर दीं क्योंकि वो हमें सुविधाजनक लगता है। इस तरह हमने अपने मासिक बजट में एक अनावश्यक खर्च जोड़ लिया। डाक्टरों और दवाइयों पर होने वाले खर्च के अलावा भी हमने बहुत से ऐसे खर्च पाल लिए जिनके बिना हमारा काम बराबर चलता है, चल सकता है, लेकिन दिखावे और शान के चक्कर में हम खुद ही अपना बजट बिगाड़ते चले आ रहे हैं। विभिन्न कंपनियों की मार्केटिंग गतिविधियों और विज्ञापनों का शिकार होकर हम हर दो-तीन साल बाद एक और महंगा स्मार्ट फोन खरीद लेते हैं। घर का बना हुआ स्वादिष्ट खाना छोड़कर हम बाहर खाना खाने या होटल-रेस्टोरेंट से खाना मंगवाने के आदी हो गए हैं। कभी-कभार बदलाव के लिए या स्वाद के लिए बाहर का खाना खाने में कोई बुराई नहीं है, पर इसे नियमित रूटीन बना लेना इसलिए सही नहीं है कि बाहर से आया खाना स्वादिष्ट हो तो भी यह आवश्यक नहीं है कि वह स्वास्थ्यकर होगा ही। इसी तरह प्रोसेस्ड फूड पर बढ़ती निर्भरता हमारे पर्स का वजड्ड तो घटाती ही है, हमारी सेहत का भी कबाड़ा होता है। दिखावे की जीवन शैली के परिणामस्वरूप जन्म दिन और शादी की सालगिरह आदि के मौके उत्सव का कारण होने के बजाय दिखावे का शुगल ज्यादा बन गए हैं। घरेलू सौंदर्य पैक के बजाय ब्यूटी पार्लर का खर्च, सैर, व्यायाम और खानपान में संयम के बजाय स्लिमिंग सेंटर का खर्च हमें ज्यादा भाता है। यहां तक कि हमने तो पेरेंटिंग भी आउटसोर्स कर दी है और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई की प्रगति के बारे में हमें असल जानकारी बिल्कुल नहीं है और हम ट्यूशनों और कोचिंग सेंटरों के मोहताज हो गए हैं। धीरे-धीरे हमने अपने जीवन में ऐसे कई फालतू के खर्च जोड़ लिए हैं जो सिर्फ कंपनियों की मार्केटिंग गतिविधियों या विज्ञापनों का नतीजा हैं।

घर बन रहा हो तो अंदर का सीमेंट अलग, बाहर का अलग, अंदर का पेंट अलग और बाहर का अलग। हाथ से कपड़े धोने का पाउडर अलग, मशीन का अलग, हाथ धोने का साबुन अलग, लिक्विड सोप अलग, नहाने का अलग, बालों का और भी अलग। बॉडी लोशन, फेस वॉश आदि न जाने कितने झंझट। दूध पीना हो तो हार्लिक्स डालिए, मुन्ने का अलग, मुन्ने की मम्मी का अलग। इस ह्यअलग-अलग के चक्कर में उलझ कर हम दिन भर न जाने कितना धन गंवा देते हैं। कुछ खर्च ऐसे हैं जिनसे हम बच नहीं सकते। जमीनें और मकान महंगे होते जा रहे हैं, राशन महंगा होता जा रहा है, शिक्षा महंगी होती जा रही है, पेट्रोल-डीजल महंगा होने के कारण यातायात और परिवहन महंगे होते जा रहे हैं। कोई बीमारी आ ही जाए तो इलाज महंगा होता जा रहा है। ये ऐसे खर्च हैं जो हमें करने ही होंगे, इनमें कंजूसी संभव नहीं है, अतः हमें अपने बजट में इनका इंतजाम तो रखना ही होगा, लेकिन बाकी के बहुत से खर्च ऐसे हैं जो या तो हमारे अज्ञान के कारण होते हैं या अहंकार के कारण। आठ वर्ष पूर्व जब मैंने अपनी कंपनी ह्यवाओ हैपीनेस की स्थापना की थी तो उद्देश्य यह था कि हम लोगों को जीवन में सफल होने और सफलता के साथ-साथ सच्ची खुशियां हासिल करने के टिप्स और टूल्स की जानकारी दें ताकि हमारे देशवासियों का जीवन खुशहाल हो सके, नए रोजगार पैदा हों और देश की अर्थव्यवस्था और भी मजबूत हो सके। इन आठ सालों में हमने बहुत से लोगों की जिंदगियां बदलीं, लेकिन जैसे-जैसे काम आगे बढ़ा मुझे यह महसूस होने लगा कि सेहत पर फोकस किए बिना खुशियां अधूरी रह सकती हैं। हाल ही में हमने विभिन्न बीमारियों के सात्विक इलाज पर फोकस करना शुरू किया तो हमें कब्ज, हाई ब्लड प्रेशर, माइग्रेन जैसी कई बीमारियों के इलाज में सफलता मिली। हमारी टीम अभी आंखों का चश्मा हटाने की दिशा में काम कर रही है। चूंकि यह किसी के जीवन का प्रश्न है, अतः हम इस बात का पूरा ध्यान रखते हैं कि हमारा हर काम पूरी तरह से जांचा-परखा हुआ हो। बड़ी बात यह है कि बहुत से इलाज घर बैठे करना संभव है, बिना दवाइयों के करना संभव है, और बीमारियों को जड़ से दूर करना संभव है। अनाप-शनाप जीवन शैली के कारण खर्च बढ़ते चले जाने से हमारा आने वाला कल कठिन न होता चला जाए और हम खुशी और खुशहाली से वंचित न हों, इसके लिए करना सिर्फ यह है कि हम प्रकृति के उपहारों का लाभ उठाएं, जीवन को सात्विक बनाएं और खुशहाल जीवन की गारंटी कर लें।

TITLE CODE:-DELHIN29015

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक मो. अकिलुर रहमान द्वारा आरडी प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड नोएडा से मुद्रित व जे-29, जे-एक्स. गली नं-9, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित। सभी प्रकार के विवादित मामलों का निपटारा दिल्ली के न्याय क्षेत्र में ही होगा।

संपादक: मो. अकिलुर रहमान

E-mail : rajnitikdaon@gmail.com

Mob-9560268603

उन्मादी आंधी में सद्भाव की चिन्ता कौन करेगा?

ललित गर्ग

धार्मिक व साम्प्रदायिक भावना को धार देकर देश में भय, अशांति एवं अराजकता पैदा कर, वर्ग विशेष की सहिष्णुता को युगों से दबे रहने ही संज्ञा देकर, एक को दूसरे सम्प्रदाय के आमने-सामने कर देने का कुचक्र एक बार फिर फन उठा रहा है। यह साम्प्रदायिकता के आधार पर बंटवारे का प्रयास है और मकसद, वही सत्ता प्राप्त करना या सत्ताधारियों को कमजोर करना है। एक उत्सवी माहौल को खौफ और तनाव की स्थिति में तब्दील कर देने की सीख तो कोई धर्म दे ही नहीं सकता, लेकिन साम्प्रदायिक उन्माद को बढ़ाने में राजनीतिक पोषित असामाजिक तत्वों का तो हाथ रहता ही है, जोधपुर में कुछ सिरफिरे लोगों की खुराफात ने अधिसंख्य को ईद, अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती की खुशियों से वंचित कर दिया। यकीनन, इसमें प्रशासनिक लापरवाही की बड़ी भूमिका है और राजस्थान सरकार इस अपयश से बच नहीं सकती। साम्प्रदायिकता फैलाने वाले ये लोग कांच के महल में बैठकर कैसे सुरक्षित रह सकते हैं? खुद भी अशांत एवं असुरक्षित एवं दूसरों के जीवन में भी डर एवं भय का निर्माण करते हैं। कब तक देश इन हालातो से झुलसता रहेगा।

देश के अन्य भागों और राजस्थान का ही करौली शहर एक माह पहले सांप्रदायिक दंगे की चपेट में था। फिर रामनवमी शोभायात्रा के दौरान कुछ जगहों से दो समुदायों की आपसी झड़प की खबरें आई थीं, और अब कल की जोधपुर की वारदात बताती है कि राज्य प्रशासन पर्याप्त चौकस नहीं था। वह भी तब, जब राज्य सरकार इस तथ्य से बखूबी वाकिफ है कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर धार्मिक ध्रुवीकरण में ऐसी वारदातें खाद-पानी का काम करेंगी। क्या राजस्थान में सत्ताधारी पार्टी इस तरह के धार्मिक ध्रुवीकरण और हिंसा-अशांति को सत्ता तक दुबारा पहुंच का माध्यम मानने की भूल तो नहीं कर रही है? क्या सरकार की नाकामी की वजह से ऐसी घटनाएं हो रही हैं?

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अगर प्रांत का सर्वोच्च शासक एवं कानून-व्यवस्था सख्त हो, तो किसी भी तरह का उपद्रव फैलाना आसान नहीं होता। मगर पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाओं को देखते हुए यही लगता है कि कुछ उपद्रवी तत्त्व बाकायदा रणनीति बना कर ऐसी घटनाओं को अंजाम देते हैं। कुछ मामलों में उनकी पहचान भी हो चुकी है। सरकार की मंशा होती तो वह इन घटनाओं को रोक सकती थी। राजस्थान सरकार धार्मिक मामलों के प्रबंधन में उत्तर प्रदेश से सीख सकती है। पिछले कुछ महीनों में प्रशासनिक सख्ती और सामुदायिक सामंजस्य का जैसा उदाहरण इस प्रांत ने पेश किया है, वह अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय होना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशासनिक अधिकारियों को सख्त आदेश दिया था कि ट्रैफिक रोककर कहीं कोई आयोजन न हो, और इसके लिए बाकायदा सभी धर्मों के धर्मगुरुओं से संपर्क करके व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यदि प्रशासन निष्पक्ष हो, पारदर्शी तो किसी समुदाय के पास शिकायत की गुंजाइश भी नहीं बचती। उत्तर प्रदेश सरकार ने लाउडस्पीकरों के इस्तेमाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को जिस तरह से लागू कराया है, वह तो नजीर है। एक लाख से भी अधिक अनधिकृत लाउडस्पीकर व ध्वनि-विस्तारक यंत्र मंदिरों और मस्जिदों से इनके प्रबंधनों ने स्वतः एवं स्वैच्छा से उतारकर एक मिसाल पेश की है। यह शासक एवं प्रशासक की जागरूकता

एवं प्रयासों से ही संभव हुआ है। मगर जिस तरह कुछ राज्य सरकारें और राजनीतिक शीर्ष नेतृत्व ऐसे उपद्रवी तत्त्वों को प्रोत्साहित करते या फिर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के बजाय चुप्पी साधे देखे गए, उससे ऐसे लोगों का मनोबल बढ़ता ही है और वहां साम्प्रदायिक द्वेष, नफरत एवं हिंसा का वातावरण उग्र होता ही है।

भारतीय समाज विविधताओं से भरा है। यहां विभिन्न समुदाय अपनी आस्था और रुचि के अनुसार पूजा पद्धति, खानपान, पहनावा अपनाने को स्वतंत्र हैं। मगर इन दिनों इन्हीं को लेकर झगड़े अधिक देखे जा रहे हैं, कभी-कभी ऐसा प्रतीत होता है कि सत्ता से दूर होने या दूर रहने की बौखलाहट के कारण राजनेताओं ऐसे षड़यंत्र करते हैं। इस तरह सामाजिक समरसता भला कैसे सुरक्षित रहेगी? सरकारों का दायित्व है कि हर समुदाय की पहचान और उसके अधिकारों को सुरक्षित रखे। यह तभी हो सकता है, जब वे ऐसे उपद्रवी तत्त्वों को किसी भी तरह का ढुलमुल रवैया न अपनाएं, अपराधी तत्वों के खिलाफ सख्ती बरते। अगर इसी तरह समाज में उपद्रव, हिंसा और नफरत फैलाने वाली घटनाएं होती रहीं, तो यह किसी भी रूप में देश के लिए हितकर नहीं होगा।

लोकतंत्र की कामयाबी भी इसी में है कि लोक राज करे, और तंत्र सिर्फ सहायक की भूमिका में हो। लेकिन यह आदर्श स्थिति तभी पैदा हो सकती है, जब सत्तारूढ़ नेतृत्वों को लेकर सभी समुदायों में यह भरोसा हो कि वे किसी भी गैर-कानूनी, असामाजिक गतिविधि को बर्दाश्त करने वाले नहीं हैं। यह विडम्बना ही है या राजनीतिक दुराग्रह कि पिछले कुछ दशकों में हमारे समूचे राजनीतिक वर्ग ने इस मामले में ज्यादातर निराश ही किया है। देश में सांप्रदायिक हिंसा की बढ़ी घटनाएं इसी तथ्य की साक्षी बन रही हैं। ऐसे में, उत्तर प्रदेश यदि सांप्रदायिक सौहार्द की नई इबारत लिख सका, तो यह उसकी आर्थिक-सामाजिक तरक्की के साथ-साथ देश के लिए भी काफी सुखद होगा। राजस्थान सरकार को इससे प्रेरणा लेते हुए प्रांत में साम्प्रदायिक सौहार्द का वातावरण बनाना चाहिए।

मानव की विकास-यात्रा ही भौतिक विकास यात्रा हो सकती है। मानव की विकास यात्रा का अर्थ है दूसरे के दर्द में टीस पैदा होना एवं दूसरे के आनन्द में पुलक का जन्म होना। इसी से एक नया तत्व जुड़ जाता है संवेदनशीलता का। उसी से साम्प्रदायिक सौहार्द, वसुधैव कुटुम्बकम का भाव पनपता है। जिस वक्त देश के कुछ प्रांतों में सांप्रदायिक उन्माद पैदा करने की कोशिश की जा रही है, ठीक उसी दौर में धार्मिक भाईचारे की पुलक पैदा करने वाली खबरें भी सुर्खियां बन रही हैं। अभी ज्यादा दिन नहीं बीते होंगे, जब बिहार में एक मुस्लिम परिवार द्वारा राम मंदिर के लिए करोड़ों की जमीन दान करने के समाचार ने सबका ध्यान खींचा था, और अभी चंद रोज पहले उत्तराखंड के काशीपुर में दो हिंदू बहनों ने चार बीघा जमीन ईदगाह को दान कर दी है। इसी ताने-बाने को सहेजने की दरकार है। भारत की छवि को दुनिया भर में धूमिल करने वाली घटनाओं को लेकर सरकारों को ही नहीं, समाज निमार्ताओं को भी सावधान रहना होगा। आज इंसान से इंसान से जोड़ने वाले तत्व कम है, तोड़ने वाले अधिक है। इसी से आदमी आदमी से दूर हट गया है। उन्हें जोड़ने के लिये प्रेम चाहिए, करुणा चाहिए, भाईचारा चाहिए, एक दूसरे को समझने की वृत्ति चाहिए। ये सब मानवीय गुण आज राजनीतिक स्वार्थों एवं साम्प्रदायिक आग्रहों के कारण तिरोहित हो गये हैं और इसी के कारण आदमी आदमी के बीच चौड़ी खाई पैदा हो गयी है। भारतीय संस्कृति ने सारी वसुधा को अपना कुटुम्ब माना है, उसके इस सोच को कुंद करने वाली दूषित राजनीति एवं साम्प्रदायिक शक्तियों को निस्तेज करना होगा, उसके लिये व्यापक प्रेम की वृत्ति एवं हृदय की विशालता आवश्यक है। अब कोई भी अकेला सुखी नहीं रह सकता, उसे भारत रूपी विभिन्न जाति, धर्म, भाषा, वर्ग के परिवार की कल्पना और रचना को सुदृढ़ता देनी ही होगी, तभी अशांति दूर होती, तभी साम्प्रदायिक हिंसा की काली रात के बाद उजली भोर होगी।

नीली चिड़िया देगी सोने के अंडे!?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर एक मजबूत डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी कंपनियों में से एक ट्विटर को दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी व्यक्ति द्वारा खरीदना और कमर्शियल/सरकारी यूजर्स पर थोड़ी सी फीस की संभावना नए मालक द्वारा दिनांक 4 मई 2022 को अपने ट्विटर हैंडल से व्यक्त की है जबकि कैजुअल यूजर्स के लिए फ्री की बात ट्विट कर दुनिया में चर्चा का विषय बना दिया है जिसके बारे में हर मीडिया प्लेटफॉर्म, टीवी चैनलों पर चचाएं चल रही है।

हालांकि, ट्विटर में फीस आधारित सेवाएं कोई नया एलान नहीं है। वर्तमान में दी जा रही ट्विटर ब्लू सेवा भी फीस आधारित है। मामूली मासिक शुल्क के आधार पर यह ट्विटर के खास फीचर व ऐप की सुविधा इसकी सदस्यता लेने वालों को प्रदान की जाती है। हालांकि यह सुविधा अभी अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड में ही उपलब्ध है। दुनियाभर में सरकारी व व्यावसायिक यूजर्स का भी बड़ा वर्ग है, जो ट्विटर का इस्तेमाल करता है। वह शुल्क लगाए जाने से प्रभावित होगा।

ट्विटर के नए मालिक ने बीते दिनों 44 अरब डॉलर में इस सोशल साइट को खरीदा था। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नया मालिक अब ट्विटर में बड़े बदलाव की ओर बढ़ रहे हैं। इनमें से सबसे अहम बदलाव का संकेत मंगलवार को उन्होंने सरकारी व व्यावसायिक लोगों के लिए शुल्क की व्यवस्था लागू करने का इरादा प्रकट कर कर दे दिया। ट्विटर को खरीदने के एलान के बाद नए मालिक ने कहा था कि मुक्त अभिव्यक्ति किसी भी लोकतंत्र के लिए जरूरी है। ट्विटर एक डिजिटल टाउन स्क्वायर है, यह मानवता के भविष्य पर चर्चा का बड़ा मंच है।

साथियों बात अगर हम ट्विटर के प्रभाव की करें तो, ट्विटर का प्रभाव उसके बिजनेस के साइज और यूजर्स की संख्या से काफी बड़ा है। क्योंकि ये प्लेटफॉर्म लोगों को एक ऐसा मंच देता है, जहा खबरें भी ब्रेक होती हैं और नरेटिव्स भी गढ़े जाते हैं और यही बात ट्विटर को एक शक्तिशाली टूल के रूप में स्थापित करती हैं। ट्विटर से किसी देश की सरकार के खिलाफ अभियान भी चलाए जाने की संभावना हो सकती है। नए मालिक ये भी जानते हैं कि वो ट्विटर की मदद से दुनिया के छोटे बड़े सभी देशों की सरकारों को प्रभावित करने की क्षमता हासिल कर सकते हैं और इसका इस्तेमाल अपनी नीतियों और बिजनेस मॉडल को लागू करने के लिए कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम ट्विटर के सेल डील की करें तो हफ्ते भर पहले ही, माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर के नए मालिक बन गए हैं। उन्होंने ट्विटर को खरीदने के लिए 44 बिलियन डॉलर, यानी करीब तीन लाख 36 हजार करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इस डील के मुताबिक नए मालिक को ट्विटर के हर शेयर के लिए 54.20 डॉलर यानी करीब 4,150 रुपये चुकाए। हालांकि उनके पास पहले ही ट्विटर की 9.2 फीसदी की हिस्सेदारी थी, लेकिन अब वो ट्विटर के अकेले मालिक बन चुके हैं। इस डील के बाद कंपनी में पूरी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी नए मालिक की हुई, याने हम कह सकते हैं कि उस नए मालिक की अन्य कंपनियों की तरह यह भी उसकी प्राइवेट कंपनी बन गई हैं।

साथियों लेकिन ऐसे में हम ये जरूर जानना चाहेंगे कि दुनिया के सबसे अमीर आदमी को ट्विटर जैसी कंपनी में ऐसा क्या दिखा कि वो इसे खरीदने के पीछे पड़ गए। क्यों कि ट्विटर की बैलेंसशीट बेहद खराब रही है और इस कंपनी ने ज्यादातर वक्त घाटा ही उठाया है, लेकिन इसके बावजूद नए मालिक ने ट्विटर के लिए इतनी बड़ी रकम खर्च कर दी और अब वो इसके एकल स्वामी बन गए।

साथिया बात अगर हम ट्विटर के पावर की करें तो अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति, भारतीय विपक्षी नेता सहित अनेक वैश्विक नामी-गिरामी लोगों के ट्विटर हैंडल बंद कर चुका है, जिससे हम ऐसा एक अंदाज लगा सकते हैं कि इसका महत्व भी अप्रत्यक्ष रूप से वैश्विक अर्थव्यवस्था इसके अनेक पावर होते हैं जिसका इस्तेमाल करने से बड़े स्तरपर हलचल मच सकती है परंतु साक्षात प्रत्यक्ष रूप से उसकी उम्मीद नहीं की जा सकती है। ट्विटर के नए स्वामित्व धारक का रुतबा वैश्विक स्तरपर बहुत सजगता और वजनदारी से बढ़ा है। हालांकि इसके स्वामित धारक ने पूर्व में ही कहा था उसका उद्देश्य इससे लाभ कमाना नहीं बल्कि एक मजबूत अभिव्यक्ति की आजादी का प्लेटफार्म बनाना चाहता है।

नए मालक ने ट्विटर में एक और बड़े बदलाव के संकेत भी दिए थे। उन्होने ट्विटर पर ही एक पोल के जरिए लोगों से सवाल पूछा था कि क्या वो ट्विटर में एडिट बटन का ऑप्शन देखना चाहते हैं। इस समय ट्विटर पर जो कुछ भी एक बार लिख कर पोस्ट कर दिया जाता है उसे ऑनलाइन एडिट करने की या उसमें बदलाव करने की कोई व्यवस्था नहीं है, हालांकि ट्वीट को डिलीट किया जा सकता है. फेसबुक समेत कई दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ऑनलाइन कंटेंट को एडिट करने का ऑप्शन देते हैं और इसीलिए ट्विटर पर भी एडिट बटन की मांग बहुत पहले से की जा रही है। उम्मीद है अब नए मालक इसमें ये बड़ा बदलाव कर सकते।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नीली चिड़िया देगी सोने के अंडे!!? ट्विटर के कमर्शियल/सरकारी यूजर्स पर थोड़ी सी फीस की संभावना!! जबकि कैजुअल यूजर्स के लिए फ्री!!ट्विटर प्लेटफार्म की कुछ सर्विसेस को पेड करना अपना प्रभाव जमाना, अभिव्यक्ति की आजादी, एडिट बटन ऑप्शन सहित रणनीतिक रोडमैप पर काम की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

राष्ट्र की अभिव्यक्ति है वंदे मातरम्

-डा. वरिंदर भाटिया-

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 मई को यूरोप के तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में जब जर्मनी पहुंचे तो इस दौरान लोग वंदे मातरम के नारे लगाते नजर आए। ह्यवंदे मातरम ही स्वतंत्रता के लिए देश के संघर्ष के दौरान भारतीय क्रांतिकारियों और राष्ट्रवादी नेताओं का मूल गीत था। इसने कई युवा, पुरुषों और महिलाओं को उत्साहित और प्रेरित किया जो समय की देशभक्ति भावनाओं में घिरे हुए थे। उनकी मातृभूमि की सेवा में अपनी आत्माओं को समर्पित करते थे। प्रसिद्ध उपन्यासकार बंकिम चंद्र चटर्जी ने 1875 में वंदे मातरम गीत की रचना बंगाली भाषा में की थी। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 7 नवंबर, 1876 ईस्वी में बंगाल के कांतल पाडा नामक गांव में इस गीत की रचना की थी, जिसे उन्होंने अपने 1882 के बंगाली उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया था। वंदे मातरम शीर्षक का अर्थ है ह्यमां! मैं आपके सामने नतमस्तक होता हूं या ह्यमैं आपके सामने नतमस्तक होता हूं, मां। आनंदमठ की कहानी 1772 में पूर्णिया, दानापुर और तिरहुत में अंग्रेज और स्थानीय मुस्लिम राजा के खिलाफ संन्यासियों के विद्रोह की घटना से प्रेरित है। आनंदमठ का सार ये है कि किस प्रकार से हिंदू संन्यासियों ने मुसलमान शासकों को हराया। आनंदमठ में बंकिम चंद्र ने बंगाल के मुस्लिम राजाओं की कड़ी आलोचना की। एक जगह वो लिखते हैं, ह्यहमने अपना धर्म, जाति, इज्जत और परिवार का नाम खो दिया है। हम अब अपनी जिंदगी गंवा देंगे। जब तक

इनको भगाएंगे नहीं तब तक हिंदू अपने धर्म की रक्षा कैसे करेंगे? इतिहासकार तनिका सरकार की राय में ह्यबंकिम चंद्र इस बात को मानते थे कि भारत में अंग्रेजों के आने से पहले बंगाल की दुर्दशा मुस्लिम राजाओं के कारण थी।

बांग्ला इतिहासेर संबंधे एकटी कोथा में बंकिम चंद्र ने लिखा, ह्यमुगलों की विजय के बाद बंगाल की दौलत बंगाल में न रहकर दिल्ली ले जाई गई। लेकिन प्रतिष्ठित इतिहासकार केएन पणिक्कर के मुताबिक ह्यबंकिम चंद्र के साहित्य में मुस्लिम शासकों के खिलाफ कुछ टिप्पणियों के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि बंकिम मुस्लिम विरोधी थे। आनंदमठ एक साहित्यिक रचना है। वंदे मातरम गीत के प्रथम दो पद संस्कृत में हैं, वहीं शेष पद बांग्ला भाषा में थे। राष्ट्रकवि रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा इस गीत को स्वरबद्ध किया गया था। पहली बार इस गीत को 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गाया गया था। 1905 में यह राजनीतिक सक्रियता और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के लिए एक लोकप्रिय मार्चिंग गीत बन गया, जो इस तरह से है : वंदे मातरम वंदे मातरम, सुजलां सुफलाम मलयज शीतलाम शस्य श्यामलाम मातरम, शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम, फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम सुखदां वरदां मातरम॥ 1॥ इसका अर्थ है कि मैं आपके सामने नतमस्तक होता हूं, ओ माता! पानी से सींची, फलों से भरी, दक्षिण की वायु के साथ शांत, कटाई की फसलों के साथ गहरी, माता! उसकी रातें चांदनी की गरिमा में प्रफुल्लित हो रही हैं, उसकी जमीन खिलते फूलों वाले वृक्षों से बहुत सुंदर ढकी हुई है, हंसी की मिठास, वाणी की मिठास, माता! वरदान देने वाली, आनंद देने वाली। अरबिंदो घोष ने इस गीत का अंग्रेजी में और आरिफ मोहम्मद खान ने इसका उर्दू में अनुवाद किया। बाद में रविंद्र नाथ टैगोर ने उसे 1896 के कांग्रेस अधिवेशन में गाया था। बंकिम चंद्र चटर्जी ने जब इस गीत की रचना की थी, तब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था और उस दौरान हर समारोह में ह्यगॉड सेव द क्वीन गीत गाया जाता था। भारतीयों को यह नागवार गुजरता था। बंकिम चंद्र चटर्जी ने आहत होकर इस गीत की रचना की और उसका शीर्षक ह्यवंदे मातरम दिया।

भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के ऐतिहासिक और समकालीन भारत में महत्त्व के बारे में जानना जरूरी है। देशभक्ति के इस गीत को भारत के राष्ट्रीय गीत के बजाय एक गीत के रूप में देखें। वंदे मातरम की रचना बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने की थी। इससे पहले कि उन्होंने अपना मैग्नम ओपसए आनंदमठ लिखा था। उन्होंने तब उपन्यास में कविता को शामिल किया। बंकिम चंद्र ने गीत लिखते समय बंगाल की प्राकृतिक सुंदरता से प्रेरित था। गीत में वह मां दुर्गा को सर्वोच्च देवी के रूप में देखती हैं। उपन्यास आनंदमठ 1763-1800 के संन्यासी विद्रोह की ऐतिहासिक घटना के बारे में है और इसलिए यह गीत देशभक्ति के आधार पर पूरी तरह से फिट बैठता है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान और मुख्य रूप से बंगाल के विभाजन के दौरान इस गीत ने लोकप्रियता और एक राष्ट्रीय महत्त्व प्राप्त किया। यह रवींद्रनाथ टैगोर थे जिन्होंने गीत को एक धुन दी और राष्ट्रवादी और देशभक्त भावनाओं की पूर्ण अभिव्यक्ति के रूप में इसे लोकप्रिय बनाया। 1896 में कलकत्ता में नेशनल कांग्रेस असेंबली के सत्र में पहली बार वंदे मातरम गाया गया था। यह तथ्य कि यह स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अपने प्राणों का बलिदान देने वाले शहीदों को भी गौरवान्वित करता है, इसने इसे राष्ट्रीय गीत के लिए उपयुक्त विकल्प बना दिया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद ने संविधान सभा में 24 जनवरी 1950 को वंदे मातरम को राष्ट्रगीत के रूप में मान्यता दी। इस गीत में हर उपमा एक निराला छंद है। वह हमें शब्द और उसके अर्थ की दुनिया के पार ले जाता है। या कहें ले जा सकता है, अगर हम जाना चाहें।

जैसा कि प्रो. रामचंद्र गांधी, जो महात्मा गांधी के पौत्र के रूप में ज्यादा जाने जाते हैं, ने एक अंतरंग बातचीत में कहा था कि बाकी गीत का सौंदर्य अपना है, पर उसके शुरू के दो शब्द ह्यवंदे मातरम ही अपने आप में संपूर्ण काव्य हैं, जैसे ह्यसत्यमेव जयते है। उनका आशय लय से था, जो कविता की धड़कन होती है। वंदे मातरम में संस्कृत और बांग्ला का मिला-जुला प्रयोग अपने में एक खूबी है। भारतीय भाषाओं के जानकार उसे पकड़ सकते हैं। अंग्रेजी में श्री अरविंद के कुशल अनुवाद के बावजूद शब्द-समूहों की खनक उसमें नहीं आती। वंदे मातरम में काव्य के साथ अनूठी सांगीतिकता है। उसे कई रूपों में संगीतबद्ध किया जा सकता है। रवींद्रनाथ ठाकुर से लेकर एआर रहमान तक इसके उदाहरण हमारे सामने हैं। रवींद्रनाथ ने गीत का सिर्फ पहला अंतरा संगीतबद्ध किया था। वह राग देस में था। वास्तव में वंदे मातरम सिर्फ राष्ट्रीय गीत ही नहीं बल्कि राष्ट्रवाद की एक पवित्र अभिव्यक्ति है जिसे धर्म विशेष से न जोड़ते हुए राष्ट्र आत्मा के प्रतिरूप में परिभाषित किया जाना होगा।

शेयर बाजार में लौटी तेजी, 811 अंक तक उछला सेंसेक्स

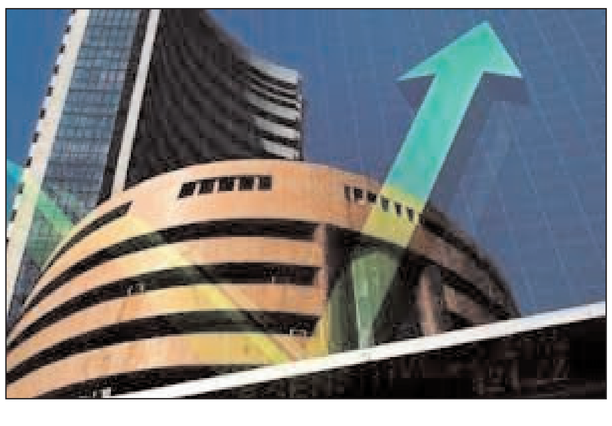

नई दिल्ली, एजेंसी। बुधवार को हुई जोरदार गिरावट के बाद आज के शुरूआती कारोबार में घरेलू शेयर बाजार जबरदस्त मजबूती के साथ ट्रेड करता नजर आ रहा है। शेयर बाजार ने आज करीब 1 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ कारोबार की शुरूआत की। शुरूआती 10 मिनट के कारोबार में इसे हल्का झटका भी लगा, लेकिन उसके बाद से निफ्टी और सेंसेक्स दोनों सूचकांक लगातार तेजी का रुख बनाए हुए हैं।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सेंसेक्स ने 586.04 अंक की मजबूती के साथ 56,255.07 अंक के स्तर से आज के कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही कारोबार पर बिकवाल हावी हो गए। ऐसे में शुरूआती बिकवाली के दबाव की वजह से पहले 10 मिनट के कारोबार में ही सेंसेक्स ओपनिंग लेवल से 278.68 अंक का गोता लगाकर 55,976.39 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इसके तुरंत बाद बाजार में तेज लिवाली शुरू हो गई, जिसके कारण सेंसेक्स तेजी के साथ ऊपर चढ़ने लगा।

बाजार में हो रही लिवाली के समर्थन से शुरूआती आधे घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक 650.90 अंक की तेजी के साथ 56,319.93 अंक के स्तर पर आ गया। इस स्तर पर एक बार फिर बिकवालों ने दबाव बनाने की कोशिश का, जिसकी वजह से सेंसेक्स में मामूली कमजोरी भी नजर आई, लेकिन कुछ ही मिनट में बाजार पर तेजड़िये हावी हो गए और चौतरफा खरीदारी शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स ने जोरदार तेजी का रास्ता पकड़ लिया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10.15 बजे सेंसेक्स 811.19 अंक की मजबूती के साथ 56,480.22 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी ने 177.15 अंक की मजबूती के साथ 16,854.75 अंक के स्तर से आज के कारोबार की शुरूआत की। शेयर बाजार में शुरूआती 10 मिनट में हुई बिकवाली का असर निफ्टी की चाल पर भी पड़ा। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से 75.90 अंक फिसल कर 16,778.85 अंक के स्तर पर आ गया। हालांकि इस गिरावट के तुरंत बाद शेयर बाजार में हुई खरीदारी का फायदा भी निफ्टी को मिला। खरीदारी के सपोर्ट से अगले 20 मिनट के कारोबार में ही ये सूचकांक 173.65 अंक की तेजी के साथ 16,851.25 अंक के स्तर पर पहुंच गया।

इस स्तर पर पहुंचते ही एक बार फिर बिकवालों ने बाजार पर हावी होने की कोशिश की, जिसके कारण निफ्टी में भी हल्की गिरावट नजर आई। लेकिन थोड़ी ही देर में बाजार में एक बार फिर तेज खरीदारी शुरू हो गई, जिसके कारण निफ्टी भी तेजी के साथ ऊपर की ओर चढ़ने लगा। हालांकि बीच-बीच में हल्की बिकवाली भी होती रही, लेकिन लिवाली का जोर अधिक होने के कारण निफ्टी की गति लगातार तेज और ऊपर चढ़ने की बनी रही। लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद निफ्टी सुबह 10:15 बजे 245.20 अंक की मजबूती के साथ 16,922.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

घरेलू शेयर बाजार ने आज प्री ओपनिंग सेशन में भी बढ़त के साथ कारोबार की शुरूआत की थी। इस सेशन में बीएसई का सेंसेक्स 565.31 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की तेजी के साथ 57,234.34 अंक के स्तर पर था। वहीं निफ्टी प्री ओपनिंग सेशन में 134.40 अंक यानी 0.81 प्रतिशत की उछाल के साथ 16,807.45 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को सेंसेक्स 1306.96 अंक यानी 2.29 प्रतिशत टूटकर 55,669.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 391.50 अंक यानी 2.29 प्रतिशत का गोता लगाकर 16,677.60 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

इस साल चीनी के रिकॉर्ड निर्यात का अनुमान, अब तक 70 लाख टन का एक्सपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश से इस साल चीनी का रिकॉर्ड निर्यात हो सकता है। सेक्टर के प्रमुख संगठन इस्मा ने अनुमान दिया है कि मौजूदा शुगर सीजन यानि 2021-22 मार्केटिंग वर्ष के दौरान देश से 90 लाख टन चीनी का निर्यात किया जा सकता है जो कि अब तक का रिकॉर्ड निर्यात होगा। संगठन के मुताबिक रिकॉर्ड हासिल करना इसलिए भी संभव है क्योंकि देश से अब तक 70 लाख टन चीनी का निर्यात किया जा चुका है। और दुनिया भर में चीनी की मांग लगातार बनी हुई है। इसके साथ इस्मा ने अनुमान दिया है कि इस साल चीनी का कुल उत्पादन पिछले साल के मुकाबले 14 प्रतिशत की बढ़त दर्ज कर सकता है।

देश से 2020-21 मार्केटिंग वर्ष के दौरान रिकॉर्ड 72.3 लाख टन चीनी का निर्यात किया गया था। एसोसिएशन के मुताबिक इसमें से अधिकांश निर्यात सरकारी सब्सिडी की मदद से किया गया। एसोसिएशन ने कारोबारियों से मिली जानकारी के आधार पर कहा कि अब तक 82 से 83 लाख टन चीनी का कॉन्ट्रैक्ट किया जा चुका है, इसमें से 68 से 70 लाख टन चीनी का अप्रैल तक निर्यात किया जा चुका है। एसोसिएशन ने कहा कि कारोबारियों से मिले संकेतों से अनुमान है कि भारतीय शुगर इंडस्ट्री इस साल 90 लाख टन चीनी का एक्सपोर्ट कर सकती है। खास बात ये है कि इस साल देश से निर्यात हो रही चीनी सरकार की सब्सिडी के बिना देश से बाहर भेजी जा रही है।

वहीं इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन ने बयान में कहा है कि इस साल चीनी का उत्पादन भी बढ़ने का अनुमान है। एसोसिएशन ने कहा कि साल के दौरान चीनी का उत्पादन 3.43 करोड़ टन तक पहुंच सकता है। जो कि पिछले साल के करीब 3 करोड़ टन के उत्पादन से 14 प्रतिशत अधिक है। देश में चीनी का सीजन अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। देश के चीनी उत्पादन में बढ़त का अधिकांश हिस्सा महाराष्ट्र से आने का अनुमान है।

सेवा क्षेत्र की गतिविधियां अप्रैल में पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। कारोबारी गतिविधियों में तेजी आने और उससे रोजगार में नए सिरे से वृद्धि होने से सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में सुधार आया है और अप्रैल में यह पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। मौसमी रूप से समायोजित एसऐंडपी ग्लोबल इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक अप्रैल में बढ़कर 57.9 पर पहुंच गया। मार्च में यह 53.6 पर था जो बढ़ती कीमतों के दबाव के बावजूद नवंबर के बाद से विस्तार की सबसे तेज दर दशार्ता है। यह लगातार नौंवा महीना है जब सेवा क्षेत्र में उत्पादन में विस्तार देखा गया है। 'परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स' (पीएमआई) 50 से ऊपर गतिविधियों में तेजी को सूचित करता है जबकि 50 से नीचे गिरावट को बताता है।

एसऐंडपी ग्लोबल की इकनॉमिक्स एसोसिएट निदेशक पॉलिएना डि लीमा ने कहा, सेवा क्षेत्र के लिए पीएमआई आंकड़े ज्यादातर उत्साजनक हैं, वहीं मांग बढ़ने से नए कारोबारी प्रवाह और उत्पादन को मजबूती मिली। सर्वे में कहा गया कि निर्माण लागत के रिकॉर्ड ऊंचे स्तर पर पहुंचने के बावजूद भारतीय सेवा क्षेत्र में वृद्धि की रफ्तार लगातार बनी हुई है।

बिक्री मूल्य जुलाई 2017 के बाद से सबसे तेज दर से बढ़ा है और मुद्रास्फीति बढ़ने से उपजी चिंताओं से कारोबारी भरोसा भी डगमगा रहा है। लीमा ने कहा, सेवा प्रदाताओं का कहना है कि उन्हें भोजन, ईंधन और कच्ची सामग्री के लिए अधिक भुगतान करना पड़ रहा है, कुछ ने कहा कि वेतन लागत बढ़ने से कुल खर्च भी बढ़ा है। मुद्रास्फीति की कुल दर सर्वे की शुरूआत के बाद से दूसरी बार के उच्चतम स्तर पर है जिससे कंपनियों को बिक्री मूल्य बढ़ाना पड़ रहा है।

टाटा ग्रुप के इस मल्टीबैगर स्टॉक में दिया कमाल का रिटर्न

2 साल में 1 लाख रुपये को बनाएं 50 लाख रुपये

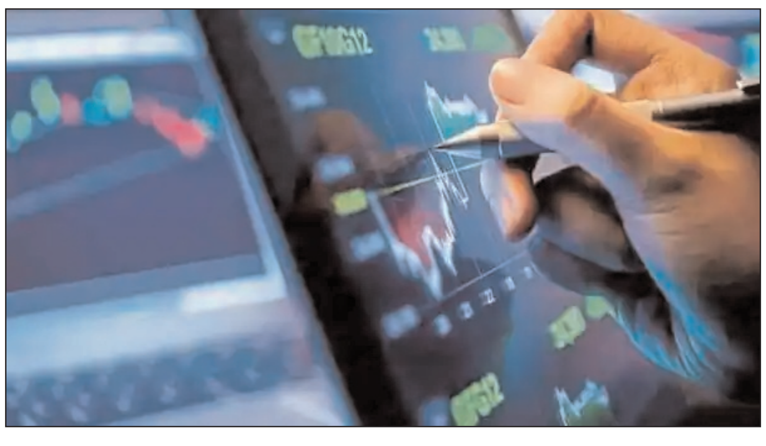

नई दिल्ली, एजेंसी। पेनी स्टॉक्स में निवेश करना काफी जोखिम का काम माना जाता है क्योंकि बाजार में कोई छोटा ट्रिगर भी इस तरह के स्टॉक में भारी उतार-चढ़ाव ला सकता है। हालांकि अगर हम दिग्गज निवेशकों के नजरियो से देखें तो किसी स्टॉक में निवेश करना किसी बिजनेस में निवेश करने जैसा होता है। जिसमें इसका कोई मतलब नहीं होता कि वह बिजनेस छोटा है या बड़ा। यहां सिर्फ इस बात की दरकार होती है कि बिजनेस सिर्फ मुनाफे वाला और टिकाऊ होनी चाहिए। शेयर बाजार के इस टिप का इस्तेमाल करते हुए ज्यादा जोखिम क्षमता उठा सकने वाले निवेशक अच्छे पेनी स्टॉक में निवेश करके बड़ा पैसा कमाते है। टाटा टेलीसर्विसेज (महाराष्ट्र) या टीटीएमएल का शेयर इसका एक जबरदस्त उदाहरण है। लाइव मिंट में प्रकाशित खबर के मुताबिक यह मल्टीबैगर स्टॉक पिछले 2 साल में 2.50 रुपये से बढ़कर 126 रुपये प्रति शेयर पर आ गया है और इस अवधि में इसने करीब 4900 फीसदी का रिटर्न दिया है। टाटा ग्रुप का यह शेयर 2022 के शुरूआत से ही कंसोलिडेशन के फेज में है। पिछले 1 महीने में यह टेलिकॉम स्टॉक 195 रुपये से फिसलकर 126 रुपये पर आ गया है। 1 महीने में यह शेयर करीब 35 फीसदी टूटा है। वहीं इस साल अब तक यह शेयर 215 रुपये से फिसलकर 115 रुपये पर आ गया है। यानी नए साल के शुरूआत से अब तक यह शेयर 45 फीसदी टूट गया। वहीं पिछले 6 महीने की इस मल्टीबैगर पेनी स्टॉक की चाल पर नजर डालें तो यह इस अवधि में करीब 80 फीसदी की तेजी के साथ 67 रुपये से बढ़कर 126 रुपये पर आ गया है। इसी तरह पिछले 1 साल में टीटीएमएल का शेयर 12.75 रुपये से बढ़कर 126 रुपये पर आ गया है यानी इस स्टॉक में 1 साल में 850 फीसदी का रिटर्न दिया है। इस तरह इस स्टॉक में पिछले 2 साल में करीब 50 गुने की बढ़ोतरी देखने को मिली है। 30 अप्रैल 2020 को एनएसई पर यह स्टॉक 2.50 रुपये पर बंद हुआ था। जबकि 4 मई 2022 को एनएसई पर यह स्टॉक 126 रुपये पर बंद हुआ। प्रतिशत में देखें तो 2 साल की अवधि में यह शेयर 4900 फीसदी भागा है। टीटीएमएल के शेयर प्राइस हिस्ट्री के आधार पर विश्लेषण करें तो अगर किसी ने इस स्टॉक में 1 महीने 1 लाख रुपये लगाए होते तो आज उसके 1 लाख रुपये घटकर 65,000 रुपये पर आ जाते। वहीं अगर किसी निवेशक ने इस स्टॉक में 6 महीने पहले 1 लाख रुपये लगाए होते तो उसको आज अपने 1 लाख रुपये पर 1.80 लाख रुपये मिल रहे होते। वहीं अगर किसी निवेशक ने टाटा ग्रुप के इस मल्टीबैगर स्टॉक में 1 साल पहले 1 लाख रुपये लगाए रहें होते तो उसको 1 लाख रुपये पर 9.50 लाख रुपये मिल रहे होते। वहीं अगर किसी निवेशक ने इस स्टॉक में 2 साल पहले 2.50 रुपये के भाव पर 1 लाख रुपये लगाए होते तो और वह अब तक इस स्टॉक में बना रहता उसको अपने निवेश पर 50 लाख रुपये मिल रहे होते। मनीकंट्रोल.कॉम पर दिए गए विचार एक्सपर्ट के अपने निजी विचार होते हैं। वेबसाइट या मैनेजमेंट इसके लिए उत्तरदाई नहीं है। यूजर्स को मनी कंट्रोल की सलाह है कि कोई भी निवेश निर्णय लेने से पहले सार्टिफाइड एक्सपर्ट की सलाह लें।

वित्तीय हालत पटरी पर लाने बैंक कर रहा विचार

सेंट्रल बैंक की 600 शाखाएं होंगी बंद

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की इन दिनों वित्तीय सेहत ठीक नहीं है। बैंक अपनी वित्तीय स्थिति पटरी पर लाने के लिए मार्च 2023 तक 13 फीसदी शाखाओं को बंद करने पर विचार कर रहा है। इस तरह बैंक की लगभग 600 शाखाएं बंद हो सकती है।

पिछले कई साल से बैंक की माली हालत ठीक नहीं है और उसे पटरी पर लाने के लिए शाखाओं को बंद करने पर विचार किया जा रहा है। मार्च 2023 के अंत तक घाटे में चल रही शाखाओं को बंद या विलय करके शाखाओं की संख्या को 600 तक कम करने की योजना है। यह बैंक द्वारा अपने वित्तीय सेहत में सुधार के लिए सबसे कठोर कदम बताया जा रहा है। इसके बाद बैंक की रियल एस्टेट जैसी गैर प्रमुख संपत्तियों की बिक्री की योजना पर काम किया जा सकता है। 100 साल से अधिक पुराने इस बैंक के पास वर्तमान में 4594 शाखाओं का नेटवर्क है। बैंक को जून 2017 में आरबीआई ने पीसीए फ्रेमवर्क में रखा गया था।

सेंट्रल बैंक 100 साल से भी पुराना बैंक है। बैंक मुख्यालय ने इस बारे में विभिन्न ब्रांच और डिपार्टमेंट्स को चार मई को भेजे गए डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि बैंक 2017 से ही पीसीए से बाहर निकलने और मैनपावर के एफिशयंट और इफेक्टिव इस्तेमाल के लिए संघर्ष कर रहा है। इसमें ब्रांच बंद करने के औचित्य को डिटेल से बताया गया है। इस बारे में बैंक ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

आरबीआई ने पीसीए के दायरे में रखा, जुर्माना भी लगाया

साल 2017 में सेंट्रल बैंक के साथ अन्य 12 बैंकों को आरबीआई की त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई पीसीए के तहत रखा गया था। आरबीआई ने बैंक की वित्तीय सेहत में गड़बड़ी को देखते हुए ये कार्रवाई की थी। तब से सेंट्रल बैंक को छोड़कर सभी उधारदाताओं ने अपने वित्तीय सेहत में सुधार किया है और आरबीआई की पीसीए सूची से बाहर आ गए हैं। हालांकि, सेंट्रल बैंक को अब भी संघर्ष करना पड़ रहा है। आपको बता दें कि पीसीए के तहत एक बैंक को नियामक द्वारा अधिक जांच का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा उधार और जमा प्रतिबंध, शाखा विस्तार आदि पर रोक लगा दी जाती है। इसके अलावा आरबीआई ने ग्राहकों के हितों की सुरक्षा से जुड़े नियमों के उल्लंघन को लेकर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पर 36 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। बीते वित्त वर्ष के दौरान दिसंबर तिमाही में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का मुनाफा 69 फीसदी की वृद्धि के साथ 279 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। बैंक ने एक साल पहले इसी अवधि में 165 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। दसंबर में कंपनी का ग्रॉस एनपीए रेश्यो 15.16 फीसदी था जो दूसरे बैंकों की तुलना में बहुत अधिक है।

आईसीआईसीआई व बीओबी का कर्ज हुआ महंगा

आरबीआई के रेपो रेट ढ़ाने का असर दिखने लगा है। आरबीआई ने बुधवार को रेपो रेट में 40 बेसिस पॉइंट्स और कैश रिजर्व रेश्यों 50 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी करने की घोषणा की थी। इसके तुरंत बाद बैंकों ने भी कर्ज की ब्याज दरें बढ़ानी शुरू कर दी हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा और आईसीआईसीआई बैंक ने कर्ज मंहगा कर दिया है। इन दोनों बैंकों ने रेपो रेट से जुड़ी ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर दी है। इसके बाद इन दोनों बैंक से होम, ऑटो और पर्सनल लोन सहित सभी तरह का कर्ज लेना महंगा हो गया है। आईसीआईसीआई बैंक ने कहा कि आरबीआई की पॉलिसी रेपो रेट के मुताबिक बैंक को एक्टरनल बेंचमार्क लेंडिंग रेट बढ़ा दिया गया है। इसे 40 बेसिस अंक बढ़ाकर 8.10 फीसदी कर दिया गया है जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी रिटेल लोन के लिए रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट को 40 बीपीएस बढ़ाकर 6.90 फीसदी कर दिया है।
आईसीआईसीआई बैंक की बढ़ी हुई दर चार मई से और बैंक ऑफ बड़ौदा की बढ़ी दरें पांच मई से लागू हो गई हैं।

निर्माण लागत रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बावजूद रही तेजी

सेवा क्षेत्र पांच माह के शीर्ष पर

नई दिल्ली। देश के सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में तीव्र सुधार जारी है। अप्रैल माह में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां बढ़कर पांच माह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। कारोबारी गतिविधियों में तेजी आने और उससे रोजगार में नए सिरे से वृद्धि होने से सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में सुधार हुआ है। मौसमी रूप से समायोजित एसऐंडपी ग्लोबल इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक अप्रैल में बढ़कर 57.9 पर पहुंच गया। मार्च में यह 53.6 पर था जो बढ़ती कीमतों के दबाव के बावजूद नवंबर के बाद से विस्तार की सबसे तेज दर दर्शाता है।

सर्वे में कहा गया कि निर्माण लागत के रिकॉर्ड ऊंचे स्तर पर पहुंचने के बावजूद भारतीय सेवा क्षेत्र में वृद्धि की रफ्तार लगातार बनी हुई है। बिक्री मूल्य जुलाई 2017 के बाद से सबसे तेज दर से बढ़ा है और मुद्रास्फीति बढ़ने से उपजी चिंताओं से कारोबारी भरोसा भी डगमगा रहा है। सर्वे में कहा गया कि कोविड-19 की पाबंदियां हटने से उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ गई और इस तरह मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। रोजगार के मोर्चे पर कंपनियों ने अप्रैल में भर्ती जारी रखी और नंवबर के बाद से रोजगार में पहली बार वृद्धि हुई है। जिन कंपनियों ने अतिरिक्त कर्मियों को काम पर रखा उन्होंने कहा कि इसकी वजह नए कारोबार में जारी वृद्धि है। इस बीच समग्र पीएमआई उत्पादन सूचकांक मार्च के 54.3 से बढ़कर अप्रैल में 57.6 हो गया जो बीते पांच महीनों में सबसे तेज वृद्धि को दर्शाता है।

लगातार नौंवे माह उत्पादन में विस्तार

यह लगातार नौंवा महीना है जब सेवा क्षेत्र में उत्पादन में विस्तार देखा गया है। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स पीएमआई 50 से ऊपर गतिविधियों में तेजी को सूचित करता है जबकि 50 से नीचे गिरावट को बताता है। एसऐंडपी ग्लोबल की इकनॉमिक्स एसोसिएट निदेशक पॉलिएना डि लीमा ने कहा, सेवा क्षेत्र के लिए पीएमआई आंकड़े ज्यादातर उत्साजनक हैं, वहीं मांग बढ़ने से नए कारोबारी प्रवाह और उत्पादन को मजबूती मिली। लीमा ने कहा, सेवा प्रदाताओं का कहना है कि उन्हें भोजन, ईंधन और कच्ची सामग्री के लिए अधिक भुगतान करना पड़ रहा है, कुछ ने कहा कि वेतन लागत बढ़ने से कुल खर्च भी बढ़ा है। मुद्रास्फीति की कुल दर सर्वे की शुरुआत के बाद से दूसरी बार के उच्चतम स्तर पर है जिससे कंपनियों को बिक्री मूल्य बढ़ाना पड़ रहा है।

साबुन से लेकर क्रीम-पाउडर तक हुए महंगे

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े एफएमसीजी ब्रांड हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड एचयूएल ने 5 मई से अपने प्रोडक्ट्स की कीमतों में 15 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। रिपोर्ट के अनुसार पियर्स साबुन की 125 ग्राम साबुन की कीमत में 2.4 फीसदी और मल्टीपैक में 3.7 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। लक्स साबुन की कीमत 9 फीसदी बढ़ गई है। कंपनी ने सनसिल्क शैम्पू की कीमतों में भी 8 से 10 रुपए की बढ़ोतरी की है। क्लिनिक प्लस शैम्पू 100 एमएल की कीमत में 15 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। साबुन और शैंपू के अलावा, स्किन क्रीम ग्लो एंड लवली की कीमत में 6 से 8 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। पॉन्ड्स के टैल्कम पाउडर की कीमत में भी 5 से 7 फीसदी की वृद्धि की गई है। इससे पहले हिंदुस्तान यूनीलिवर और नेस्ले ने मैगी, चाय, कॉफी और मिल्क की कीमतें 14 मार्च से बढ़ाई थीं।

फेडे ने बढ़ाई नीतिगत दरें

नई दिल्ली। महंगाई से जूझ रहे अमेरिका में फेडरल रिजर्व ने भी अपनी नीतिगत ब्याज दर में 0.5 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी। बता दें मार्च में यहां खुदरा मुद्रास्फीति 5.2 फीसदी पहुंच गई थी, जबकि फेडरल रिजर्व को इसे दो फीसदी तक सीमित रखने की जिम्मेदारी दी गई है। इससे पहले मार्च महीने में फेडरल रिजर्व की खुली बाजार संबंधि समिति ने नीतिगत ब्याज दर में चौथाई फीसदी की वृद्धि की थी। फेडरल रिजर्व की इस समिति की दो दिन की बैठक के बाद जारी बयान में नीतिगत दर को 0.75 फीसदी से एक फीसदी रखने का लक्ष्य रखा गया है। फेडरल रिजर्व ने 2006 से बाद पहली बार लगातार दूसरे महीने नीतिगत ब्याज दर बढ़ाई है और वर्ष 2000 के बाद पहली बार इसने एक बार में इतनी बड़ी वृद्धि करते हुए नीतिगत ब्याज दर में आधा फीसदी की बढ़ोतरी की है।

फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पावेल ने आने वाले समय में नीतिगत में दर में और वृद्धि करने का संकेत दिया है और यह कयास लगाया जा रहा है कि नवंबर-दिसंबर तक नीतिगत ब्याज दर 2.5 से 2.75 फीसदी तक जा सकती है।

वाहनों की खुदरा बिक्री में इजाफा

अप्रैल में 37 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश में वाहनों की खुदरा बिक्री अप्रैल में 37 फीसदी बढ़ी है। यह जानकारी गुरुवार को वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन फाडा ने दी।

फाडा ने कहा कि अप्रैल में सभी श्रेणियों में कुल 1627975 वाहनों की बिक्री हुई, जबकि इससे एक साल पहले समान अवधि के दौरान 1187771 वाहन बिके थे। यह वृद्धि पिछले साल अप्रैल माह की तुलना में है जब देश कोविड महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा था। सालाना आधार पर देखा जाए तो यात्री वाहनों और दोपहिया सहित सभी वाहन श्रेणियों में बिक्री पिछले साल अप्रैल की तुलना में इस साल बढ़ी है। पिछले महीने 264342 यात्री वाहनों का पंजीकरण हुआ, जो एक साल पहले की समान अवधि की 210682 इकाइयों से 25 प्रतिशत अधिक था। इसी तरह अप्रैल 2022 में 1194520 दोपहिया वाहनों की बिक्री हुई जो एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। फाडा के अध्यक्ष विंकेश गुलाटी ने कहा, अप्रैल, 2019 और अप्रैल 2022 की तुलना करने पर पता चलता है कि हम अभी पूरी तरह से उबरे नहीं हैं क्योंकि कुल खुदरा बिक्री में छह प्रतिशत की गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध जारी है और चीन में भी लॉकडाउन है जिसके कारण वाहन उद्योग आपूर्ति संबंधी दिक्कतों, सेमीकंडक्टर की कमी, धातुओं की ऊंची कीमतों के साथ ही कंटेनर की कमी से जूझ रहा है। बीते महीने वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री 78398 इकाई पर पहुंच गई, जो अप्रैल 2021 की 51515 इकाइयों से 52 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल 2021 की तुलना में इस साल अप्रैल में तिपहिया वाहनों की बिक्री 96 प्रतिशत बढ़ी है, जबकि ट्रैक्टर पंजीकरण में 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

बड़ी गिरावट से उबरा शेयर बाजार

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक और पावर समेत दस समूहों में हुई लिवाली की बदौलत गुरुवार को शेयर बाजार न केवल पिछले दिवस के कोहराम से उबरने बल्कि शुरुआती तेजी गंवाने के बावजूद बढ़त पर टिकने में भी सफल रहा। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 33.20 अंक बढ़कर 55702.23 और एनएसई का निफ्टी 5.05 की मामूली बढ़त लेकर 16682.65 अंक पर रहा। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों में बिकवाली का दबाव रहा। इस दौरान मिडकैप 0.21 प्रतिशत उतरकर 23,615.24 अंक और स्मॉलकैप 0.32 फीसदी टूटकर 27,673.97 अंक पर आ गया। बीएसई के दस समूहों में लिवाली जबकि अन्य नौ समूहों में बिकवाली हुई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मिलाजुला रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.85, जर्मनी का डैक्स 1.34 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.68 प्रतिशत मजबूत रहा जबकि जापान के निक्केई में 0.11 और हांगकांग के हैंगसेंग में 0.36 प्रतिशत की गिरावट रही। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 586 अंक की तेजी लेकर 56,255.07 अंक पर खुला और जबरदस्त लिवाली की बदौलत थोड़ी देर बाद ही 56,566.80 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

एक नजर

खत्म हुआ इंतजार, पसंदीदा जगह रोहतांग दर्रा बहाल

मनाली, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मनाली का खूबसूरत पर्यटक स्थल रोहतांग दर्रा अब सैलानियों के लिए खुलने जा रहा है। देश-विदेश के पर्यटकों की पसंदीदा सैरगाह रोहतांग को इस साल सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने एक माह पहले ही बहाल कर दिया है। बीआरओ ने करीब 20 फीट(6.096) से भी ऊंची बर्फ की दीवार को काटकर समुद्रतल से 13050 फीट की ऊंचाई पर स्थित रोहतांग दर्रा को बहाल किया। कारोबारियों की मांग को देखते हुए प्रशासन रोहतांग दर्रे को पर्यटकों के लिए बहाल करने जा रहा है। प्रशासन ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि, अभी यहां वाहनों की आवाजाही नहीं हो सकेगी। स्थानीय प्रशासन सड़क का निरीक्षण करेगा, उसके बाद ही इसकी इजाजत दी जाएगी।

इराक में धूल भरी आंधी हजारों अस्पताल में भर्ती

बगदाद, (एजेंसी)। इराक के अधिकांश हिस्सों में गुरुवार को धूल भरी आंधी चलने की वजह से एक की मौत हो गई है और 5,000 से अधिक लोग सांस लेने में तकलीफ की समस्या के साथ अस्पताल में भर्ती हुए। इराकी स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता सैफ अल-बद्र ने एक बयान में कहा कि पूरे इराक के अस्पतालों में 5,000 से अधिक लोग सांस लेने की समस्या के साथ भर्ती हैं, जिनमें से 2,000 इराक की राजधानी बगदाद में से हैं। एक की मौत भी हो चुकी है। बयान में कहा गया कि आगे आने वाले समय में अस्पताल पहुंचने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि होने की भी संभावना है। पहले भर्ती हुए लोगों में अधिकतर अपना इलाज कराने के बाद जा चुके हैं। इराक के मौसम विज्ञानी सादिक अत्तिया ने अपने फेसबुक पेज पर कहा कि गुरुवार आधी रात को पूर्वी सीरिया से धूल भरी आंधी आई थी, अगले कुछ घंटों में यह बगदाद में जाकर खत्म हो जाएगी।

राजद्रोह कानून की वैधता पर 10 को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय दंड संहिता की धारा 124 -ए (राजद्रोह) की वैधता को चुनौती देते हुए उसे रद्द करने के निर्देश देने की मांग संबंधी याचिकाओं पर 10 मई को सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सवाल पर विचार करने पर सहमत हुई कि राजद्रोह कानून पर विवाद के इस मामले को पांच या सात जजों की पीठ के समक्ष भेजा जाए या नहीं। कोर्ट ने अगली सुनवाई से पूर्व शनिवार-सोमवार के दौरान संबंधित पक्षों को अपनी लिखित दलीलें व जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। सीजेआई एनवी रमना की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने केंद्र की ओर से पेश सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता के अनुरोध और अन्य संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पर मामले को अगले मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

आज का इतिहास

- 1840: दुनिया की पहली गोंद लगी डाक टिकट 'पेनी ब्लैक' का ग्रेट ब्रिटेन में इस्तेमाल हुआ।
- 1857: ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल नेटिव इन्फैंटरी की 34वीं रेजिमेंट को भंग किया।
- 1861: मोतीलाल नेहरु का जन्म।
- 1910: जॉर्ज पंचम, पिता एडवर्ड सप्तम की मृत्यु के बाद ब्रिटेन के सम्राट बने।
- 1940: जॉन स्टेनबेक को उनके उपन्यास 'द ग्रेप्स ऑफ रॉथ' के लिए पुलित्जर पुरस्कार मिला।
- 1946: महात्मा गांधी के विश्वस्त सहयोगी भूलाभाई देसाई का निधन
- 1997: फ्रांस की क्रिस्टिन जेनिन ध्रुव पर पैदल पहुँचने वाली विश्व की प्रथम महिला बनीं।
- 2004: चीन ने सिक्किम को भारत का अंग माना।
- 2010: मुंबई पर हमला करने वाले आतंकियों में से जिंदा पकड़े गए अजमल कसाब को फांसी की सजा।

कश्मीर में सेना की ओर से हिंसा की कड़ी को तोड़ने के सिद्धांत को अपनाया: लेफ्टिनेंट पांडे

आतंकवाद के चंगुल से 250 युवाओं को छुड़ाया

श्रीनगर ■ एजेंसी

भारतीय सेना की चिनार कोर के कमांडर निवर्तमान लेफ्टिनेंट जनरल डी पी पांडे ने गुरुवार को कहा कि पिछले एक साल में 250 से अधिक ऐसे युवाओं को सामान्य जिंदगी में वापस लाया गया है, जो या तो आतंकवाद में शामिल होने वाले थे या शामिल हो चुके थे। उनके 15वीं कोर के कमांडर का पद संभालने के बाद से कश्मीर में सेना की ओर से हिंसा की कड़ी को तोड़ने के सिद्धांत को अपनाया जाने लगा है।

उन्होंने कहा कि एक तरफ से हम आतंकियों को ढेर कर रहे हैं और दूसरी तरफ हम चाहते हैं कि घाटी में हथियार उठाने वाले युवाओं की संख्या में कमी आए। मुझे लगता है कि हमने दोनों ही स्तरों पर बेहतर काम किया है।

मप्र में आर्मी वार कॉलेज के कमांडेंट नियुक्त किए गए लेफ्टिनेंट जनरल पांडे

मप्र में आर्मी वार कॉलेज के कमांडेंट नियुक्त किए गए लेफ्टिनेंट जनरल पांडे ने कहा कि कश्मीर में पिछले एक साल में काफी बदलाव देखा गया है क्योंकि यहां की पुलिस को अब आतंकियों के बारे में खुफिया जानकारियां अधिक मिलने लगी हैं। सूचनाओं का आदान-प्रदान हो रहा है।

अब जम्मू-कश्मीर की पुलिस को तकनीकी सूचनाओं के बजाय इंसानों से खुफिया जानकारियां अधिक मिलने लगी हैं, क्योंकि लोग नहीं चाह रहे हैं कि आतंकी उनके घर को अपना ठिकाना बनाकर वहीं छिपने लगे। लोग नहीं चाहते हैं कि उन्हें खुलेआम आतंकियों का समर्थक कहा जाए। कई ऐसी भी जगहें हैं, जहां आतंकियों के समर्थकों को अलग-थलग कर दिया जा रहा है। इस तरह के कई बदलाव आज हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में 250 युवाओं को आतंकवाद के रास्ते से हटाकर आम जिंदगी में वापस लाना उनकी एक अहम उपलब्धि है।

लेफ्टिनेंट जनरल पांडे ने कहा कि आतंकी बनने की कगार पर पहुंच चुके या आतंकवादी बन चुके 250 से अधिक नौजवानों को सामान्य जिंदगी के रास्ते पर मोड़ना मेरी उपलब्धि है। हथियारों की मौजूदगी कोई चुनौती नहीं है। हां, कुछ (अमेरिकी) हथियार कश्मीर में आए हैं, लेकिन अब यह कोई चुनौती नहीं है। इससे पूर्व, लेफ्टिनेंट जनरल पांडे ने कहा कि एक नई शुरुआत की एक झलक दिखाई दे रही है।

यूक्रेन पर रूसी हमले का 71वां दिन

9 को औपचारिक युद्ध की घोषणा नहीं होगी

मॉस्को ■ एजेंसी

रूस ने आगामी दिनों में यूक्रेन के खिलाफ औपचारिक युद्ध घोषणा की खबरों को 'बकवास' बताते हुए कहा कि उसकी ऐसी कोई योजना नहीं है।रूस यूक्रेन पर हमले को अपना विशेष सैन्य अभियान बताता रहा है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि इस तरह की खबरें पूरी तरह अफवाह हैं, इसमें कोई सच्चाई नहीं है।

बीबीसी के अनुसार पश्चिमी देशों अधिकारियों ने माना है कि राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन नौ मई की विजय परेड पर यूक्रेन के सैन्य कार्रवाई को बढ़ाने की घोषणा कर सकते हैं। पिछले हफ्ते ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वालेस ने भी कहा था कि रूस नौ मई की विजय दिवस परेड में यूक्रेन के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर सकता है। ताजा रिपोर्टों से पता चलता है कि हाल ही में कुछ नागरिकों की सफल निकासी के बाद स्टीलवर्क्स पर फिर से हमले शुरू हो गए हैं। यूक्रेन के अधिकारियों का कहना है कि रूस की लगातार बमबारी से सिटी सेंटर की सड़कों को मलबे, शवों और बिना फटे बमों से हटाया जा रहा है। शहर के बड़े हिस्से खंडहर बन गया है।

रूस मुद्दे पर जॉनसन-किशिदा में बैठक

लंदन, (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन गुरुवार को जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ बैठक कर रूस पर दबाव बनाने के नए तरीके पर विचार विमर्श किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बैठक में इस बात पर ध्यान दिया गया कि रूस पर कैसे दबाव बनाया जाए और सहयोगियों की रूस के तेल और गैस पर कम निर्भरता को कम किया जाए। रिपोर्ट के अनुसार श्री जॉनसन और श्री किशिदा भी दोनों देशों के बीच एक नई रक्षा साझेदारी के लिए तैयार हैं। इस समझौता ब्रिटेन और जापान की सेनाओं को प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास और आपदा राहत के लिए एक साथ तैनात करने की अनुमति देगा। श्री किशिदा की प्रधानमंत्री के रूप में यह पहली ब्रिटेन यात्रा है। यह पहली बार होगा जब जापान किसी यूरोपीय देश के साथ इस तरह के समझौते पर हस्ताक्षर करेगा।

लखनऊ में ढहाया अवैध काम्प्लेक्स

लखनऊ में गुरुवार को नगर निगम ने हनुमान मंदिर परिसर में निर्मित अवैध कांप्लेक्स को ध्वस्त कर दिया। अवैध कांप्लेक्स के निर्माता मंदिर समिति में सदस्य है।

रेलवे ने रद्द कीं 1100 और ट्रेनें, यात्री-व्यापारी परेशान

कोयला संकट: आपूर्ति के लिए रेलवे 15 फीसदी अतिरिक्त कोयला कर रही परिवहन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देश में कोयला संकट के चलते भारतीय रेलवे ने अगले 20 दिनों के लिए कम से कम 1100 ट्रेनें रद्द करने का फैसला लिया है। इससे यात्री समेत व्यापारी वर्ग भी परेशान है।

बता दें कि, कई हिस्सों में बिजली उत्पादन संयंत्र कोयला संकट का सामना कर रहे हैं। इससे निपटने के लिए और कोयले की आपूर्ति के लिए रेलवे 15 फीसदी अतिरिक्त कोयले का परिवहन कर रहा है। इसी सिलसिले में रेलवे ने अगले 20 दिनों तक करीब 1100 ट्रेनें रद्द करने का फैसला लिया है। इसमें मेल एक्सप्रेस और पैसेंजर दोनो ट्रेनें को शामिल किया गया है। एक्सप्रेस ट्रेनों की 500 ट्रिप, जबकि पैसेंजर ट्रेनों की 580 ट्रिप्स रद्द की गई हैं। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी रेलवे ने अगले एक महीने तक 670 पैसेंजर ट्रेनों को रद्द किया है।

पिछले साल की तुलना में काफी बढ़ गई है कोयले की मांग

रेलवे अधिकारी ने बताया कि, कोयले की मांग और खपत पिछले साल की तुलना में काफी बढ़ गई है, इसलिए हम अधिक मात्रा में कोयले का परिवहन कर रहे हैं। हम मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की तुलना में अतिरिक्त कोयला रेक और उच्च प्राथमिकता पर संचालित कर रहे हैं। वहीं इस मसले पर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने भी माना था कि, कई राज्यों में कोयले की कमी है। उन्होंने कहा था, रूस यूक्रेन युद्ध के चलते कोयले के आयात पर असर पड़ा है। इसके अलावा बताया जा रहा है कि झारखंड में कोल कंपनियों को बकाया रकम न देने और हड़ताल के चलते कोयला संकट पैदा हुआ है। पावर प्लांट्स के पास रह गया है कुछ ही दिनों का कोयला इस साल भीषण गर्मी पड़ रही है और इस कारण अप्रैल के महीने से ही बिजली की मांग बहुत बढ़ी हुई है। बिजली की मांग बढ़ने से कोयले की खपत भी बढ़ गई है। यही वजह है कि अब पावर प्लांट्स के पास कुछ ही दिनों का कोयला रह गया है इसकी वजह से देश में बिजली संकट खड़ा हो गया है। इस स्थिति से बचने के लिए रेलवे ने अपनी ओर पूरा सहयोग देने का प्रयास शुरू कर दिया है। देश में कोयले की ढुलाई का काम सबसे अधिक रेलवे द्वारा ही किया जाता है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष वीके त्रिपाठी के अनुसार, पिछले साल से कोयले की मांग और खपत में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अप्रैल 2022 के महीने में, हमने अप्रैल 2021 की तुलना में 15 फीसदी अधिक कोयले का परिवहन किया है। रेलवे के अनुसार इन गाड़ियों को इसलिए रद्द किया गया है, ताकि थर्मल पावर प्लांट को सप्लाई किए जा रहे कोयले से लदी मालगाड़ियों को आसानी से रास्ता दिया जा सके, जिससे कोयला समय पर पहुंच सके। रेलवे ने इससे पहले भी अगले एक महीने तक 670 पैसेंजर ट्रेनों को रद्द कर दिया है। ताकि कोयला ले जा रही माल गाड़ियों के फेरों को बढ़ाया जा सके। इसके चलते छग, ओड़िशा, मप्र और झारखंड जैसे कोयला उत्पादक राज्यों से आने-जाने वाले लोगों को काफी असुविधा हो रही है।

हैदराबाद में ऑनर किलिंग

हैदराबाद, (एजेंसी)। हैदराबाद में गुरुवार को एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया। यहां एक दलित युवक को मुस्लिम युवती से शादी करना भारी पड़ा। लड़की के घरवालों ने उसे पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। हैरानी वाली बात है कि यह घटना सरेराह हुई, महिला वहां मौजूद लोगों से हाथपांव जोड़ती रही, रोती रही, गिड़गिड़ाती रही लेकिन कोई उसकी मदद को नहीं आया।

आखिर युवक की जान चली गई और उसे खून से लथपथ छोड़कर आरोपी वहां से भाग गए। घटना सरूरनगर में बुधवार रात को घटी। महिला ने अपने घरवालों की मर्जी के खिलाफ जाकर दलित युवक से शादी की थी। महिला के घरवाले इसी बात से नाराज थे। बुधवार की रात को वह अपने पति के साथ स्कूटर पर जा रही थी तभी महिला के भाई और कुछ रिश्तेदारों ने उनके ऊपर हमला किया।

सिग्नल पर रुकते ही लोहे की रॉड से हमला

घटना के बाद युवती ने जो बयां किया वह दिल दहला देने वाला है। युवती ने बताया कि वे लोग सिग्नल पर खड़े थे तभी उसके भाई समेत पांच लोग वहां आए। उन्होंने लोहे की रॉड से उसके पति का पीटना शुरू कर दिया। वह चीखती रही और उन लोगों के हाथपांव जोड़ती रही कि उसे छोड़ दें लेकिन उनका दिल नहीं पसीजा।

मैं कहा छोड़ दूंगी, जहां कहोगे कर लूंगी शादी: घटना के बाद से अपनी सुदबुद खो चुकी महिला बार-बार अब यही कहती है, उन्होंने मेरे पति को मेरी आंखों से सामने मार दिया। उन्होंने मेरी आंखों से सामने उन्हें मार डाला, मैं कुछ नहीं कर सकी। महिला ने रोते हुए कहा कि वह वहां सिग्नल पर बहुत सारे लोग थे, वे लोग उन्हें पीटते रहे, मैंने उनसे कहा कि मैं उसे छोड़ दूंगी..... जिससे आप कहेंगे मैं उससे शादी कर लूंगी लेकिन उन्होंने मेरी एक नहीं सुनी। उन्होंने उसे इसलिए मार दिया क्योंकि मैंने उससे शादी की थी।

प्रयागराज स्टेशन पर महिला ने दिया बेटी को जन्म

प्रयागराज, (ब्यूरो)। यात्रियों को सुरक्षित रेल यात्रा उपलब्ध कराने के क्षेत्र मे आरपीएफ, प्रयागराज मण्डल निरंतर प्रयासरत है। 4 अप्रैल को ट्रेन नंबर 12559 शिव गंगा एक्सप्रेस समय 00.06 बजे प्रयागराज स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 5 पर आई जिसमे महिला यात्री रिजवाना बेगम पत्नी मो. वसीम अंसारी उम्र (25) डी-1 कोच की बिर्थ संख्या 31-32 पर आकर ट्रेन में बैठ गए। ट्रेन में बैठने के पश्चात महिला यात्री रिजवाना बेगम को प्रसव पीड़ा होने लगी जिस पर उसके पति ने महिला को ट्रेन से नीचे उतार लिया और ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल मक्खन लाल को इस बारे में बताया तो मक्खन लाल द्वारा उप निरीक्षक ओमवीर सिंह को तत्काल अवगत कराया, सूचना मिलते ही मेरी सहेली में ड्यूटी पर तैनात महिला कॉन्स्टेबल प्रेम कुमारी व गीता देवी को तुरंत प्लेटफार्म नंबर 5 के एफओबी नंबर 1 के पास भेजकर महिला यात्री की मदद को कहा गया तथा स्टेशन अधीक्षक प्रयागराज को डॉक्टर द्वारा अटेंड करने हेतु सूचना दी गई, महिला कांस्टेबल ने मौके पर तुरंत पहुंचकर उक्त महिला यात्री की मदद कर डिलेवरी कराई।

ऑपरेशन मेरी सहेली की टीम ने की मदद

बिजली पर केजरीवाल लेकर आए मोदी मॉडल

दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिये दिल्ली में बिजली पर मिलने वाली सब्सिडी से लेकर युवाओं के स्टार्टअप तक का मुद्दा उठाया। केजरीवाल ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का ऐलान किया कि राजधानी को जल्द ही स्टार्टअप हब बनाने की ओर काम किया जाएगा। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली कैबिनेट ने दिल्ली स्टार्टअप नीति पारित कर दी है। सीएम केजरीवाल ने कहा कि अब दिल्ली में सभी को मुफ्त बिजली नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बहुत सारे लोगों को फ्री बिजली मिलती है।

जिग्नेश मेवानी को तीन महीने जेल 1000 रुपए का जुर्माना भी लगा

अहमदाबाद, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता जिग्नेश मेवानी को महेसाणा कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। उनको तीन महीने की सजा सुनाई गई है। इसके साथ-साथ एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जिग्नेश मेवानी के साथ-साथ एनसीपी नेता रेशमा पटेल और सुबोध परमार को भी तीन महीने की सजा सुनाई गई है। कुल 12 लोगों को सजा हुई है। यह मामला बिना इजाजत रैली करने का है।

जिस मामले में जिग्नेश मेवानी, रेशमा पटेल और सुबोध परमार को सजा सुनाई गई है वह करीब पांच साल पुराना है। इन्होंने साल 2017 में आजादी कूच रैली की थी। आरोप लगा कि ये रैली बिना इजाजत की गई थी। अब इसी मामले में महेसाणा कोर्ट ने इनको दोषी पाया है। विधायक जिग्नेश मेवानी, एनसीपी की नेता रेशमा पटेल, सुबोध परमार पर रैली करके सरकारी नोटिफिकेशन का उल्लंघन करने का आरोप लगा था। बता दें कि रेशमा पटेल राष्ट्रवादी महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष हैं। ऊना में दलितों की पिटाई का मामला सामने आने के बाद 12 जुलाई 2017 को आजादी कूच नाम से मेहसाणा के पास बनासकांठा में आंदोलन किया गया था।

कैलिफोर्निया में गोलीबारी में दो की मौत

लॉस एंजिलिस, (एजेंसी)। अमेरिका में कैलिफोर्निया के रिवरसाइड शहर में एक निजी विश्वविद्यालय के पास गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। जांच कर रहे अधिकारियों ने बताया कि यह गोलीबारी रिवरसाइड शहर की पियर्स स्ट्रीट के 11000 ब्लॉक के पास स्थानीय समयानुसार बुधवार तड़के करीब 2:15 बजे हुई। केएबीसी टीवी ने बताया कि अधिकारियों को ला सियरा विश्वविद्यालय के पास गोलीबारी होने की सूचना मिली जहां अधिकारियों को दो गंभीर रूप से घायल लोग मिले, जिनके शरीर पर गोलियों के घाव थे।

गया के स्कूल के बच्चों की हैंडराइटिंग एक समान

गया, (एजेंसी)। बिहार में गया जिले के नीमचक बथानी प्रखंड के झरना सरेन गांव में संचालित गौतम बुद्ध शिक्षण संस्थान विद्यालय एक अनोखा विद्यालय है जिसमें पढ़ने वाले बच्चों की हैंडराइटिंग एक समान है।

कारनामा

गया जिला मुख्यालय से 60 किमती दूर सुदूरवर्ती क्षेत्र में 22 वर्षों से संचालित विद्यालय के प्रधानाचार्य चंद्रमौली प्रसाद बताते हैं कि वर्ष 2000 में उन्होंने गौतम बुद्ध शिक्षण संस्थान नामक विद्यालय की शुरुआत की थी। जो अब तक चल रहा है। इस विद्यालय में प्रतिवर्ष एक सौ बच्चों का ही नामांकन कराया जाता है। विद्यालय में पांच कमरे हैं और बच्चों को पढ़ाने के लिए चार शिक्षक है। सबसे खास बात किया है कि यहां पढ़ने वाले सभी बच्चों की हैंडराइटिंग एक समान है, जो देखने में काफी खूबसूरत और स्वच्छ है। बच्चों की हैंडराइटिंग एक तरह की हो, इसके लिए यहां के शिक्षकों द्वारा विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया जाता है।

प्रशांत किशोर दो अक्टूबर से शुरू करेंगे पदयात्रा

पटना, एजेंसी। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर बिहार में 'जन सुराज' की संकल्पना के साथ जनता से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्या, इच्छा और आकांक्षाओं को समझ एक ठोस राजनीतिक निर्णय तक पहुंचने के उद्देश्य से इस वर्ष 02 अक्टूबर से प्रदेश में 3000 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू करेंगे।

श्री किशोर ने सोमवार को जन सुराज के जरिये नई राजनीतिक पार्टी बनाने का संकेत देने के बाद गुरुवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में अपनी रणनीति का खुलासा करते हुए बताया कि फिलहाल वह कोई राजनीतिक पार्टी नहीं बनाने जा रहे हैं। वह इस वर्ष 02 अक्टूबर से पूर्वी चंपारण के गांधी आश्रम से प्रदेश में 3000 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू करेंगे। इस दौरान वह जन सुराज की संकल्पना को लेकर गांव-गांव जाएंगे और एक-एक व्यक्ति से मिलकर उनकी समस्या, इच्छा, आशा और आकांक्षा को समझने का प्रयास करेंगे। इसके बाद वह और उनके साथ खड़े लगभग 18 हजार लोग मिलकर तय करेंगे कि जन सुराज को राजनीतिक पार्टी का रूप दिया जाए या नहीं। चुनावी रणनीतिकार ने कहा कि बिहार में पिछले तीस वर्षों में दो बड़े नेताओं की सरकार के शासन के दौरान बिहार विकास के सभी पैमाने पर पीछे रहा है।

धार्मिक यात्रा — 30 वाहनों में 1200 श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को किया रवाना

ऋषिकेश से चारधाम यात्रा का शुभारंभ

ऋषिकेश/देहरादून ■ एजेंसी

उत्तराखंड स्थित गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ की 2022 की चारधाम यात्रा का गुरुवार को औपचारिक श्रीगणेश राज्य के वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल और परिवहन मंत्री चंदनराम दास ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर शुरू किया। इस मौके पर 30 वाहनों में 1200 श्रद्धालुओं को दोनों मंत्रियों की उपस्थिति में रवाना किया गया।

इस दौरान, ऋषि कुमारों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण, ढोल बाजों से पंडाल गूंज उठा। गुरुवार को यहाँ प्रत्येक वर्ष चारधाम यात्रा संचालित करने वाली संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति के तत्वावधान में यात्रा का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

कैबिनेट मंत्री श्री अग्रवाल ने राज्य आगमन पर सभी चारधाम यात्रियों का स्वागत करते हुए उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होने की भगवान से प्रार्थना की।

उन्होंने कहा कि दो वर्ष से प्रभावित चारधाम यात्रा इस वर्ष 2022 में अच्छी होने जा रही है और इसके लिए राज्य सरकार पूरी तरह से तैयार है। इसकी प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जा रही है।

मोबाइल टॉयलेट की समुचित व्यवस्था

श्री अग्रवाल ने कहा कि चारधाम यात्रा मार्ग पर यात्रियों को सुविधाओं का राज्य सरकार ने विशेष ख्याल रखा है, इसमें मोबाइल टॉयलेट की समुचित व्यवस्था की गई है। साफ सफाई का विशेष ख्याल रखा गया है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधाओं के लिए राज्य सरकार ने पहली बार होटल, रेस्टोरेंट आदि से बिल में सर्विस चार्ज न लेने को कहा है, कहा कि सर्विस चार्ज के लिए यात्रियों को बाध्य नहीं कर सकते। उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा के औपचारिक शुभारंभ के बाद से प्रत्येक शनिवार को स्कूल बंद रहेंगे। इससे ऋषिकेश में बच्चों और अभिभावकों को जाम से दो चार नहीं होना पड़ेगा। परिवहन मंत्री चंदनराम दास ने प्रदेश की जनता से आग्रह किया है कि यात्रियों को हर संभव सहयोग करें। जिससे यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और यहां से वापस जा कर अपने प्रदेश में यात्रा के प्रति सकारात्मक सोच पैदा कर सकें। उन्होंने कहा कि मेडिकल की सुविधा बेहतर मिले, इसके लिए सरकार तैयार है। किराया वृद्धि पर संवेदनशील है, बीच का रास्ता निकाला जाएगा।

मेला प्राधिकरण की तेरहवीं बोर्ड की बैठक संपन्न

प्रयागराज, (कुंदन श्रीवास्तव)। मंडलायुक्तसंजय गोयल की अध्यक्षता में गुरुवार को मेला प्राधिकरण स्थित आईसीसीसी सभागार में प्रयागराज मेला प्राधिकरण की तेरहवीं बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अक्षयवट मार्ग के विकास एवं सुदृढ़ीकरण कराए जाने के सम्बन्ध में निर्णय लेते हुए इस हेतु आवश्यक कार्यवाही का निर्देश दिया।

नाव की ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही के निर्देश

मां त्रिवेणी की आरती, संगम क्षेत्र व आस-पास के घाटों का विकास एवं तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं को बढ़ाने हेतु भी आवश्यक कार्यवाही किए जाने को कहा गया।

बैठक में संगम क्षेत्र, किला घाट, हनुमान मंदिर एवं परेड क्षेत्र में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं इसका नियमित पालन किए जाने भी निर्देशित किया गया।बैठक में मेला प्राधिकरण कार्यालय परिसर के भवन में ही रिकार्ड रूम बनाए जाने के भी निर्देश दिए। संगम नोज के पास संगम क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं एवं तीर्थयात्रियों की सुविधाओं के दृष्टिगत फूड कोर्ट, एम्यूजमेंट जोन, वेण्डिंग जोन तथा स्टॉल लगाए जाने हेतु निर्धारित मानकों का पालन करते हुए आवश्यक कार्यवाही किए जाने का निर्णय लिया गया।

जॉब के दौरान आत्मविश्वास जरूरी...

आत्मविश्वास सिर्फ इंटरव्यू में ही नहीं, बल्कि आगे जॉब करने के दौरान आपको हर जगह दिखाना होता है। इस पर आपकी तरक्की भी निर्भर करती है। अगर आप करियर की राह में सफल होना चाहते हैं, तो सबसे पहले यह स्किल सीखना होगा कि खुद को कैसे कॉन्फिडेंट बनाएं...

किसी इंटरव्यू के दौरान सबसे पहले इस बात का आकलन किया जाता है कि कैंडिडेट कॉन्फिडेंट है या नहीं। नियोक्ता किसी कर्मचारी में जिन जरूरी स्किल की तलाश करता है, उसमें कॉन्फिडेंस यानी आत्म-विश्वास सबसे प्रमुख होता है। कई बार ऐसा भी देखा जाता है कि अच्छे कैंडिडेट्स का भी जॉब के लिए सलेक्शन नहीं होता है, क्योंकि इंटरव्यू के दौरान वह काफी नर्वस था या उसके कॉन्फिडेंस की कमी इंटरव्यू लेने वालों को खल रही थी। आत्म-विश्वास सिर्फ इंटरव्यू में ही नहीं, बल्कि जॉब करने के दौरान आपको हर जगह दिखाना होता है। इस पर आपकी तरक्की भी निर्भर करती है। अगर आप करियर की राह में सफल होना चाहते हैं, तो सबसे पहले यह स्किल सीखना होगा कि अपने को कॉन्फिडेंट कैसे बनाएं। यह कैसे हो सकता है, आइए इसका तरीका जानते हैं...

प्रोफेशनल दिखें

जब ऑप किसी जॉब के लिए अप्लाई करते हैं, तो एप्लीकेशन या अपने रिज्यूमे में ही अपने बारे में बेहतर से बेहतर तस्वीर दिखाने की पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन इंटरव्यू के द्वारा संभावित एम्प्लायर यह पता लगा लेता है कि आपका वास्तविक फर्स्ट इम्प्रेशन कैसा है, इसलिए आपको उस हिसाब से अपना बिहेवियर भी दिखाना होगा। इंटरव्यू या जॉब के दौरान आपको पूरी तरह से प्रोफेशनल दिखना चाहिए।

अपनी क्षमता पर भरोसा करें

सबसे पहले तो आपको खुद की क्षमता पर भरोसा करना होगा। आपने अपने रिज्यूमे में खुद अपनी काबिलियत की तारीफ की है, तो उस पर भरोसा भी करें। यह मान लें कि आपके अंदर क्षमता है और आप किसी इंटरव्यू को अच्छी तरह से फेस कर सकते हैं या कोई नया चैलेंजिग जॉब मिलने पर उसे कर सकते हैं।

नेटवर्किंग की कला सीखें

नेटवर्किंग से आपके अंदर की घबराहट कम होती है और सीनियर लोगों से मिलने-जुलने, उनके अनुभव जानने से आपको मार्ग-दर्शन मिलता है। इससे आपको यह सीख मिलती है कि इंटरव्यू के दौरान या किसी जॉब के दौरान किस तरह से पेश आना चाहिए।

अति आत्म-विश्वास से बचें

ज्यादातर लोग इसके शिकार हो जाते हैं। लोगों का अतिशय आत्म-विश्वास ईगो का रूप ले लेता है। कम योग्यता होते हुए भी कई बार लोग यह सोचते हैं कि उनसे बेहतर कोई नहीं और किसी जॉब के लिए उनका सलेक्शन तो तय है। इस बात का ध्यान रखें कि जब आप रिज्यूमे या कवर लेटर बनाएं तो वह विज्ञापन जैसा न हो।

दिखाएं आत्म-विश्वास

यदि आपको डराने वाला टास्क मिल गया, तो भी हर दिन ऐसे काम जरूर करें, जिसमें आप बेहतर हों। जैसे आप अच्छा लिखते हों, तो हर दिन कुछ लिखने का प्रयास करें। अपने को हमेशा यह याद दिलाते रहें कि आप सक्षम और कीमती हैं।

सही सवाल करें

ऐसे समय में कैंडिडेट्स सबसे मुश्किल में दिखता है, जब इंटरव्यूअर उससे पूछता है, क्या आप हमसे कोई सवाल करना चाहते हैं? आपके सामने ऐसी परिस्थित आती है और अगर आप कोई सवाल करना चाहते हैं, तो इस बात का ध्यान रहे कि सही तरीके का सवाल हो। आप चाहें, तो जॉब में संभावित चुनौतियों के बारे में सवाल पूछकर अपनी रुचि या कहें कि आत्म-विश्वास दर्शा सकते हैं या इंटरव्यू लेने वालों से यह सवाल भी कर सकते हैं कि उनके लिए सफलता का मतलब क्या है।

अपनी नॉलेज बढ़ाएं

अपनी ताकत और कमजोरियों के बारे अच्छी जानकारी से आत्म-विश्वास बनाए रखना आसान होता है। बिना किसी आत्म मुग्धता के ऐसा तरीका निकालें कि ताकत वाले गुण कैसे बढ़ें और कमजोरियों को कम कैसे किया जा सके।

युवा मन

कार्टोग्राफर के रूप में एक्साइटिंग एवं क्रिएटिव कैरियर

प्रोफेशनल्स जिन्हें मैप या चार्ट बनाने का आर्ट आता है, वे कार्टोग्राफर या मैप मेकर के नाम से जाने जाते हैं। एक कार्टोग्राफर साइंटिफिक, टेक्नोलॉजिकल और आर्टिस्टिक तरीके से मैप बनाता है। इसके लिए वह सर्वे, एरियल फोटोग्राफ, सैटेलाइट इमेज की मदद लेता है। कुछ क्रिएटिव और एक्साइटिंग करना चाहते हैं, तो बतौर कार्टोग्राफर करियर बना सकते हैं।

कॉम्बिनेशन ऑफ स्किल्स:- एक कार्टोग्राफर को ज्योग्राफी और एनवॉयरनमेंट की बेसिक नॉलेज होनी चाहिए। जिन लोगों में डिजाइनिंग का सेंस होता है, वे किसी फोटोग्राफ और ड्रॉइंग को बारीकी से समझ कर मैप क्रिएट कर सकते हैं। कार्टोग्राफी के फील्ड में आने के लिए मैथमेटिकल स्किल्स और रिसर्च वर्क भी आना चाहिए। उनमें विजुअलाइजेशन, पेशेंस, हार्डवर्क और काम को लेकर डेडिकेशन जैसी क्वॉलिटीज भी होनी चाहिए।

फोकस ऑन क्लाइंट डिमांड:- कार्टोग्राफर अपने क्लाइंट की डिमांड के हिसाब से मैप बनाता है। ये मिलिट्री, ज्योग्राफिकल, हिस्टॉरिकल, एजुकेशनल, पॉलिटिकल या टूरिस्ट्स का रोड मैप हो सकता है। इसके अलावा, ये मैप्स डिजिटल और ग्राफिक, दोनों फॉर्म में हो सकते हैं।

टेक्निकल नॉलेज:- वैसे तो मैप बनाने की आर्ट तकरीबन 7 हजार साल से भी ज्यादा पुरानी है। पहले मैप बनाने वाले ज्यादातर वक्त फील्ड में बिताते थे और फिर हाथ से मैप बनाते थे। लेकिन अब यह काम कंप्यूटर के जरिए किया जाता है। इसलिए कंप्यूटर स्किल्स के अलावा ज्योग्राफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम और डिजिटल मैपिंग टेक्निक की जानकारी रखनी होगी।

कोर्स और एलिजिबिलिटी:- कार्टोग्राफर बनना चाहते हैं, तो इससे रिलेटेड डिग्री या डिप्लोमा कोर्स करके इस फील्ड में एंट्री करें। कार्टोग्राफी में बैचलर डिग्री के अलावा ज्योग्राफी, जियोलॉजी, इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस, अर्थ साइंस और फिजिकल साइंस के ग्रेजुएट भी इसमें करियर बना सकते हैं। अगर ज्योमेट्री, मैकेनिकल ड्रॉइंग और ड्राफ्टिंग की नॉलेज हो, तो और भी अच्छा रहेगा।

जॉब प्रॉस्पेक्ट्स:- मैप का इस्तेमाल एक इंडिविजुअल से लेकर इंडस्ट्रियल पर्पज तक के लिए किया जाने लगा है। इसलिए प्लानर्स, यूटिलिटी कंपनियों, स्टेट एजेंसीज, कंस्ट्रक्शन कंपनियों,सर्वेयर्स, आर्किटेक्ट्स सभी को कार्टोग्राफर की जरूरत पडती है। इस तरह वेदर फोरकास्टिंग, ट्रैवल ऐंड टूरिज्म, ज्योलॉजिकल, मिनिरल एक्सप्लोरेशन, मिलिट्री डिपार्टमेंट, पब्लिशिंग हाउसेज में जॉब के अच्छे चांसेज हैं। इसमें शुरूआती दौर में ही 15 से 20 हजार रुपये आसानी से कमाए जा सकते है। हालांकि यह ऑगेर्नाइजेशन या कंपनी पर डिपेंड करता है। विदेश में एक्सपीरियंस्ड कार्टोग्राफर 5-10 लाख रुपये मंथली भी कमा लेता है।

टेक्निकल नॉलेज का गेम:- पिछले पांच-छह साल से लगातार कार्टोग्राफी की फील्ड में ग्रोथ दिखाई दे रही है। डिमांड के अनुसार ही इस फील्ड में ट्रेंड प्रोफेशनल्स के लिए स्कोप भी बढा है, लेकिन यह केवल उन्हीं के लिए है, जो अपने सब्जेक्ट्स के साथ-साथ इसमें यूज होने वाली नई टेक्नोलॉजी में भी पूरी तरह परफेक्ट हैं। जिन स्टूडेंट्स के अंदर पेशेंस है, कमिटमेंट है, उनके लिए यहां बहुत कुछ करने के लिए है। क्वॉलिटी ऑफ प्रेजेंटेशन और वर्क परफेक्शन के बिना इस फील्ड में आगे बढना इंपॉसिबल है।

लगातार काम करने से होती हैं ये शारीरिक समस्याएं, ऐसे बचें इनसे

भारत की 121 करोड़ से ज्यादा आबादी में 65 फीसदी लोगों की उम्र 35 साल या इससे कम है। देश के युवा अलग-अलग क्षेत्र में काम कर रहे हैं। इनमें से ज्यादातर युवा प्राइवेट कंपनियों में जॉब करते हैं। कामयाबी हासिल करने के लिए जी-तोड़ मेहनत करते हैं। पर हममे से कई लोग मेहनत के आगे अपनी हेल्थ को भूल जाते हैं।

ऑफिस वर्क हो या फील्ड वर्क, लगातार काम करने और काम का प्रेशर लेने के चलते, कम उम्र में ही कुछ शारीरिक समस्याएं शुरू हो जाती हैं। आप अगर इन्हें नजरअंदाज करते हैं तो ये आगे चलकर बड़ी बीमारी का रूप ले सकती हैं।

हमने कुछ फिजियोथैरेपिस्ट से ऑफिस जाने वाले लोगों से जुड़ी शारीरिक समस्याओं और उनके रोकथाम को लेकर बातचीत की। शायद आपको भी इनमें से कुछ हेल्थ प्रॉब्लम शुरू हुई हों या कई दिनों से आप परेशान हों। हम आपको बता रहे हैं कि कैसे खुद पर थोड़ा ध्यान देकर आप हेल्थ प्रॉब्लम्स को दूर रख सकते हैं या फिजियोथैरेपिस्ट की सलाह लेकर उन्हे जड़ से खत्म कर सकते हैं..

मेदांता हॉस्पिटल गुड़गांव के फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. आलोक मोहन कहते हैं, हमारे पास बैकपेन की समस्या लेकर ऐसे पेशेंट आते हैं, जो ऑफिस में ज्यादातर बैठकर काम करते हैं। पॉश्चर इमबैलेंस यानी ठीक ढंग से न बैठने की वजह से यह समस्या आती है। ग्वालियर के डॉ. गौरव त्रिपाठी के मुताबिक, ऑफिस गोइंग लोगों में स्पॉन्डलाइटिस और लंबर स्पॉन्डलाइटिस जैसी समस्याएं आम हैं।

बचाव के उपाय डॉ. आलोक बताते हैं कि अगर आपको इन समस्याओं से बचना है तो ऑफिस में बैठने का सही तरीका काफी जरूरी है। लगातार सीट पर नहीं बैठना चाहिए। बीच में सीट पर बैठे-बैठे आप अपनी बॉडी को स्ट्रैच कर सकते हैं। इसके लिए एक्सरसाइज चार्ट देखिए। डॉ. गौरव बताते हैं कि सर्वाइकल या लंबर स्पॉन्डलाइटिस बढ़ जाने पर मशीन से एक्सराइज या अलग-अलग थैरेपी लेनी होगी।

डॉ. आलोक बताते हैं कि फील्ड पर रहने वाले या लगातार बाइक चलाने वाले लोगों को कंधे में दर्द, अपर बैक पेन जैसी समस्याएं हो जाती हैं। डॉ. गौरव के मुताबिक, ज्यादा देर तक बैठकर काम करने से भी घुटने में दर्द हो सकता है। डॉ. गौरव ने कहा, सर्वाइकल बढ़ने पर सिर दर्द, चिड़चिड़ापन, उल्टी और चक्कर शुरू हो जाते हैं। चिड़चिड़ेपन से बीपी प्रॉब्लम भी हो सकती है।

ऑफिस जाने से पहले घर पर:-

-सिंगल नी टू चेस्ट स्ट्रेच-पीठ के बल लेटें और पैरों को सीधा रखें।
-एक घुटने को पकड़कर छाती तक लाएं।
-20 सेकेंड तक होल्ड करें।
-रिलैक्स होकर दूसरे पैर के साथ भी ऐसा करें।
-दोनों पैरों से 5 दफा रिपीट करें।
स्टैंडिंग स्ट्रेच:-
-पैर सीधे करके खड़े हो जाइए।
-घुटने के पीछे से पैर को पकड़िए।
-जितना हो सके पैर को ऊपर उठाइए। 20 सेकेंड तक होल्ड कीजिए।
-रिलैक्स होकर दूसरे पैर के साथ ऐसा कीजिए। दोनों साइड से 5 बार ऐसा कीजिए।

हिप रोलिंग:- पहले सीधे लेटें और अपने दोनों पैरों को थोड़ा ऊपर उठाएं। अपने हाथों को बांधकर छाती पर रखें। फिर अपने सिर को दाएं घुमाएं और मुड़े हुए पैरों को बाएं। फिर धीमे-धीमे पैरों को सीधे करके रिलैक्स हों। फिर पैर को वापस मोड़कर सिर सेंटर पर करें। फिर सिर को बाएं और मुड़े हुए पैरों को दाएं घुमाकर यह प्रक्रिया दोहराएं।

साइड बेंडिंग:- सीधे खड़े हों। पैरों के बीच थोड़ा गैप रखें और हाथों को सीधे पैरों के सहारे नीचे। फिर अपने सिर को दाईं तरफ झुकाते हुए बायां हाथ सिर के सहारे दाईं तरफ ले जाएं और दायां हाथ सीधे रखें। फिर सीधे होने के बाद सिर को बाईं तरफ और दायां हाथ बाईं तरफ ले जाएं।

कहानी

वह मुझे अच्छी लगने लगी

प्रिय सुरेश

ये क्षेत्र छत्तीसगढ़ कहलाता है। छत्तीसगढ़ का मतलब बहुत से लोग कहते हैं कि इधर 36 वर्ष रहने के बाद ही आदमी इधर के लोगों को जानता है, कुछ लोग कहते हैं यहां के लोग जब तक छत्तीस गांव न बदलें उन्हें चैन नहीं मिलता। लेकिन मैंने अनुभव किया कि छत्तीसगढ़ का मतलब है अपनी दुनिया में मस्त, अपनी संस्कृति में जीमे सीधे-सादे मस्त कलंदर आदिवासी। न जिन्हें कल की चिंता है न आज का पछतावा। दूरत तक फैले पहाड़। आंखों के आगे नचते झूमते लाखों पेड़। लगह जगह लगते मेले ठेले, हाट बजार और उनमें बिकती बनोपज, छोटे मोटे सौदे और वस्तुविनियम का साकार होता आदिम सौदा। कुछ भी हो मेरे अल्प प्रवास में मुझे यहां के लोग भले और भोले लगे। तुम्हें पूरी कहानी मैं सुनाना भी नहीं चाहता था क्योंकि खामख्वाह तुम बोर हो जाओगे, पर तुम मेरे मित्र हो तुम्हे बिना मुझे चैन भी न आयेगा।

कहानी शुरू करने से पहले में तुम्हें इस क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी दे दूं, इस क्षेत्र में ईब नदी अपने चैड़े पाट में मंथर गति से बहती है। समीप ही एक रेस्ट हाउस है- लवाकेरा रैस्ट हाऊस। रेस्ट हाऊस से 5 किलोमीटर दूर बिहार और तीन किलोमीटर दूर से उड़ीसा की सीमा लग जाती है। ईब नदी को लोग स्वर्ण नदी भी कहते हैं क्योंकि इसमें सोने का पाउडर बहता है। इधर के लोग इसकी रेत को लकड़ी की कठौती में डालकर हिलाते हुये (सकोरते हुये) सोना निकालते है। मजदूरी के बाद दूसरा रोजगार इधर के मजदूर यही करते हैं। बंशों भी यही करती थी।

बंशो यहीं की एक काली कलूटी बदसूरत सी औरत हैं, लेकिन आजकल मुझे वह संसार की सबसे खूबसूरत औरत लगने लगी है। तुम इसकी शिक्षा पूछोगे तो आश्चर्य करोगे कि उसे काला अक्षर भैंस बराबर है फिर भी उसने तुम्हारे इस बिनल को अपने जादू में बांध लिया है। तुम्हें याद होगा कि मैं अपने जमाने में कालेज का बेस्ट डिचेटर एण्ड स्पीकर था लड़कियां मुझपर जान छिड़कती थी और मैं किसी को घास न डालता था। पर इसने मुझ पर जादू कर दिया है। मैं अभी तक पहेलिया ही बुझा रहा हं सुना कुछ भी नहीं रहा तो सुनो विस्तार से-मैं जब इधर उपयंत्री नियुक्त होकर आया था तो मुझे यह क्षेत्र बड़ा सुखद लगा था। मैं पहले दिन जब साईट कार्यक्षेत्र पर गया तभी मैं समझ गया था कि बहां केवल मूक-दर्शक बनकर ही जिया जा सकता है क्योंकि ठेकेदार इस क्षेत्र का पैसे वाला आदमी था। उसके एक इसारे पर किसी को भी तबाह किया जा सकता था। इसलिये मुझसे पूर्व के लोग ठेकेदार के काले सफेद को मौन होकर देखते रहे। परिणाम तुमने समाचारों में पढ़ा होगा कि इधर के सारे जलाशय वर्षों से अधूरे पड़े थे और जो बन गये थे उनमें पानी भरते ही रिसन होना शुरू हो गई थी। मैंने पहले दिन ही ठेकेदार द्वारा प्रयोग किया जाने वाले सीमेंट और अन्य मटेरियल को चैक करके गलत सिद्ध होने पर काम रूकवा दिया था। ठेकेदार का आदमी वहीं मौजूद था, उसने ठन्डे शब्दों में कहा था साहब अभी नये हो काहे को ठेकेदार को छेड़ रहे, ठेकेदार ने सैकड़ों इंजीनियर निकाल दिये आप तो अभी नये हो, छोटा औहदा है, क्या फायदा काम रूकवाने से। आपको आपका हिस्सा मिलता रहेगा काम शुरू रहने दो।

मैंने उस दिन काम बंद रहने का ही आदेश दिया और लौट आया था। उसी दिन शाम को ठेकेदार आया था और घुटे घाघ की तरह हिनहिनाया। उसने मेरे सामने नोटों की एक सिट पटक दी थी और बोला था क्षमा करना साहब मुझे आने में देर हो गई। ये आपका हिस्सा है।

मैंने सिट उठाकर उसकी जेब में ठूंसते हुऐ कहा ठेकेदार साहब जरूरी नहीं है कि हर आदमी रिश्वतखोर हो। आप इन नोटों को ले जाईये ओर अपने आदमियों से कहिये कि सीमेन्ट आने तक काम रोके रहें। इतना कहकर में अन्दर चला गया था। ठेकेदार को उठकर जाते हुये मेनें खिड़की से देखा था।

उसी शाम मैं नदी किनारे -सर कुछ भारी सा था इसलिये टहलने चला गया। देखा एक औरत घुटनों तक पानी में खड़ी होकर साड़ी के कठोते से रेत (हिला) झकोर रही हैं। बाद में पता लगा कि वह बंशों-थी।

मैं कौतूहल से देखता रहा वह तल्लीनता से अपने काम में लगी थी। काफी देर बाद उसके हाथ रूके और वह किनारे की ओर लौटी। मुझे वहां पाकर वह कुछ अचकचा गई सहमते हुये इतना ही बोली- अरे बड़े साहब तुम यहां काहे आये रहे?

मैं कुछ चोंका। वह मुझे जानती थी। मैंने पूछा तो अटकते -अटकते बताने लगी। यह कि उसके भाई और भाभी गोदी में एक बच्चा और बच्ची छोड़ कर सुरलोक सिधार गये। यह कि मेरी साईट पर ही मजदूरी करती है। यह कि अगर आज कुछ न किया जाता तो उसके भतीजे-भतीजियां भूखे रहते।

लगातार बिना रूके उसे बोलते देख में समझ गया कि उपर से काली कलूटी दिखने बाली वह बंशो हृदय से एक दम साफ स्वच्छ है। चंचल हिरनी सी रास्ते को छलागंती और बात बात पर चमेली जैसे श्वेत दांतों को निकालकर हंसती हुई वह मुझे छोड़ने रैस्ट हाउस तक आई।

जाते जाते उसने मुझे वह स्वर्ण पावडर बताया। काला सा पावडर था वह। मुश्किल एक चुटकी भर। मेरे पूछने पर उसने बताया था कि एक धान भर पावडर के बदले 7 रू. 50 पै. मिलेंगे। जिससे राशन आवेगा उसके घर का।

अनजाने ही मुझसे एक पाप हो गया। यह सोचकर मेरा दिल मुझे धिक्कारने लगा। जब तक काम बन्द रहेगा। बंशो जैसे कितने परिवार कुछ दिनों तक भूखे रहेंगे या फिर गैर कानूनी काम करने को विवश होंगे। मेरी बुद्धि ने तर्क दिया कि यदि गलत निर्माण हुआ तब तो जाने कितने मासूमों का बलिदान ही हो जायेगा। नये जलाशय परिवार समेत हजारों मासूमों को लील लेंगें। तुम कहोगे मैं बहकने लगा इसलिये संक्षेप में सुनाता हूं। मुझे शून्य में घूरते देख मेरी ऑखों के आगे हाथ नचाती तो बंशो ने मुझे टोका था बड़े साहब कहां खो गये? मैंने हड़बड़ाकर उसकी ओर देखा वह निश्छल मुक्त हंसी हंस रही थी। मैंने सभंलकर उसे अपने घर काम करने का पूछा तो उसने हामी भर दी थी। मात्र 100 रू. महीना वेतन मैंने बताया था। उसने सोदेबाजी नहीं की।

दूसरे दिन मैं पहाड़ी की ओर टहलने गया था उधर से लौट रहा था कि रास्ते में एक बित्ते भर का सांप अचानक झाड़ी में से उछलकर मुझ पर आ गिरा मैं अचकचाकर पीछे लौटा तब तक सांप अपना काम कर चुका था। बायें हाथ में कलाई के निकट ऐसा लगा जैसे किसी ने दहकता हुआ अंगारा रख दिया हो।

निकोलस पूरन की पारी बेकार, सनराइजर्स की 21 रन से हार

वार्नर और पॉवेल का धमाका दिल्ली ने हैदराबाद को हराया

मुम्बई। सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर नाबाद 92 और रोवमैन पॉवेल नाबाद 67 के आतिशी अर्धशतकों तथा उनके बीच चौथे विकेट के लिए 122 रन की अविजित साझेदारी की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को गुरूवार को आईपीएल मुकाबले में 21 रन से मात देकर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को कायम रखा। दिल्ली ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 207 रन का मजबूत स्कोर बनाया और हैदराबाद को 20 ओवर में आठ विकेट पर 186 रन पर रोक दिया।

दिल्ली की 10 मैचों में यह पांचवीं जीत है और वह तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है जबकि हैदराबाद को 10 मैचों में पांचवीं हार का सामना करना पड़ा और वह एक स्थान गिरकर छठे स्थान पर खिसक गयी है। वार्नर ने अपनी पुरानी टीम के खिलाफ जबरदस्त तेवर दिखाते हुए मात्र 58 गेंदों पर नाबाद 92 रन की आतिशी पारी में 12 चौके और तीन छक्के लगाए जबकि पॉवेल ने 18 रन पर मिले जीवनदान का पूरा फायदा उठाते हुए 35 गेंदों पर तीन चौके और छह छक्के उड़ाते हुए नाबाद 67 रन ठोके। दोनों ने आखिरी पांच ओवर में 70 रन उड़ाते हुए टीम को 200 के पार पहुंचा दिया। कप्तान ऋषभ पंत ने 16 गेंदों पर 26 रन तीन छक्के और एक चौका लगाया। मिचेल मार्श 10 रन ही बना सके। पॉवेल ने आईपीएल के सबसे तेज गेंदबाज बन चुके उमरान मलिक के पारी के आखिरी ओवर में एक छक्का और तीन चौके उड़ाए और 19 रन बटोरे।

पूरन ने खेली तेजतर्रार पारी

निकोलस पूरन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का चौथा अर्धशतक पूरा किया। वह 34 गेंदों में 62 की आतिशी पारी खेलकर शार्दूल ठाकुर की गेंद पर आउट हुए। उनका कैच पॉवेल ने पकड़ा। पिछले मैच में चेन्नई के खिलाफभ ी उन्होंने टारगेट का पीछा करते हुए 33 गेंदों पर नाबाद 64 रन बनाए थे। खलील अहमद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 3 विकेट अपने नाम किए। तेज गेंदबाज ने अभिषेक शर्मा 7 रन, एडेन मार्करम 42 रन और शॉन एबट 7 रन को आउट किया। इससे पहले हैदराबाद ने पहले तीन विकेट केवल 37 के स्कोर पर गंवा दिए थे। इसके बाद एडेन मार्करम और निकोलस पूरन ने चौथे विकेट के लिए 35 गेंदों पर 60 रन जोड़े। ये जोड़ी दिल्ली की जीत की राह में मुश्किल खड़ी कर रही थी। 13वें ओवर में खलील अहमद ने मार्करम को आउट कर दिल्ली को चौथी सफलता दिलाई। वह 25 गेंदों में 42 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अपनी पारी में मार्करम ने 4 चौके और 3 छक्के लगाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए हैदराबाद की शुरुआत खराब रही। दूसरे ओवर में अभिषेक शर्मा सात रन खलील अहमद की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। 5वें ओवर में कप्तान केन विलियमसन भी आउट हो गए। केन 11 गेंदों में सिर्फ 5 रन बनाकर एनरिक की गेंद पर आउट हुए। ये दोनों विकेट हैदराबाद ने केवल 23 रन के स्कोर पर गंवाए।

गुजरात को मुंबई से रहना होगा सतर्क

मुम्बई। आईपीएल के प्लेऑफ की दहलीज पर खड़ी गुजरात टाइटंस को ब्रेबोर्न स्टेडियम में शुक्रवार को होने वाले मुकाबले में मुम्बई इंडियंस से सतर्क रहना होगा। गुजरात की टीम 10 मैचों में आठ जीत और 16 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है जबकि मुंबई नौ मैचों में एक जीत के साथ 10 टीमों में आखिरी स्थान पर है। गुजरात पिछला मैच हारकर और मुम्बई पिछला मैच जीतकर इस मुकाबले में उतरने जा रही हैं। गुजरात को अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स के हाथों 24 गेंद शेष रहते आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था पंजाब ने गुजरात को 20 ओवर में आठ विकेट पर 143 रन के सामान्य स्कोर पर रोकने के बाद 16 ओवर में दो विकेट पर 145 रन बनाकर एकतरफा जीत हासिल की। पांच बार की चैंपियन मुम्बई इंडियंस ने लगातार आठ हार के बाद पिछले शनिवार को राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से पराजित कर आईपीएल में पहली जीत का स्वाद चखा था। राजस्थान ने 20 ओवर में छह विकेट पर 158 रन बनाये जबकि मुम्बई ने 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन बनाकर जीत हासिल की थी।

मैराडोना की हैंड ऑफ गॉड वाली जर्सी रिकॉर्ड कीमत पर नीलाम

मिले 67.86 करोड़ रुपए

लंदन। अर्जेंटीना के फुटबॉल दिग्गज डिएगो माराडोना के विवादित हैंड ऑफ गॉड गोल के दौरान पहनी गई फुटबॉल शर्ट को लंदन में 7.1 मिलियन पाउंड लगभग 67.86 करोड़ रुपए में नीलाम किया गया। इसके साथ ही इस जर्सी ने नीलामी का नया रिकॉर्ड बनाया। यह किसी मैच में खिलाड़ी द्वारा पहनी गई जर्सी की सबसे ज्यादा कीमत है।

इससे पहले साल 2019 में बेबे रूथ के यांकीज रोड की जर्सी 5ण.4 मिलियन अमरीकी डालर 43 करोड़ रुपए में बिकी थी। 22 जून 1986 को फीफा विश्व कप में अर्जेंटीना के 25 वर्षीय माराडोना ने इंग्लैंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में इतिहास रच दिया था। दुनिया के सबसे प्रसिद्ध फुटबॉल मैचों में से एक में माराडोना ने दो सबसे असाधारण और विवादित गोल किए थे। उनके गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने कप जीत लिया था। यह शर्ट इंग्लैंड मिडफील्डर स्टीव हॉज के संग्रह में शामिल थी, जिन्होंने अनजाने में मैच के दौरान माराडोना को गेंद पास की थी। उनके पास पर गोल कर माराडोना ने अपनी टीम को जीत दिलाई थी और मैच के बाद स्टीव के साथ शर्ट बदल ली थी। माराडोना ने अपनी आत्मकथा टचड बाय गॉड में इस बारे में बताया है। सोथबी के स्ट्रीटवियर और मॉडर्न कलेक्टेबल्स के प्रमुख ब्रह्म वाचर ने कहा, यह ऐतिहासिक शर्ट न केवल फुटबॉल के इतिहास में, बल्कि 20वीं शताब्दी के इतिहास में एक ऐतिहासिक पल की याद है। यह निश्चित रूप से नीलामी में आने वाली सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल शर्ट है। इसलिए यह किसी मैच में पहनी गई जर्सी में सबसे महंगी है।

मैड्रिड ओपन से हटे मरे

मैड्रिड। टेनिस स्टार ब्रिटेन के एंडी मरी ने मैड्रिड ओपन से हट गए हैं। उन्होंने बीमारी के चलते नाम वापस लिया है। एंडी मरे ने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच के खिलाफ मैच से पहले मैड्रिड ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। इस बारे में टूर्नामेंट के आयोजकों ने गुरुवार को एक बयान में जानकारी दी है। मरे ने कनाडा के डेनिस शापोवालोव को 6-1, 3-6, 6-2 से हराकर एटीपी 1000 टूर्नामेंट मैड्रिड ओपन के तीसरे दौर में जगह बनाई थी। यह पहली बार है, जब तीन ग्रैंड स्लैम के विजेता 34 वर्षीय मरे ने सिडनी में जनवरी से लगातार मैच जीते हैं। दो पूर्व टॉप 10 खिलाड़ियों ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम और दूसरे दौर में शापोवालोव के खिलाफ अच्छी जीत के बाद मरे सर्बिया के दुनिया के नंबर वन जोकोविच के खिलाफ कोर्ट पर उतरने वाले थे, लेकिन आयोजकों ने उनके खेलने में असमर्थता की सूचना दी। टूर्नामेंट के आयोजकों ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा, दुर्भाग्य से एंडी मरे बीमारी के कारण मनोलो सैन्टाना स्टेडियम में खेलने में असमर्थ हैं। इसके बजाय, एंड्री रुबलेव और डैनियल इवांस सेंटर कोर्ट पर दिन के मैच की शुरुआत करेंगे।

बीमारी के चलते नाम लिया वापस

एमपी की गौरांशी ने डेफ ओलिम्पिक में जीता गोल्ड

मुख्यमंत्री ने दी बधाई

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य बैंडमिंटन अकादमी की दिव्यांग खिलाड़ी गौरांशी शर्मा ने ब्राजील में चल रहे डेफ ओलिम्पिक में टीम इवेंट में स्वर्ण पदक हासिल किया है। गौरांशी की उपलब्धि पर प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उन्हें बधाई दी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ट्वीट किया है कि- आप ऐसे ही शानदार खेल से देश और मध्य प्रदेश का नाम रोशन करती रहें, सफलता के सोपान चढ़ती रहें। मध्य प्रदेश में विभिन्न खेल अकादमियों में प्रशिक्षित मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों और अन्य राज्यों के खिलाड़ियों ने भी अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल मुकाबलों में पदक जीते हैं। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने बधाई देते हुए कहा कि गौरांशी ने साबित कर दिया है कि प्रदेश में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। उन्होंने उनके समर्पित माता-पिता को भी बधाई देती हैं। गौरांशी के माता-पिता भी दिव्यांग हैं।

सात साल की उम्र से ले रही प्रशिक्षण

खेल मंत्री ने कहा कि जब गौरांशी टीटी नगर स्टेडियम में समर कैम्प में शामिल होने आई थी, तब वो मात्र सात वर्ष की थी। उनकी लगन और जुनून के चलते वे मध्य प्रदेश राज्य बैंडमिंटन अकादमी के प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उनकी इस प्रतिभा को निरंतर जारी रखने और बेहतर प्रशिक्षण के लिए खेल विभाग द्वारा एक लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।

आनंद देंगे भारतीय टीम को कोचिंग

बोरिस गेलफांद और विश्वनाथन आनंद भारतीय शतरंज टीम के कोच बने

चेन्नई। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद और बोरिस गेलफांद 44वें शतरंज ओलंपियाड से पहले भारतीय शतरंज खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने के लिए मिलकर काम करेंगे। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ भारत में होने वाले इस प्रतिष्ठित आयोजन में भारत के अधिक से अधिक पदक जीतने के अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से इन दो दिग्गजों को घरेलू टीम के पहले शिविर में मार्गदर्शन के लिए एक मंच पर लेकर आया है।

इजरायल से छह बार के विश्व चैंपियनशिप कैंडिडेट गेलफांद को एआईसीएफ ने मेंटर आनंद के साथ कोच के रूप में चुना है। ओपन और महिला वर्ग दोनों में पहली टीमों के सदस्य 7 से 17 मई तक चेन्नई के होटल लीला में होने वाले शिविर में हिस्सा लेंगे और इस दौरान भारतीय खिलाड़ियों के पास इन दो दिग्गजों से काफी कुछ सीखने का मौका होगा।2009 में विश्व कप जीतने के अलावा, गेलफांद ने 11 शतरंज ओलंपियाड में भाग लिया। अपने 27 साल के लंबे आश्चर्यजनक करियर के दौरान 1990 से 2017 तक फिडे रैंकिंग में उन्हें शीर्ष -30 में स्थान दिया गया था। 52 वर्षीय गेलफांद ने इससे पहले कुछ शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया है, जिससे उन्हें बड़े इवेंट्स में सफल होने में मदद मिली है। एआईसीएफ के अध्यक्ष संजय कपूर ने कहा, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि भारतीय टीमों के पास सब कुछ सबसे अच्छा हो। चाहे वह अच्छी रहने की सुविधा हो या फिर बेहतरीन कोच हों। हम एक ऐसा माहौल बनाना चाहते हैं जो उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए अनुकूल हो।

विश्वकप फाइनल के लिए 30 लाख टिकटों की मांग

नई दिल्ली। फुटबॉल की संस्था फीफा को इस साल कतर में होने वाले विश्वकप फाइनल के लिए 30 लाख टिकटों का अनुरोध मिला है। इसके अलावा ग्रुप चरण के बीच होने वाले मैचों के लिए भी दशकों ने बड़ी संख्या में टिकटों की मांग की है। एसोसिएटेड प्रेस की ओर से जारी डाटा के अनुसार, 26 नवंबर को 80 हजार क्षमता वाले लुसेल स्टेडियम में होने वाले अर्जेंटीना और मेक्सिको के बीच होने वाले मैच के लिए 25 लाख टिकटों की मांग की गई है।

वहीं उससे एक दिन पहले इंग्लैंड बनाम अमेरिका के मैच को 14 लाख दर्शक देखना चाहते हैं, जबकि अल बयात स्टेडियम की क्षमता 60 हजार है। दोहा के लुसेल स्टेडियम में 18 दिसंबर को होने वाले फाइनल के लिए शहर में रुकने वाले किसी भी होटल में जगह खाली नहीं है।

टिकटों की कीमतों में 46 फीसदी बढ़ी

इस साल 21 नवंबर से 18 दिसंबर तक चलने वाले टूर्नामेंट के लिए टिकटों की बिक्री के दूसरे चरण में अमेरिका, इंग्लैंड और कतर से 20 लाख से ज्यादा टिकटों की मांग की गई है। जब यह मांग क्षमता से ज्यादा होती है तो टिकट देने के लिए रैंडम ड्रॉ का इस्तेमाल किया जाएगा। फीफा से जहां फाइनल के लिए 30 लाख टिकटों की मांग की गई है, जबकि अंतरराष्ट्रीय प्रशंसकों के लिए 2018 के फाइनल की तुलना में इनकी कीमतें 46 प्रतिशत तक बढ़ा दी गई हैं। फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए सबसे महंगी टिकट इस बार साढ़े 12 लाख रुपए रखी गई है।

चोट से वापसी के बाद नडाल की शानदार शुरुआत

मैड्रिड ओपन में मियोमीर को सीधे सेटों में हराया

मैड्रिड। स्पेनिश टेनिस स्टार राफेल नडाल ने चोट के बाद वापसी करते हुए अच्छी शुरुआत की और मैड्रिड ओपन में मियोमीर के समानोविच को सीधे सेटों में हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। नडाल ने घरेलू सरजमीं पर 6-1, 7-6 की जीत से शुरुआत की।

जीत के बाद नडाल रियल मैड्रिड का चैंपिंयस लीग फुटबॉल मैच देखने पहुंचे। अब उनकी टक्कर डेविड गोफिन से होगी। रूस के आंद्रे रूबलेव ने ब्रिटेन के डैन इवांस को प्री क्वार्टर में 7-6, 7-5 से हराया। पहले सेट में इवांस ने सर्विस ब्रेक की लेकिन टाईब्रेक में हार गए। दूसरे सेट में एक समय इवांस 5-3 से आगे थे लेकिन रूबलेव ने 5-5 से बराबरी की और दो घंटे 28 मिनट में जीत हासिल कर ली। इससे पहले गत चैंपियन एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने मारिन सिलिच को 4-6, 6-4, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई जहां उनका सामना अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा से होगा। स्टेफानोस सितसिपास ने लुकास पौउली को और आठवें वरीय फेलिक्स ऑगर एलियासिमे ने क्रिस्टियन गारिन को हराया। क्वालिफायर डुसान लाजोविच ने पांचवें वरीय कैस्पर रूड को हराकर उलटफेर किया जबकि नौवें वरीय कैमरन नौरी ने अमेरिका के जॉन इस्नर को हराया।

डिस्कस थ्रोअर कमलप्रीत कौर पर लगा बैन

प्रतिबंधित दवाओं के सेवन की दोषी

नई दिल्ली। प्रतिबंधित दवाओं के सेवन के चलते भारत की स्टार डिस्कस थ्रोअर कमलप्रीत कौर पर अस्थायई बैन लग गया है। कमलप्रीत पर यह बैन डोप टेस्ट में फेल होने के बाद लगा है। अगर वो जांच में दोषी पाई जाती हैं तो उनके ऊपर चार साल तक का बैन लग सकता है। कमलप्रीत कौर ने टोक्यो ओलंपिक के फाइनल में जगह बनाई थी और देश को आगामी प्रतियोगिताओं में उनसे पदक की उम्मीद थी।

उन्हें ओलंपिक खिलाड़ियों के विशेष दल भी शामिल किया गया था और राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में भी वो शामिल थीं। एआईयू ने ट्वीट के जरिए बताया कि डोप टेस्ट के दौरान कमलप्रीत कौर के शरीर के अंदर प्रतिबंधित दवा स्टैनोजोलोल पाई गई थी। इसके बाद उन पर अस्थायी बैन लगाया गया है। यह एक तरह का स्टेरोयड होता है, जिसका सेवन विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार गलत है। विश्व एथलेटिक्स डोपिंग रोधी नियमों के अनुसार सुनवाई होने से पहले आरोपी एथलीट को सभी तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेने से मना कर दिया जाता है और सुनवाई में दोषी पाए जाने पर स्थायी बैन लगाया जाता है। वहीं, सुनवाई में निर्दोष पाए जाने पर खिलाड़ी को सभी

प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दी जाती है।

विश्व एथलेटिक्स की सूची में कौर का नाम दर्ज

अब तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि कौर का टेस्ट कब हुआ था। हालांकि, विश्व एथलेटिक्स की सूची में कौर का नाम दर्ज है। पिछले साल अचानक ही उनके प्रदर्शन में निखार आया था, लेकिन उन्होंने किसी भी प्रतिबंधित दवा के सेवन से इंकार किया था। कौर टोक्यो ओलंपिक में छठे स्थान पर रही थीं। पिछले महीने घुटने की चोट के चलते वो फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शामिल नहीं हुई थीं। वहीं, थिरुवनंतपुरम में हुई इंडियन ग्रांप्री में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था।

ट्रिस्टन स्टब्स मुंबई टीम में शामिल, चोटिल टाइमल मिल्स की जगह लेंगे

मुम्बई, एजेंसी। मुंबई इंडियंस ने टाइमल मिल्स के रिप्लेसमेंट के रूप में दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स को अनुबंधित किया है। मिल्स के टखने में चोट है और वह टाटा आईपीएल के बाकी मुकाबलों से बाहर हो गए हैं।

21 वर्षीय प्रतिभाशाली ट्रिस्टन स्टब्स मध्यक्रम के बल्लेबाज ने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ राष्ट्रीय दक्षिण अफ्रीकी ए टीम के लिए डेब्यू किया। ट्रिस्टन का घरेलू सत्र काफी आशाजनक रहा है और उसने हाल ही में समाप्त हुई टी20 घरेलू लीग में अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ट्रिस्टन ने 17 टी 20 मैच खेले हैं और 157.14 के स्ट्राइक रेट से तीन अर्धशतकों की मदद से 506 रन बनाये हैं। ट्रिस्टन बाकी सीजन के लिए मुम्बई टीम में 20 लाख रुपये की कीमत पर शामिल होंगे।

फुटबॉल बढ़त बनाने के बावजूद हारी मैनचेस्टर सिटी, अब लिवरपूल से होगा चैंपियन लीग का फाइनल

बेंजेमा-रोड्रिगो के गोल से फाइनल में मैड्रिड

नई दिल्ली। बेंजेमा और रोड्रिगो के गोल से रियाल मैड्रिड को फाइनल में पहुंचा दिया। एक समय मैनचेस्टर सिटी ने रियल मैड्रिड पर 1-0 से बढ़त ले ली, तब दर्शकों को लगने लगा कि 13 बार के यूरोपीय चैंपियन के लिए गुरुवार को कोई करिश्मा नहीं होगा, लेकिन रियाल मैड्रिड के खिलाड़ियों ने उम्मीद को बनाए रखते हुए चमत्कार कर दिया। रियाल ने आखिरी मिनट और अतिरिक्त समय में तीन गोल की बदौलत सेमीफाइनल के दूसरे चरण में सिटी को 3-1 से हराकर कुल 6-5 के स्कोर से चैंपियंस लीग के फाइनल में प्रवेश किया। मैड्रिड का 28 मई को फाइनल में लिवरपूल से सामना होगा।

मैच में रोड्रिगो ने दो गोल और करीम बेंजेमा नए एक गोल कर अपनी टीम की जीत दिलाने में प्रमुख भूमिका अदा की। मैच के पहले हॉफ तक दोनों टीमें एक दूसरे पर बढ़त हासिल करने में जुटी रही, लेकिन गोल नहीं कर सकी। दूसरे हॉफ में मैनचेस्टर सिटी ने तेजी दिखाई और 73वें मिनट में रियाद मेहरेज ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद मैड्रिड ने मैच में शानदार वापसी की और ब्राजीली फॉरवर्ड खिलाड़ी रोड्रिगो ने 90वें मिनट और 90 मिनट में दो गोल दागकर टीम की बढ़त 2-1 कर दी। अभी भी यहां से मैच बराबरी पर चल रहा था क्योंकि सेमीफाइनल के पहले चरण में रियाल मैड्रिड को सिटी से 3-4 से हार का सामना करना पड़ा था और अभी भी दोनों गोल का स्कोर 5-5 हो रहा था। फिर अतिरिक्त समय के 95वें मिनट में फ्रांस के स्ट्राइकर ने पेनाल्टी किक पर गोल दागा, वह निर्णायक साबित हुआ और दूसरे चरण के मैच में 3-1 से जीत दर्ज की।

बेंजेमा ने की रोनाल्डो की बराबरी

बेंजेमा का इस सत्र का 15वां चैंपियंस लीग गोल था और नॉकआउट चरण में यह उनका 10वां गोल था। उन्होंने क्रिस्टियानो रोनाल्डो के रिकॉर्ड की बराबरी की, जब 2016-17 सत्र में पुर्तगाल के स्ट्राइकर ने 10 गोल दागे थे।

28 मई को होगी लिवरपूल से खिताबी भिड़ंत

28 मई को फाइनल में मैड्रिड व लिवरपूल की भिड़ंत होगी तो लिवरपूल अपनी पुरानी हार का बदला लेना चाहेगा। 2018 में मैड्रिड ने फाइनल में लिवरपूल को हराकर रिकॉर्ड 13वां खिताब जीता था। लिवरपूल के खिलाफ पिछले पांच मैचों में बेंजेमा ने चार गोल किए हैं। वहीं इस सीजन में इंग्लिश टीमों के खिलाफ 7 यूईएफए चैंपियंस लीग गोल किए हैं।

मेरा विंडीज का कप्तान बनने का सपना साकार हो गया है: पूरन

मुम्बई, एजेंयर। सनराइजर्स हैदराबाद विकेटकीपर निकोलस पूरन ने कहा है कि वेस्टइंडीज की सीमित ओवरों की टीम का कप्तान बनना अविश्वसनीय है। उन्हें यकीन नहीं हो रहा है।

उन्होंने कहा,'यह मेरा सपना था कि मैं अपनी टीम का कप्तान बनूं और अब वह सपना साकार हो रहा है। अनुभव के साथ मैं बेहतर होता जा रहा हूं। हमारी टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं और मैं चाहता हूं कि वह मुझसे कुछ सीखें।'